THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 342 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.6, 2082 सोमवार, 9 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राष्ट्रपति विवाद पर मोदी बोले

ममता को जनता सबक सिखाएगी

ये राष्ट्रपति का नहीं संविधान का अपमान, एक दिन अहंकार सब बर्बाद कर देता है

"जब देश इंटरनेशनल महिला दिवस मना रहा है, यह बहुत चिंता की बात है कि कल ही पश्चिम बंगाल में TMC सरकार ने भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का बहुत अपमान किया।

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में देश और नारी शक्ति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अपमान के लिए टीएमसी को माफ नहीं करेगी, उन्हें जनता सबक सिखाएगी।

पीएम नई दिल्ली में एक जनसभा में बोल रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल में जो हुआ वो राष्ट्रपति का नहीं संविधान का अपमान है। उन्होंने कहा कि अहंकार से भरा व्यक्ति, चाहे कितना भी ताकतवर क्यों न हो, आखिर में बर्बाद हो जाता है। दरअसल, शनिवार को पश्चिम बंगाल में एक कार्यक्रम की जगह बदले जाने पर राष्ट्रपति ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा कि नॉर्थ बंगाल दौरे पर न तो मुख्यमंत्री और न ही कोई मंत्री मुझे रिसीव करने आया। बीजेपी ने इसे प्रेसिडेंट का अपमान बताया था।

इससे पहले रविवार को दिल्ली में पीएम ने 33500 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने जनरल पूल रेजिडेंशियल अकोमोडेशन (जीपीआरए) रीडेवलपमेंट प्लान के तहत 2,722 नए बने फ्लैट का उद्घाटन किया। इसके साथ दो नए मेट्रो कॉरिडोर का उद्घाटन और 3 कॉरिडोर का शिलान्यास किया।

पीएम के भाषण की बड़ी बातें...

> आप सरकार का तरीका काम कम और बहाने ज्यादा करने का था। पहले दिल्ली में कई प्रोजेक्ट फाइलों में ही अटके रहते थे, लेकिन अब प्रोजेक्ट जमीन पर उतर रहे हैं।

> अब सरकार मिशन मोड में दिल्ली की समस्याओं का समाधान कर रही है। सरकार यमुना नदी की सफाई के लिए भी बड़े स्तर पर काम कर रही है।

> भारत में महिला सशक्तिकरण तेजी से आगे बढ़ रहा है। राजनीति, प्रशासन, विज्ञान, खेल और समाज सेवा जैसे हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं।

2 मेट्रो कॉरिडोर का उद्घाटन, 3 का शिलान्यास :

प्रधानमंत्री ने रविवार को दिल्ली मेट्रो के दो नए कॉरिडोर का उद्घाटन किया और तीन और मेट्रो लाइनों की नींव रखी, जिससे राष्ट्रीय राजधानी में कई जरूरी जगहों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। उन्होंने केंद्र सरकार के जनरल पूल रेजिडेंशियल अकोमोडेशन (जीपीआरए) रीडेवलपमेंट प्लान के तहत 15,200 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और नींव भी रखी। सभी प्रोजेक्ट्स की कुल लागत लगभग 33,500 करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री ने जिन दो नए दिल्ली मेट्रो कॉरिडोर का उद्घाटन किया, वे लगभग 12.3 किमी का मजलिस पार्क-मौजपुर बाबरपुर (पिंक लाइन) कॉरिडोर और लगभग 9.9 किमी का दीपाली चौक-मजलिस पार्क (मैजेंटा लाइन) कॉरिडोर थे।

इन कॉरिडोर से दिल्ली के कई इलाकों को फायदा होगा, जिनमें बुराड़ी, जगतपुर-वजीराबाद, खजूरी खास, भजनपुरा, यमुना विहार, मधुबन चौक, हैदरपुर बादली मोड़, भलस्वा और मजलिस पार्क शामिल हैं। मोदी ने दिल्ली मेट्रो के फेज़ V-ए के तहत तीन नए कॉरिडोर की नींव रखी, जो लगभग 16.1 किमी लंबे रूट को कवर करेंगे। ये कॉरिडोर राजधानी में कई जरूरी जगहों को सीधी कनेक्टिविटी देंगे और नोएडा, साउथ दिल्ली और एयरपोर्ट के बीच यात्रा करने वालों के लिए कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएंगे।

पिंक लाइन बनी देश की पहली रिंग मेट्रो :

मजलिस पार्क-मौजपुर-बाबरपुर कॉरिडोर में आठ एलिवेटेड स्टेशन हैं और यह पहले से चल रही मजलिस पार्क-शिव विहार पिंक लाइन का हिस्सा है। इस हिस्से के जुड़ने से, पिंक लाइन करीब 71.56 किमी तक बढ़ गई है, जिससे यह भारत की पहली पूरी तरह से चल रही 'रिंग मेट्रो' बन गई है। मजलिस पार्क-मौजपुर-बाबरपुर कॉरिडोर में यमुना पर एक नया पुल और एक डबल-डेकर वायडक्ट भी है, जिस पर मेट्रो लाइन और रोड फ्लाईओवर दोनों हैं।

दीपाली चौक से मजलिस पार्क तक का कॉरिडोर मैजेंटा लाइन का एक्सटेंशन है, और इसके शुरू होने के साथ ही इस लाइन की कुल लंबाई लगभग 49 किलोमीटर हो जाएगी। इससे कई रेजिडेंशियल और कमर्शियल इलाके मेट्रो नेटवर्क के साथ बेहतर तरीके से जुड़ जाएंगे।

भारत विश्व विजयी

पहली बार मेजबान टीम ने खिताब जीता, फाइनल में रिकॉर्ड 255 रन बनाए, न्यूजीलैंड की 96 रन से सबसे बड़ी हार

अहमदाबाद, 8 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्डकप जीत लिया है। इंडिया लगातार दो बार टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम बनी। पहली बार किसी मेजबान टीम ने टी-20 वर्ल्डकप जीता है।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला लिया था। पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्डकप फाइनल में रिकॉर्ड 255 रन बनाए थे।

संजू सैमसन ने टी-20 वर्ल्डकप फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर 89 रन बनाए। ईशान किशन ने 54 और अभिषेक शर्मा ने 52 रन बनाए।

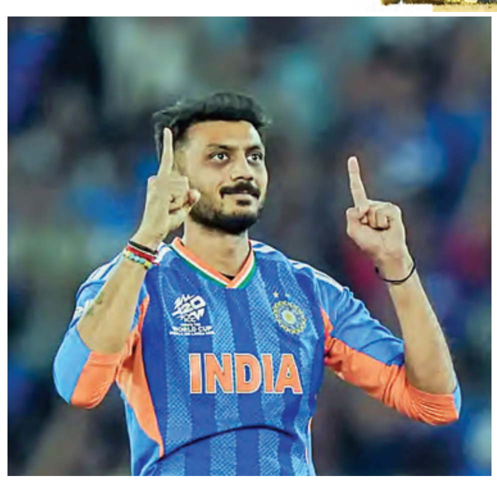

आखिर में शिवम दुबे ने 8 गेंद पर 26 रन बनाए। न्यूजीलैंड से जिमी नीशम को 3 विकेट मिले।

रनों का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरूआत अच्छी नहीं रही। साइफर्ट (52) और कप्तान सैंटनर (43) के अलावा कोई भी बैटर भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सका। पूरी टीम 19 ओवर में 159 रन पर आउट हो गई। न्यूजीलैंड को रनों के लिहाज से टी-20 वर्ल्डकप फाइनल में सबसे बड़ी हार मिली।

मैं ऐसे परिवार में पला-बढ़ा हूं, जहां महिलाएं ही प्रमुख रहीं : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस ने छात्राओं से बात चीत करते हुए बड़ी बात कही है। केरल में छात्राओं से बातचीत के दौरान कहा कि वह एक ऐसे परिवार में पले-बढ़े हैं जहां महिलाएं ही प्रमुख हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि महिलाएं आम तौर पर पुरुषों से अधिक बुद्धिमान होती हैं।

राहुल गांधी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अपने यूट्यब चैनल पर छात्राओं के साथ हुई बातचीत का एक वीडियो रविवार को पोस्ट किया और बताया कि कुछ दिन पहले केरल में दोपहर के भोजन के दौरान उनकी कुछ छात्राओं से मुलाकात हुई और उनसे बहुत ही रोचक बातचीत हुई।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि मैं प्रत्येक छात्रा के सपनों, जिज्ञासा और आत्मविश्वास से बहुत प्रभावित हुआ। ऐसी बातचीत हमें याद दिलाती है कि जब महिलाएं अपनी क्षमता को पहचानती हैं और खुले दिमाग से आगे बढ़ती हैं, तो वे असाधारण बदलाव ला सकती हैं।

राहुल ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि हर महिला अद्वितीय है। उनकी संवेदनशीलता, समझ और भावनात्मक बुद्धिमत्ता समाज को संतुलन व दिशा प्रदान करती है। महिलाएं धैर्य, दूरदर्शिता और सहानुभूति के साथ अपने अनूठे तरीकों से शक्ति का प्रयोग करती हैं।

कमल हासन ने ट्रम्प से कहा-अपने काम से काम रखो

ओपन लेटर में लिखा- भारत आजाद देश, अब हम विदेशी सरकारों का हुकुम नहीं मानते

चेन्नई, 8 मार्च (एजेंसियां)। कमल हासन ने हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक ओपन लेटर लिखकर, उन्हें अपने देश पर ध्यान देने की नसीहत दी है। कमल हासन ने दबे शब्दों में डोनाल्ड ट्रम्प की उस नसीहत पर तंज कसा है, जिसमें उन्होंने भारत को रशिया से तेल लेने की छूट दी है।

कमल हासन ने आधिकारिक एक्स अकाउंट (पहले ट्विटर) से लिखा है, सेवा में, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प। माननीय राष्ट्रपति जी, हम भारत के लोग एक आजाद और अपने फैसले खुद लेने वाले देश के नागरिक हैं। अब हम किसी दूसरे देश से ऑर्डर नहीं लेते। कृपया अपने काम से काम रखें। देशों के बीच आपसी सम्मान ही दुनिया में शांति बनाए रखने का सही तरीका है। हम आपके देश और वहां के लोगों के लिए शांति और तरक्की की

कामना करते हैं। कमल हासन- एक प्राउड भारतीय नागरिक। संस्थापक- मक्कल नीधि माइअम।

क्या है पूरा मामला :

मिडिल-ईस्ट में जंग के कारण स्थिति काफी गंभीर हो गई है। ईरान ने 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को ब्लॉक कर दिया है, जहां से दुनिया की 20 प्रतिशत तेल सप्लाई होती है। ऐसे में भारत में भी तेल के दाम बढ़ने का अनुमान था। इसी बीच भारत को 3 अप्रैल तक रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट मिल गई है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण पार्टनर हैं और ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई को स्थिर रखने के लिए यह छूट दी गई है।

पोस्ट कर ट्रोल हो रहे हैं कमल हासन :

कमल हासन की पोस्ट सामने आने के बाद कई यूजर्स ये सवाल उठा रहे हैं कि वो किस हैसियत से इंडिया की तरफ से बयान दे रहे हैं। कई लोग इसे ड्रामा कह रहे हैं तो कुछ का ये भी कहना है कि भारत को किसी भी देश की तरफ से कोई ऑर्डर नहीं दिया गया है, जैसा कि कमल ने पोस्ट में कहा है।

अन्ना हजारे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

मुंबई, 8 मार्च (एजेंसियां)। प्रसिद्ध समाजसेवी अन्ना हजारे ने ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच जारी युद्ध को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव के मद्देनजर भारत तटस्थ रहते हुए वैश्विक शांति के लिए पहल करे। अन्ना हजारे ने पत्र में लिखा कि अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध के कारण विश्व अत्यंत चिंताजनक परिस्थितियों से गुजर रहा है।

दुनिया की निगाहें इस पर है कि कब युद्ध विराम होगा। उन्होंने हाल की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए लिखा है कि इस युद्ध में निरपराध महिलाएं, बच्चे और परिवारों पर पड़ने वाले प्रभाव की खबरें दुखद और पीड़ादायक हैं।

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण आज से

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के बाद वोटिंग

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। संसद कभी-कभी इरादे से अधिक प्रतीकों का महत्व होता है। ऐसे में संसद के बजट सत्र के दूसरे भाग में विपक्ष की तरफ से इसकी बानगी देखने को मिलेगी। सोमवार को बजट सत्र के दूसरे हिस्से में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ उनके नो-कॉन्फिडेंस मोशन पर चर्चा और वोटिंग होनी है। सेशन के पहले हिस्से में, विपक्ष ने चेयर पर पार्टीबाजी करने का आरोप लगाया था। साथ ही, कई मुद्दों को एक साथ उठाया, जिसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने का समय न देने और सांसदों को सस्पेंड करने जैसे मुद्दे शामिल थे।

ऐसा प्रस्ताव जिस पर हारने की पूरी उम्मीद :

अब, जब एमपी एक ऐसे मोशन पर वोट करने की तैयारी कर रहे हैं जिसके हारने की पूरी उम्मीद है, तो बिरला के बर्ताव की बातें शायद इत्तेफाक ही रहेंगी। यह

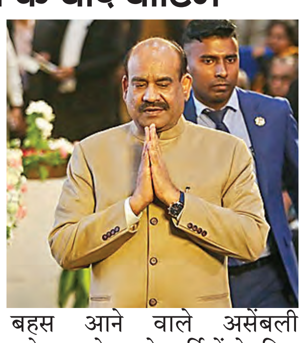

बहस आने वाले असेंबली इलेक्शन से पहले पार्टियों के लिए खुद को तैयार करने का एक पॉलिटिकल स्टेज बन सकती है।

यह प्रस्ताव काफी हद तक सिंबॉलिक और पॉलिटिकल मूव लगता है। इसकी वजह है कि लोकसभा स्पीकर को हटाने के लिए असरदार बहुमत चाहिए। 543 सदस्यों वाली लोकसभा में संख्या को देखते हुए, विपक्ष के लिए जरूरी बहुमत हासिल करना मुश्किल काम है। हालांकि हाउस में नंबर्स को देखते हुए प्रस्ताव के सफल होने की उम्मीद कम है।

ईरान में नए सुप्रीम लीडर का नाम फाइनल

जल्द हो सकता है ऐलान, इजरायली आर्मी की धमकी- फिर मार डालेंगे

तेहरान, 8 मार्च (एजेंसियां)। ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया है कि देश के मौलवी और संबंधित कमेटी अगले सुप्रीम लीडर को चुनने के करीब पहुंच गई है। माना जा रहा है कि अगले एक से दो दिन में अयातुल्लाह खामेनेई की जगह लेने वाले चेहरे के नाम का ऐलान कर दिया जाएगा। नए लीडर के चुनने की चर्चा के बीच इजरायल ने एक बार फिर हमले की धमकी दी है। इजरायली मिलिट्री ने कहा है कि खामेनेई की तरह उनके वारिस को भी मार दिया जाएगा।

रविवार को असेंबली ऑफ एक्सपर्ट के सदस्य अयातुल्ला मोहम्मद मेहदी मीरबाकेरी के हवाले से बताया है कि ईरान के अगले सुप्रीम लीडर को चुनने वाली संस्था जल्दी ही अपना फैसला सुना सकती है। उन्होंने बताया कि मौजूदा हालात में असेंबली की आमने-सामने मीटिंग मुमकिन नहीं है। ऐसे में फाइनल वोटिंग में कुछ समय लग रहा है।

इजरायल ने दी हमले की धमकी

ईरान में नया नेता चुने जाने की चर्चा के बीच इजरायली मिलिट्री (आईडीएफ) ने चेतावनी दी है कि वह ईरान का अगला सुप्रीम लीडर बनने वाले व्यक्ति को मार डालेगी। आईडीएफ ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए है कि अली खामेनेई के बाद ईरानी शासन खुद को फिर से बनाने और नया नेता चुनने की कोशिश कर रहा है लेकिन उनको इसमें कामयाब नहीं होने दिया जाएगा।

इजरायली सेना ने आगे कहा, ईरान की एक्सपर्ट असेंबली नया लीडर चुनने को कोम शहर में इकट्ठा होगी। हम बताना चाहते हैं कि इजरायल सरकार का हाथ हर उत्तराधिकारी और उस व्यक्ति का पीछा करेगा, जो उनकी नियुक्त करना चाहता है। हम इस मीटिंग में हिस्सा लेने का इरादा रखने वालों को भी निशाना बनाएंगे। यह ईरानी नेताओं के लिए एक खुली चेतावनी है।

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े ऑनलाइन नेटवर्क के संपर्क में था इंजीनियरिंग छात्र

एटीएस की पूछताछ में किया बड़ा खुलासा

मुंबई, 8 मार्च (एजेंसियां)। जैश-ए-मोहम्मद और आईएसआईएस से कथित संबंधों के आरोप में गिरफ्तार इंजीनियरिंग के छात्र ने महाराष्ट्र एटीएस की पूछताछ में कई अहम खुलासे किए हैं। महाराष्ट्र एटीएस ने बताया कि 21 वर्षीय कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के छात्र अयान यूसुफ शेख को कथित तौर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर प्रसारित नफरत फैलाने वाले कंटेंट के जरिए गुमराह किया गया था, जिसका संबंध पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद समूह से है। अयान शेख 9 मार्च तक एटीएस की हिरासत में है। एटीएस के अनुसार, शेख पिछले 6-7 महीनों से एन्क्रिप्टेड टेलीग्राम चैनलों में सक्रिय रूप से शामिल था, जिनमें कई देशों के लोग शामिल थे। इनमें कथित तौर पर फर्जी पहचान वाले कुछ पाकिस्तानी सदस्य भी शामिल थे। इन चैनलों के कुछ सदस्य पाकिस्तान स्थित संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हैं, जिसके सदस्यों को कई फर्जी नामों का उपयोग करते हुए ऑनलाइन दुष्प्रचार फैलाने के लिए पहचाना गया है। समूह ने पहले भी वैश्विक स्तर पर मुस्लिम समुदायों को लक्षित करते हुए सामग्री प्रसारित की है। सरकारी एजेंसी ने बताया कि अयान से जो कंटेंट मिले हैं, उनमें कश्मीर जैसे क्षेत्रों में राजनीतिक संघर्षों को दर्शाने वाले वीडियो, आतंकवादियों से संबंधित ऑडियो संदेश और भारत, म्यांमार, यूरोपीय देशों, अमेरिका और फिलिस्तीन सहित देशों में मुस्लिम समुदायों के कथित उत्पीड़न को उजागर करने वाली सामग्री शामिल थी। एटीएस ने इस पैटर्न को घृणा अपराध के माध्यम से मस्तिष्क-प्रचार का मॉडल बताया, जिसमें धार्मिक पहचान का भावनात्मक हेरफेर ऑनलाइन जुड़ाव को बढ़ावा देता है और ऑफलाइन कार्रवाई को प्रभावित कर सकता है।

एटीएस के अनुसार, ग्रुप में साझा किए गए कंटेंट से पता चलता है कि चैनल कथित तौर पर घृणास्पद अपराधों पर चर्चा के मंच के रूप में काम करते थे, जहां सदस्य उचित प्रतिक्रियाओं, सजाओं और अपने समुदाय की 'रक्षा' के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर बहस करते थे।

वीर सावरकर एक निष्ठावान देशभक्त : नितिन गडकरी

नागपुर, 8 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने विनायक दामोदर सावरकर को एक सच्चे देशभक्त और वैज्ञानिक सोच वाला व्यक्ति बताया है। उन्होंने कहा कि सावरकर ने हिंदुत्व को जिस तरह से समझाया था, वह आज भी बहुत काम आता है और महत्वपूर्ण है।

एक कार्यक्रम में, जहां सेना के पूर्व प्रमुख जनरल मनोज पांडे (रिटायर्ड) का सम्मान किया गया, गडकरी ने कहा कि सावरकर सभी के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि सावरकर सिर्फ एक देशभक्त ही नहीं थे, बल्कि एक बेहतरीन कवि, विचारक और इतिहासकार भी थे। सबसे खास बात यह है कि वे समाज को सुधारने वाले एक आदर्श व्यक्ति थे।

वैज्ञानिक वैचारिक दृष्टिकोण और हिंदुत्व की प्रासंगिकता :

गडकरी ने कहा, सावरकर की सोच वैज्ञानिक थी। उन्होंने हिंदुत्व के बारे में जो बातें बताईं, वे आज के समय में बहुत उपयोगी और प्रासंगिक हैं। उन्होंने बताया कि सावरकर का मानना था कि हिंदू समाज में जो जाति-भेदभाव और छुआछूत है, उसे पूरी तरह खत्म कर देना चाहिए।

गुणों पर आधारित श्रेष्ठता का सिद्धांत :

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह सावरकर का दृढ़ विश्वास था कि किसी भी व्यक्ति को उसकी जाति के कारण श्रेष्ठ नहीं माना जा सकता, व्यक्ति अपने गुणों के कारण श्रेष्ठ बनता है। गडकरी ने कहा कि सावरकर का पूरा जीवन त्याग, तपस्या और समर्पण का उदाहरण है। उन्होंने दावा किया कि देश के लिए सावरकर के परिवार जितना बलिदान किसी अन्य परिवार ने नहीं दिया है।

सावरकर को लेकर राजनीतिक टिप्पणी :

केंद्रीय मंत्री ने एक 'बड़े राजनीतिक नेता' का अप्रत्यक्ष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि जब कोई सावरकर की आलोचना करता है, तो उन्होंने ऐसे नेता से कहा था कि यदि महान स्वतंत्रता सेनानी सावरकर महान नहीं हैं, तो देश में कोई भी महान नहीं है। उन्होंने कहा, मैंने उस नेता से कहा कि आप विचारधारा की आलोचना कर सकते हैं और विचारधारा पर मतभेद हो सकते हैं। लेकिन, देश के लिए सावरकर और उनके परिवार से अधिक किसी ने बलिदान नहीं दिया है।

यह बात संभवतः कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उन बयानों के जवाब में कही गई थी, जिनमें उन्होंने कहा था कि सावरकर ने अंग्रेजों से माफी मांगकर जेल से छूटने की कोशिश की थी।

इनकम टैक्स ने एआई और सैटेलाइट से पकड़ी 7000 करोड़ की कर चोरी

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान इनकम टैक्स विभाग ने देश में पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सैटेलाइट इमेजिंग की आधुनिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए कृषि भूमि की खरीद-फरोख्त में बड़े स्तर पर टैक्स चोरी का मामला पकड़ा है। इनकम टैक्स ने लगभग 7000 करोड़ रुपये के लेन-देन में संभावित टैक्स चोरी का पता लगाया है। इस मामले में फिलहाल राजस्थान के करीब 900 लोगों को नोटिस भेजे गए हैं और उन्हें अपने आयकर रिटर्न को संशोधित करने का मौका दिया गया है। ये सारे मामले जयपुर के शहरी क्षेत्र और उसके आसपास के करीब 8 किलोमीटर के बफर जोन में हुए लेन-देन से जुड़े हैं। इस दायरे में लगभग 250 गांव आते हैं जहां पिछले कुछ वर्षों में बड़े स्तर पर कृषि भूमि की खरीद-फरोख्त हुई है। आयकर विभाग ने टेक्नोलॉजी की मदद से जांच में पाया कि कई मामलों में कैपिटल गेन्स टैक्स नहीं चुकाया गया।

आईआईटी दिल्ली की ली गई मदद

आयकर विभाग ने कर चोरी के मामले को पकड़ने के लिए आईआईटी दिल्ली के साथ सहयोग किया। आईआईटी दिल्ली की तकनीकी टीम ने सैटेलाइट की मदद से इलाके की तस्वीर ली। साथ ही डिजिटल मैपिंग यानी इन जमीनों को लेकर मौजूद रिकॉर्ड्स को खंगाला गया। इन दोनों को मिलाकर जयपुर म्युनिसिपल सीमा से 8 किलोमीटर तक के बफर जोन की पहचान की गई। इसी आधार पर जमीन के सौदों का तकनीकी आकलन किया गया।

एआई से ली जा रही मदद

इनकम टैक्स विभाग देशभर में पिछले कुछ समय से लगातार एआई का इस्तेमाल कर रहा है। एआई की मदद से टैक्स रिटर्न फाइल करने में अनियमितताओं को खोजा जा रहा है और धांधली को पकड़ा जा रहा है। इनकम टैक्स ऐसा कर टैक्स देनेवाले नागरिकों की संख्या को बढ़ाना चाहता है और करदाताओं को नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड या सीबीडीटी के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने एक इंटरव्यू में बताया कि एआई से मुख्य रूप से तीन कामों में मदद ली जा रही है। पहला, इससे यह ट्रैक किया जाता है कि इसके यूज़र इनकम टैक्स के पोर्टल पर कितनी बार आते हैं। दूसरा, बहुत ज्यादा मूल्य के लेनदेन का पता लगाया जाता है। तीसरा, ऐसे पैन नंबर का पता लगाया जाता है जो गलत दावों से जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि एआई की मदद से करदाताओं के वित्तीय व्यवहार में पैटर्न की पहचान की जा रही है। पिछले वर्ष जुलाई में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार इनकम टैक्स विभाग ने एआई की मदद से वर्ष 2021-22 के बाद से चार वर्षों के दौरान टैक्स से 11,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व जुटाया है।

कृषि भूमि को लेकर भ्रम

आयकर विभाग ने राजस्थान में यह कार्रवाई आयकर अधिनियम की धारा 2(14)(3) के तहत की है। इस प्रावधान के अनुसार अगर कोई कृषि भूमि नगर निगम या नगर निकाय क्षेत्र के पास स्थित बफर जोन में आती है और उसे बेचा जाता है तो उस पर कैपिटल गेन टैक्स लागू होता है। कई लोगों में यह गलतफहमी थी कि कृषि भूमि बेचने पर टैक्स नहीं देना पड़ता जबकि शहरी सीमा के पास की जमीन पर यह नियम लागू होता है। विभाग ने नोटिस भेजकर संबंधित लोगों को अपनी आयकर रिटर्न संशोधित करने का अवसर दिया है। यदि वे रिटर्न संशोधित करके कैपिटल गेन टैक्स जमा कर देते हैं तो आगे की कार्रवाई से बच सकते हैं।

राजस्थान के 14 शहरों पर भी नजर

जयपुर के अलावा अब राजस्थान के कुल 14 शहरों के आसपास हुई कृषि भूमि की खरीद-फरोख्त भी आयकर विभाग की निगरानी में है। आने वाले समय में जोधपुर, अजमेर, उदयपुर, कोटा, बीकानेर, भरतपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा और पाली जैसे शहरों में भी नोटिस जारी किए जा सकते हैं।

दिनदहाड़े 45 लाख की लूट

कलेक्शन एजेंट के कर्मचारी को घेरकर 4 बदमाशों ने छीना बैग

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। खजूरी खास इलाके में बदमाशों ने दिनदहाड़े कलेक्शन एजेंट कंपनी के एक कर्मचारी से 45 लाख रुपये लूट लिए। वारदात उस समय हुई जब कर्मचारी स्कूटी से रकम लेकर जा रहा था। पुलिस के अनुसार, पीड़ित की पहचान अविनाश के रूप में हुई है। वह एक कलेक्शन एजेंट कंपनी में कर्मचारी है और विभिन्न स्थानों से एकत्र की गई नकदी लेकर जा रहा था।

जब वह वजीराबाद रोड स्थित एक्सिस बैंक के पास पहुंचा, तभी चार बदमाशों ने उसे घेर लिया। आरोप है कि बदमाशों ने अविनाश से नकदी से भरा बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।पीड़ित की शिकायत पर खजूरी खास थाना पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर लिया है।

उत्तम नगर हत्या मामले में आरोपी का घर बुलडोजर

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दिन 26 वर्षीय तरुण की पीट-पीटकर हत्या के मामले में प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की टीम ने आरोपी निजामुद्दीन से जुड़ी संपत्ति पर बुलडोजर लेकर पहुंच गई है। वहीं आरोपी के घर को तोड़ने का काम भी शुरू कर दिया गया है। इस मामले में पुलिस अब तक एक नाबालिग समेत 7 आरोपियों को पकड़ चुकी है और आगे की जांच जारी है।

उत्तम नगर में युवक की हत्या के बाद प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है। 8 मार्च को दिल्ली नगर निगम की टीम बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंची और आरोपी निजामुद्दीन से जुड़ी प्रॉपर्टी पर कार्रवाई शुरू कर दी। अधिकारियों के मुताबिक, जांच के दौरान इस संपत्ति में अवैध निर्माण पाए जाने के बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। इलाके में हालात को देखते हुए भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया था। प्रशासन का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं और मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

590 करोड़ के घोटाले में एयू स्मॉल बैंक के रीजनल हेड समेत दो गिरफ्तार

पंचकूला, 8 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के सरकारी विभागों के बैंक खातों से हुए 590 करोड़ के घोटाले की जांच जारी है और आरोपितों की धर-पकड़ तेज है। इसी मामले में एंटी क्रप्शन ब्यूरो की टीम ने अब चंडीगढ़ स्थित एयू स्मॉल बैंक के रीजनल हैड अरुण शर्मा व आईडीएफसी बैंक की ऑथराइजर सीमा धीमान को गिरफ्तार किया है। दोनों को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

10 मार्च को कोर्ट में पेश किया जाएगा। सीमा धीमान पर आरोप है उसने मुख्य आरोपितों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज बनाने में सहयोग किया है। अरुण शर्मा ने भी मुख्य आरोपी अभय और रिभव की मदद की है, जिसके लिए उसने 10 करोड़ रुपये लिए। 2 करोड़ रुपये उसने खाते में मंगवाए। इस मामले में हरियाणा सरकार ने भी एक्शन लिया है। पंचायत विभाग के सुपरिंटेंडेंट प्रिंस को निलंबित कर दिया गया है।

सुपरिंटेंडेंट नरेश कुमार की गिरफ्तार हो चुकी है। प्रिंस के मोबाइल पर हर ट्रांजेक्शन का ओटीपी आता था। अब किसी भी समय प्रिंस की गिरफ्तारी हो सकती है। पूरे प्रकरण के दौरान एसीबी ने 10 हजार अकाउंट को फ्रीज करवाया है। इसके बाद अब परेशान लोगों के लिए मोबाइल नंबर जारी किया गया है।

11 मार्च को नए राज्यपाल आरएन रवि पहुंचेंगे कोलकाता

कोलकाता, 8 मार्च (एजेंसियां)। बंगाल के सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है। सीवी आनंद बोस के इस्तीफे के बाद, केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त नए राज्यपाल आरएन रवि के आगमन की तारीख तय हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, आगामी 11 मार्च (बुधवार) को आरएन रवि कोलकाता पहुंचेंगे। माना जा रहा है कि चुनाव आयोग द्वारा विधानसभा चुनावों की तारीखों के औपचारिक ऐलान से पहले ही उनका शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हो जाएगा। लोकभवन(पूर्ववर्ती राजभवन) को केंद्र की ओर से मिले संदेश के अनुसार, नए राज्यपाल का

आगमन सोमवार और मंगलवार को चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ के दौरे को ध्यान में रखकर तय किया गया है। वर्तमान में तमिलनाडु के राज्यपाल पद की जिम्मेदारी संभाल रहे आरएन रवि पूर्व में सीबीआइ और इंटेलिजेंस ब्यूरो जैसे प्रमुख संस्थानों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। एक पूर्व आइपीएस अधिकारी को चुनाव से ठीक पहले बंगाल की कमान सौंपना प्रशासनिक हलकों में काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के साथ उनके वैचारिक टकराव जगजाहिर रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक विश्लेषक अब इस बात पर नजर टिकाए हुए हैं कि क्या बंगाल में भी राजभवन और नवान्न (सचिवालय) के बीच वैसी ही तल्खी देखने को मिलेगी। फिलहाल, राज्य प्रशासन उनके स्वागत और शपथ ग्रहण की तैयारियों में जुट गया है।

लद्दाख में नए दौर की शुरुआत

वीके सक्सेना होंगे नए उपराज्यपाल, 13 को लेंगे शपथ

लेह, 8 मार्च (एजेंसियां)। लद्दाख के नव नियुक्त उपराज्यपाल वीके सक्सेना आगामी 13 मार्च को शपथ लेंगे। इसके लिए लोकभवन में एक कार्यक्रम रखा गया है। सक्सेना इससे पूर्व दिल्ली के उपराज्यपाल थे। उधर, लद्दाख के उपराज्यपाल रहे कविंद्र गुप्ता हिमाचल प्रदेश का नया एलजी बनाया गया है। वे इसी 10 मार्च को पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। इसके लिए हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला स्थित लोकभवन में दोपहर पौने 12 बजे समारोह रखा गया है। बीती पांच मार्च को कविंद्र गुप्ता की जगह वीके सक्सेना को लद्दाख का एलजी नियुक्त किया गया था। इसी दिन केंद्र की ओर से कविंद्र गुप्ता को शिव प्रताप शुक्ल की जगह हिमाचल प्रदेश का उप-राज्यपाल बनाने की घोषणा की गई।

जेल से बाहर आया मोनू मानेसर

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे साइबर सिटी गुरुग्राम के मोहित यादव उर्फ मोनू मानेसर को जुनैद और नासिर हत्याकांड में जमानत मिल गई है। राजस्थान हाईकोर्ट की तरफ से मिली जमानत के बाद मोनू मानेसर अपने गांव मानेसर पहुंचा जहां लोगों ने उसका भव्य स्वागत किया। बम पटाखे और फूल मालाओं से मोनू मानेसर का स्वागत किया गया तो वहीं इस दौरान गौ रक्षक मोनू मानेसर के पक्ष में गौ माता की जय के नारे भी सुनाई दिए। मोनू मानेसर की 12 सितंबर 2023 को गुरुग्राम के मानेसर की मार्केट सेक्टर 1 से गिरफ्तारी हुई थी। मोनू के ऊपर जुनैद और नासिर की हत्या का मुकदमा राजस्थान में दर्ज किया गया था, तो वहीं नूह में जल अभिषेक यात्रा के दौरान भड़काऊ भाषण देने का भी मामला नूंह पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। आपको बता दें कि मोनू मानेसर जुनैब और नासिर हत्याकांड मामले में पिछले ढाई साल से जेल में बंद था। इसके बाद अब मोनू मानेसर को राजस्थान हाई कोर्ट से जमानत मिल गई है।

जदयू में शामिल हुए निशांत कुमार, संजय झा ने दिलाई सदस्यता

पटना, 8 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार जनता दल यूनाईटेड में शामिल हो चुके हैं। वीर चंद्र पटेल रोड स्थित जदयू प्रदेश कार्यालय में हजारों कार्यकर्ताओं के बीच कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने उन्होंने पार्टी सदस्यता दिलाई। जदयू में शामिल होने के बाद उन्होंने कहा कि मैं जदयू के कार्यकर्ता, नेता और बिहार की जनता को नमन करता हूं। मैं आज से पार्टी का सदस्य बन चुका है। एक कार्यकर्ता के रूप में मैं सेवा करता रहूंगा। मेरे पिता ने राज्यसभा जाने की घोषणा की है। यह उनका निजी फैसला है।

मैं इस फैसले का आदर करता हूं। निशांत कुमार ने कहा कि मेरे पिता ने बिहार की जनता के जो काम किया है, उसे मैं जनता तक बढ़ाने का काम करूंगा। आप सब ने जो विश्वास किया, उस पर खड़ा उतरने की कोशिश करूंगा। जनता के हृदय में खड़ा उतरने की कोशिश करूंगा। मेरे पिता ने जनता के जो किया, वह सबको याद रहेगा।

जनता को मेरे पिता पर गर्व है। आज से मैं शुरुआत कर रहा हूं। अभी मुझे बहुत कुछ सीखना है। इसके लिए मुझे जनता का आशीर्वाद चाहिए। मैं आप सभी को नमन करता हूं।

वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं को किया नमन

पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के बाद निशांत कुमार ने जदयू के वरिष्ठ नेताओं के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिया। इसके बाद कार्यकर्तओं का धन्यवाद किया। इधर, जदयू दफ्तर में सुबह से राज्य के सभी जिलों से वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता पहुंचे। कई कार्यकर्ता घोड़ा और हाथी लेकर पहुंचे। सीएम नीतीश कुमार और निशांत के समर्थन में नारेबाजी करते रहे। जदयू कार्यकर्ताओं ने कहा कि आज हमलोगों के बहुत बड़ा दिन है। निशांत पार्टी में शामिल हुए इससे हमलोगों में काफी खुशी है।

वह भी इंजीनियर हैं। नीतीश कुमार की तरह ही वह भी बिहार के विकास का काम करेंगे। इधर, जदयू कार्यकर्ताओं की भीड़ को देखते हुए जदयू कार्यालय में पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई है। समर्थकों में उत्साह है।

निशांत ने पूरे बिहार का दौरा करने का फैसला किया

जदयू के वरिष्ठ नेता और एमएलसी नीरज कुमार ने बताया कि आज पार्टी के लिए बड़ा दिन है। निशांत कुमार पार्टी में शामिल हो चुके हैं। सदस्यता ग्रहण करने के बाद उन्होंने पूरे बिहार का दौरा करने का फैसला किया है और वह जल्द ही संगठन से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। निशांत कुमार की जदयू में एंट्री का सभी विधायकों, सांसदों और विधान परिषद् सदस्यों ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह निशांत का राजनीति में शामिल होना, मास्टर स्ट्रोक है। इससे कितने लोग परेशान हो जाएंगे? यह आने वाला समय बताएगा। पार्टी सूत्रों की मानें तो निशांत कुमार को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि हमलोग चाहते हैं निशांत ही बिहार के मुख्यमंत्री बनें। नीतीश कुमार के बाद वह अच्छे तरीके से राज्य संभाल सकते हैं।

एक दिन पहले निशांत ने पार्टी नेताओं के साथ बैठक की थी

एक दिन पहले यानी शनिवार को निशांत कुमार ने जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा के आवास पर पार्टी के विधायकों के साथ बैठक की थी। इसमें मंत्री श्रवण कुमार समेत पार्टी के अन्य नेता भी शामिल हुए थे। निशांत ने कई बातों पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से अपनी राय भी ली थी।

60 लाख के आभूषण लेकर गायब हुई कर्मचारी

इंदौर, 8 मार्च (एजेंसियां)। तुकोगंज थाना क्षेत्र में एक ज्वेलरी कंपनी से लाखों रुपए की ज्वेलरी लेने और वापस न करने का मामला सामने आया है। कंपनी डायरेक्टर की शिकायत पर पुलिस ने महिला कर्मचारी के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में महिला के कुछ सहयोगियों के नाम भी सामने आए हैं, जिनसे जल्द पूछताछ की जाएगी। पुलिस के मुताबिक फरियादी रजत माहेश्वरी निवासी डी स्कीम नंबर 74 की शिकायत पर मेघा पति आशीष राठौर निवासी भक्त प्रहलाद नगर एमओजी लाइन के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। रजत एमजी रोड स्थित सिटी सेंटर में रजत जेम्स एंड ज्वेलरीज प्राइवेट लिमिटेड नाम से ज्वेलरी कंपनी संचालित करते हैं, जो कई वर्षों से आभूषणों के व्यापार से जुड़ी हुई है। रजत के अनुसार मेघा राठौर वर्ष 2019 से कंपनी में कार्यरत थी। वह सेल्समैन के साथ मिलकर इनवॉइस तैयार करती थी और ग्राहकों को घर जाकर ज्वेलरी दिखाने का काम करती थी।

विजय थलापति को एनडीए में क्यों शामिल करना चाहती है भाजपा

चेन्नई, 8 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों के एलान से पहले सभी राजनीतिक दल अपने सियासी समीकरणों को दुरुस्त करने में जुटे हैं। इस बीच भाजपा ने अभिनेता से नेता बने विजय से अपील की है कि वे अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने पर विचार करें। भाजपा का मानना है कि इससे राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) विरोधी वोटों के बिखराव को रोका जा सके। तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने एक बयान में कहा कि राज्य की राजनीतिक स्थिति तेजी से विकसित हो रही है और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार जनता के बढ़ते असंतोष का सामना कर रही है।

प्रसाद के अनुसार, डीएमके नेतृत्व आगामी चुनावों में अपनी चुनावी संभावनाओं को मजबूत करने के प्रयास में कई छोटे दलों और संगठनों को अपने गठबंधन में शामिल करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम सत्तारूढ़ दल की चुनावी प्रदर्शन और

संभावनाओं के बारे में उसकी चिंताओं को दर्शाता है। भाजपा नेता ने डीएमके नेतृत्व वाले गठबंधन के भीतर हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों का भी उल्लेख किया, खासतौर से डीएमडीके को राज्यसभा सीट आवंटित करने के फैसला का जिक्र रहा। उन्होंने कहा कि इस कदम से कथित तौर पर वीसीके और वामपंथी दलों समेत कुछ पुराने गठबंधन सहयोगियों में असंतोष पैदा हुआ है।

प्रसाद ने आगे दावा किया कि तमिलनाडु में कानून व्यवस्था, महंगाई और भ्रष्टाचार के आरोपों जैसे मुद्दों पर जनता का असंतोष बढ़ रहा है। उनका तर्क है कि ये कारक आगामी विधानसभा चुनावों में मतदाता की भावना को प्रभावित कर सकते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि डीएमके का विरोध करने वाली सभी राजनीतिक शक्तियों को सत्ता विरोधी वोट को विभाजित करने से बचने के लिए मिलकर काम करने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से अभिनेता-राजनेता विजय से अपील की, जिनकी पार्टी तमिलागा वेट्री कड़गम (टीवीके) चुनावी राजनीति में प्रवेश की तैयारी कर रही है, कि वे एआईएडीएमके-भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ गठबंधन करें।

प्रसाद के अनुसार, अगर विजय का घोषित उद्देश्य डीएमके को सत्ता में लौटने से रोकना है, तो एक व्यापक विपक्षी गठबंधन में शामिल होने से उस प्रयास को मजबूती मिल सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि एक बिखरा विपक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सत्तारूढ़ दल को लाभ पहुंचा सकता है। भाजपा नेता ने विजय से गठबंधन के बारे में निर्णय लेने से पहले तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य और ऐतिहासिक चुनावी पैटर्न का सावधानीपूर्वक आकलन करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि डीएमके के खिलाफ एक एकीकृत मोर्चा विपक्षी दलों को आगामी चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन को चुनौती देने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करेगा।

सवा करोड़ की हेरोइन के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

पंचकूला, 8 मार्च (एजेंसियां)। शहर में हेरोइन सप्लाई कर रहा एक नशा तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़ गया, जिसकी पहचान बुढ़नपुर निवासी तजिंद्र के रूप में हुई। उसके पास से काफी मात्रा में हेरोइन बरामद हुई है, जिसकी कीमत सवा करोड़ रुपये बताई जा रही है। क्राइम ब्रांच-26 टीम को गश्त के दौरान सूचना मिली कि सेक्टर-16 निवासी एक युवक हेरोइन बेचने के लिए सेक्टर-25/26 को जाने वाले पुल के पास किसी के इंतजार में खड़ा है। टीम मौके पर पहुंची और युवक को पकड़ लिया।

पूछताछ में उसने अपना नाम तजिंद्र बताया, जोकि पंचकूला के ही बुढ़नपुर का रहने वाला है। जांच अधिकारी जितेंद्र के अनुसार, युवक की तलाशी के लिए राजपत्रित अधिकारी एसीपी राकेश को सूचित किया। एसीपी राकेश मौके पर पहुंचे तो उनकी मौजूदगी में तलाशी ली गई। आरोपित के पास से 260 ग्राम हेरोइन बरामद हुई, जिसकी इंटरनेशनल मार्केट में कीमत करीब सवा करोड़ रुपये है। अब आरोपित को कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगा जाएगा। यह पता लगाया जाएगा कि नशा तस्करी के धंधे में कितने लोग शामिल है। कहां से नशा लाते हैं और किन-किन एरिया में सप्लाई किया जाता है।

जॉन ब्रिटास ने बोला राहुल गांधी पर तीखा हमला

कहा- मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी की मांग करना ही उनका एजेंडा

तिरुवनंतपुरम, 8 मार्च (एजेंसियां)। सीपीआई (एम) के सांसद जॉन ब्रिटास ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब भी वे केरल आते हैं, उनका एक ही एजेंडा होता है, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की गिरफ्तारी की मांग करना। जॉन ब्रिटास ने सोशल मीडिया पर राहुल गांधी का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें राहुल गांधी कह रहे हैं कि केंद्रीय जांच एजेंसियां विपक्षी दलों के खिलाफ कार्रवाई तो करती हैं लेकिन वे केरल के मुख्यमंत्री और उनके परिवार वालों पर एक्शन नहीं लेती हैं। राहुल गांधी का यही वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए सांसद जॉन ब्रिटास ने लिखा कि इंडिया गठबंधन के नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जब भी केरल आते हैं, तो उनका एक ही एजेंडा होता है, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की गिरफ्तारी की मांग करना। उन्होंने आगे लिखा कि लेकिन वह साफ-साफ नहीं बताते कि आखिर मुख्यमंत्री ने ऐसा क्या किया है कि ईडी या सीबीआई को उन्हें गिरफ्तार करना चाहिए। इसके बावजूद वे बार-बार पिनाराई विजयन की गिरफ्तारी की मांग करते हैं और वही पुराने, बेबुनियाद आरोप दोहराते हैं, जो अक्सर भाजपा के वामपंथ के खिलाफ लगाए जाने वाले आरोपों से मिलते-जुलते हैं।

उन्होंने सवाल उठाया कि राहुल गांधी खुद कहते हैं कि नेशनल हेराल्ड केस जैसे मामलों में उनसे ईडी ने कई घंटों तक पूछताछ की, तो फिर उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? क्या इसके पीछे भाजपा नेतृत्व के साथ कोई गुप्त सांठगांठ है? साथ ही यह भी सवाल उठता है कि उनके जीजा से जुड़े मामलों का क्या हुआ, जिनसे जुड़ी कंपनियों ने भाजपा को चुनावी बॉन्ड के जरिए भारी चंदा दिया था। उसके बाद विवादित सौदों में उन्हें आसानी से क्लीन चिट मिल गई।

जॉन ब्रिटास ने लिखा कि सब जानते हैं कि कांग्रेस और भाजपा ने मिलकर दिल्ली की कथित एक्साइज 'घोटाला' मामले को खड़ा किया, जिसके जरिए अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के नेताओं को निशाना बनाया गया। इसे एक राजनीतिक साजिश बताया जाता है, जिसका मकसद आम आदमी पार्टी को कमजोर करना और दिल्ली में भाजपा की जीत सुनिश्चित करना था। उन्होंने आगे लिखा है कि अब सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी के पास भाजपा के खिलाफ लड़ाई की बात करने का कोई नैतिक अधिकार बचा है, जब कांग्रेस के कई नेता खुद भाजपा को फायदा पहुंचाते नजर आते हैं? यह दोहरे मापदंड और राजनीतिक पाखंड का उदाहरण बताया जा रहा है। केरल इसका जवाब देगा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: हमेशा सही के साथ खड़े रहो, भले ही अकेला क्यों ना रहना पड़े!

कृषि और किसान कल्याण के क्षेत्र में काम कर रही है सरकार : तुम्मला

महिला किसानों के लिए मेगा मेला, 6 हजार से अधिक महिला किसान शामिल

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय के खेल प्रांगण में दो दिवसीय मेगा महिला किसान मेला भव्य तरीके से शुरू हुआ। इस मेले का आयोजन पीजेटीएसएयू, कोरमांडल इंटरनेशनल लिमिटेड और राज्य कृषि विभागों ने संयुक्त रूप से किया।

यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर और 2026 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किए जाने के संदर्भ में किया गया। मेले में राज्य के विभिन्न हिस्सों से लगभग 6,000 महिला किसान, कृषि विशेषज्ञ और छात्र शामिल हुए। मेले का उद्देश्य महिला किसानों को सशक्त बनाना और उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों, यंत्रीकरण और फसल मूल्य संवर्धन के तरीकों से अवगत कराना है। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार निरंतर कृषि और किसान कल्याण के क्षेत्र में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में महिला किसानों के लिए विशेष कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिनमें ड्रोन वितरण, प्राकृतिक खेती और फसल विविधीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य आईटी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने किसानों से कहा कि वे आधुनिक तकनीकों और यंत्रों का उपयोग कर अधिक उपज और गुणवत्ता वाली फसल उगाएं। उन्होंने खाद्य सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के महत्व पर भी जोर दिया। राज्य पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री धनसरी अनसूया (सीतक्का) ने कहा कि कृषि क्षेत्र में 60 से 80 प्रतिशत कार्यकर्ता महिलाएं हैं और बीज बोने से लेकर फसल कटाई तक महिलाएं ही मुख्य भूमिका निभाती हैं। उन्होंने महिला किसानों की मेहनत और योगदान को सराहा और सरकार की योजनाओं के माध्यम से उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

इस अवसर पर महिला किसानों के प्रशिक्षण और कौशल विकास के कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। 30 महिला किसानों और 6 कृषि पत्रकारों को मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। मेले में कृषि विभाग के अधिकारी, विधानसभा सदस्य, आईसीएआर संस्थाओं के अधिकारी और कोरमांडल एमडी शंकर सुब्रमण्यम भी मौजूद थे। आयोजकों ने महिला किसानों को नई तकनीकों, यंत्रीकरण और बाजार में मूल्य संवर्धन के अवसरों से अवगत कराया। यह मेला महिला किसानों के सशक्तिकरण, कृषि में भागीदारी और आधुनिक तकनीक अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

कर्मचारियों को भी बनना चाहिए किसान : केंद्रीय मंत्री

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने रविवार को कर्मचारियों को कृषि में भी संलग्न होने और किसानों के स्तर तक पहुंचने की प्रेरणा दी। उन्होंने एकलव्य ग्रामीण फाउंडेशन और कृषि विज्ञान केंद्र की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये संस्थान किसानों को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बना रहे हैं और उनकी उपज का विपणन करना सिखा रहे हैं। संजय कुमार ने मेदक जिले के टुनिकि में डॉ. रामानायडु एकलव्य ग्रामीण विकास फाउंडेशन-कृषि विज्ञान केंद्र में नए बने किसान शेल्टर और 'फार्मर्स वैल्यू एडिशन एवं फूड प्रोसेसिंग लैब' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी छोटे और सीमांत किसानों को एक बड़ी संगठन की तरह काम करने के लिए फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) का गठन कर रहे हैं। इस योजना के तहत अब तक 10,000 एफपीओ स्थापित किए जा चुके हैं और 56 लाख से अधिक किसान इसके सदस्य हैं, जिनमें लगभग 22 लाख महिला किसान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण और तकनीक से किसानों की उत्पादकता और विपणन क्षमता बढ़ेगी और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

कर्तव्यों की उपेक्षा के आरोप में सहायक श्रम अधिकारी निलंबित

करीमनगर, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हुजूराबाद की सहायक श्रम अधिकारी डी. चंदना को कर्तव्यों की कथित उपेक्षा और शक्तियों के दुरूपयोग के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। इस संबंध में वारंगल की संयुक्त श्रम आयुक्त विनीता ने रविवार को आदेश जारी किए। अधिकारियों के अनुसार निर्माण और अन्य क्षेत्रों के श्रमिकों से जुड़ी कल्याणकारी योजनाओं के कई आवेदन लंबे समय से लंबित थे और उन्हें मंजूरी नहीं दी जा रही थी। इसके अलावा बिना सूचना दिए ड्यूटी से अनुपस्थित रहने की शिकायतें भी मिली थीं। बताया गया कि उच्च अधिकारियों को चंदना के खिलाफ नियमों के उल्लंघन और अधिकारों के दुरूपयोग की कई शिकायतें मिली थीं। इसके बाद उप श्रम आयुक्त और सहायक श्रम आयुक्त ने मामले की जांच की। जांच में आरोप सही पाए जाने पर संयुक्त श्रम आयुक्त ने डी. चंदना को निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया।

मुख्यमंत्री ने पुनर्निर्मित विधान परिषद भवन का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पुनर्निर्मित विधान परिषद भवन का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधान परिषद अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, विधानसभा स्पीकर प्रसाद कुमार, उपाध्यक्ष बंडा प्रकाश, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का, साथ ही मंत्री श्रीधर बाबू, अजहरूद्दीन, दामोदर राज नरसिम्हा, जूपल्ली कृष्णा राव, विवेक वेंकटस्वामी, कोमटिरेड्डी वेंकटरेड्डी, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और पोनम प्रभाकर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सरकारी सलाहकार, सरकारी प्रतिनिधि, राज्य परिषद सदस्य, विधायक और विधान परिषद के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने भवन के नवीनीकरण, उसमें स्थापित आधुनिक सुविधाओं और विधान परिषद कार्यों में सुधार पर विस्तार से जानकारी दी। पुनर्निर्मित भवन का उद्देश्य राज्य की राजधानी हैदराबाद में विधान परिषद की कार्यप्रणाली को आधुनिक बनाना और सदस्यों के लिए सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना है। इससे शासन व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी और जनता एवं परिषद सदस्यों के बीच बेहतर संवाद स्थापित होगा।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को भावपूर्ण विदाई

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। लोकभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने आज तेलंगाना के पद छोड़ रहे राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को भावपूर्ण विदाई दी। वे शीघ्र ही महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे। लोक भवन, हैदराबाद में आयोजित इस विदाई समारोह में गर्मजोशी और आभार की भावना छाई रही।

जिष्णु देव वर्मा ने समय निकालकर लोक भवन के प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और अपने कार्यकाल के दौरान उनके अटूट सहयोग और समर्थन के लिए गहरी सराहना व्यक्त की। सभी को सादर धन्यवाद और हार्दिक शब्दों के साथ उन्होंने अपना आभार व्यक्त किया, और समर्पण एवं सेवा की ऐसी छवि छोड़ी जो हमेशा याद की जाएगी।

स्वच्छता अभियान तेज करें : कर्णन

आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने हैदराबाद को स्वच्छ और सुव्यवस्थित शहर बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए अधिकारियों को पूरे महानगर क्षेत्र में स्वच्छता उपायों को तेज करने के निर्देश दिए। राज्य सरकार की 99-दिनीय प्रजा पालन-प्रगति प्रणालीका योजना के तहत, आयुक्त ने रविवार को तुक्कुगुडा में अचानक निरीक्षण कर स्वच्छता कार्यों और नागरिक सुविधा गतिविधियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तुक्कुगुडा चौराहा और तुक्कुगुडा सब्जी बाजार में स्वच्छता की स्थिति का अवलोकन किया और चल रहे सफाई एवं अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

आयुक्त ने फील्ड अधिकारियों और स्वच्छता कर्मचारियों से बातचीत कर जमीनी स्तर पर स्वच्छता उपायों के कार्यान्वयन का मूल्यांकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कचरा संवेदनशील क्षेत्रों (जीवीपी) को प्राथमिकता से साफ किया जाए और निर्माण और विध्वंस (सी एंड डी) अपशिष्ट को सार्वजनिक स्थानों में जमा न होने दिया जाए। इसके अलावा मुख्य सड़कें, आंतरिक सड़कें, पार्क, झीलें और सरकारी कार्यालय भी स्वच्छ और सुरक्षित बनाए जाने चाहिए, ताकि नागरिकों के लिए स्वस्थ शहरी वातावरण सुनिश्चित हो। प्रजा पालन-प्रगति प्रणालीका योजना के अंतर्गत आयुक्त ने शहरभर में स्वच्छता संचालन को और मजबूत करने का आवाहन किया और अधिकारियों तथा कर्मचारियों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने तुक्कुगुडा में लंबित इंटीग्रेटेड मार्केट परियोजना की समीक्षा भी की और अधिकारियों को आवश्यक प्रस्ताव तुरंत प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ताकि निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जा सके। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने महिला स्वच्छता कर्मचारियों से उनके कार्य परिस्थितियों और कल्याण के बारे में भी बातचीत की। उनके समर्पण और शहर की स्वच्छता में महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने उनकी सेवाओं की प्रशंसा की और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

आरजीयूकेटी-बासर के कुलपति पर छात्रों ने लगाए गंभीर आरोप,

निर्मल, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टूडेंट्स एसोसिएशन फॉर सॉलिडेरिटी (टीएसएएस) ने राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ नॉलेज एंड टेक्नोलॉजीज (आरजीयूकेटी) बासर के प्रबंधन से नव नियुक्त कुलपति और उनकी टीम के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। छात्र संगठन ने शनिवार शाम अपने एक्स हैंडल और व्हाट्सएप चैनल पर बयान जारी कर कुलपति पर कई आरोप लगाए। संघ का आरोप है कि विश्वविद्यालय के भोजनालयों के ठेके उन एजेंसियों को दिए गए हैं, जिन पर पहले खराब गुणवत्ता का भोजन देने और अनियमितताओं के आरोप लग चुके हैं। टीएसएएस ने मांग की कि मेस के लिए जारी निविदाओं को रद्द कर नई निविदाएं आमंत्रित की जाएं। साथ ही कुलपति पर प्रशासनिक विभाग में फर्जी पद बनाने और सार्वजनिक धन के दुरूपयोग के आरोपों की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की। छात्र संघ ने शिक्षण और गैर-शिक्षण के खाली पदों को भरने तथा प्रथम वर्ष के इंजीनियरिंग छात्रों को जल्द लैपटॉप देने की भी मांग की है।

महिलाएं समाज और देश के विकास की अहम भागीदार : केसीआर

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कहा कि महिलाएं समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए महिला सशक्तिकरण के लिए और अधिक प्रयास करने का आह्वान किया। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि महिलाएं सामाजिक संपदा की निर्माता हैं और परिवार, समाज तथा देश की प्रगति में उनका योगदान बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सभी क्षेत्रों में अधिक अवसर मिलना चाहिए। केसीआर ने तेलंगाना राज्य आंदोलन और राज्य के विकास में महिलाओं की भूमिका को भी याद किया। साथ ही उन्होंने बीआरएस सरकार के दस साल के शासनकाल में चलाए गए महिला कल्याण और सशक्तिकरण कार्यक्रमों का उल्लेख किया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने भी लोगों से महिलाओं का सम्मान करने की अपील की और कहा कि महिलाओं को बराबरी और सम्मान मिलना चाहिए।

तेलुगु कविता प्रतियोगिता में अव्वल आई छात्रा अरूष्य सम्मानित

करीमनगर, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कक्षा 4 की छात्रा नक्का अरूष्य को तेलुगु कविता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर दाराम सुशीला ट्रस्ट द्वारा सम्मानित किया गया। यह ट्रस्ट करीमनगर के एमडी डॉ. दाराम रघुराम ने अपने माता-पिता के नाम पर स्थापित किया है। अरूष्य कंडीकटकुर स्थित मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय की छात्रा है। उसने हाल ही में आयोजित मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में धाराप्रवाह कविता पाठ कर पहला स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उसे स्वर्ण पदक, स्मृति चिन्ह, कहानी की पुस्तकें और उपहार देकर सम्मानित किया गया। मंडल शिक्षा अधिकारी सी. श्रीनिवास गौड़ ने छात्रा को पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रिजवाना बेगम और शिक्षक रमेश, माधवी व रविंदर भी मौजूद रहे। उन्होंने इस सम्मान के लिए दाराम सुशीला ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया।

कविता ने 'स्टैंड विथ हर' कार्यक्रम की कड़ी आलोचना की

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जगृति की अध्यक्ष कविता ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के 'स्टैंड विथ हर' कार्यक्रम की तीव्र आलोचना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम महिलाओं के लिए पीछे हटने वाला संदेश देता है, जो यह दर्शाता है कि महिलाएं केवल पुरुषों के साथ खड़े होने पर ही आगे बढ़ सकती हैं। कविता ने कहा कि तेलंगाना जगृति का नारा 'गिव हर स्पेश' है, जो सच्चे सशक्तिकरण की भावना को दर्शाता है। इसका उद्देश्य महिलाओं को समान अवसर, स्वतंत्रता और समाज में सम्मान सुनिश्चित करना है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर तेलंगाना जगृति ने रविवार को बंजारा हिल्स में अपने केंद्रीय कार्यालय में भव्य समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर कविता ने महिलाओं के साथ मिलकर केक काटा नारा 'गिव हर स्पेश' अभियान का पोस्टर अनावरण किया, जो संगठन की महिलाओं के सशक्तिकरण और समानता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सभा को संबोधित करते हुए कविता ने कहा कि महिलाओं के लिए सम्मान और पहचान केवल एक दिन की बात नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह हर दिन समाज की नीतियों और दृष्टिकोण में परिलक्षित हो। उन्होंने उल्लेख किया कि कोत्तापल्ली जयशंकर और के. चंद्रशेखर राव जैसी महान विभूतियां अपनी माताओं के बल, बलिदान और मूल्यों के कारण महान हुईं। कविता ने सभी सामाजिक और आर्थिक वर्गों की महिलाओं द्वारा झेली जा रही लगातार भेदभाव की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि महिलाओं को जाति, वर्ग और क्षेत्रीय भेदभाव से ऊपर उठकर एकजुट होना चाहिए। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण के तीन स्तंभों व्यायाम, शिक्षा और रोजगार पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि वे आत्मविश्वास, ज्ञान और वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त कर सकें। कविता ने सभी आयु वर्ग की महिलाओं को सार्वजनिक जीवन और राजनीति में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया, यह कहते हुए कि सामाजिक बदलाव के लिए महिलाओं का निर्णय लेने वाले स्थानों में अधिक प्रतिनिधित्व होना आवश्यक है। उन्होंने तेलंगाना आंदोलन में महिलाओं की ऐतिहासिक भूमिका को भी रेखांकित किया और कहा कि वे सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण और प्रगतिशील तेलंगाना की दिशा में केंद्रीय भूमिका निभाती रहेंगी। महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए कविता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद महिलाओं के खिलाफ अपराध दर में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए सरकार से कड़ी पुलिसिंग और जवाबदेही की मांग की। कविता ने राज्य सरकार पर महिलाओं के लिए किए गए प्रमुख वादों को पूरा न करने का आरोप लगाते हुए, 2500 वित्तीय सहायता सहित सभी वादों को तुरंत पूरा करने की भी मांग की।

पति से बीवी बोली- नीले ड्रम जैसा हाल कर दूंगी

वाराणसी, 8 मार्च (एजेंसियां)। वाराणसी में युवक ने अपनी पत्नी सहित 5 लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया है। युवक ने आरोप लगाया है कि उसकी पत्नी शादी के बाद से उसके पास नहीं आई और संबंध तोड़ने की बात कह रही है। नीले ड्रम जैसा हाल करने की धमकी देती है। मैंने जब समझाना चाहा तो उसके भाई और रिश्तेदारों ने घर आकर मारपीट की। फिलहाल पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

भेलूपुर थाने में डुमराव कॉलोनी के रहने वाले गौरव कुमार सिंह ने एप्लिकेशन दी। बताया- मेरी शादी 1 जनवरी 2025 को स्मिता सिंह निवासी छोटी कुल्हड़िया, मोहनिया, भभुआ बिहार के साथ हुआ था। विदाई कराकर 2 जनवरी को हम घर आ गए। स्मिता पहली ही रात से दूर रही और मेरे पास नहीं आयी और मुझे पास नहीं आने दिया। दो दिन रुकने के बाद मैं अपनी जॉब पर वापस लौट गया।

दागी हाथों से अदालत का दरवाजा खटखटाने वाला रहम का हकदार नहीं

याची पर 50 हजार का हर्जाना लगाया

प्रयागराज, 8 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फर्जी रसीद पेश कर बैंक के कर्ज से माफी की मांग करने वाले याची पर 50 हजार रुपये का हर्जाना लगाया है। कोर्ट ने कहा कि दागी हाथों से अदालत का दरवाजा खटखटाने वाला रहम का हकदार नहीं हो सकता। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अजित कुमार और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने बुलंदशहर निवासी दिनेश कुमार की याचिका खारिज करते हुए की।

मामले के मुताबिक याची ने मोतीबाग स्थित जिला सहकारी बैंक से कर्ज लिया था। बैंक ने 7.22 लाख रुपये की वसूली के लिए नोटिस भेजा तो याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। दावा किया कि उन्होंने 7.50 लाख रुपये नकद जमा कर दिए हैं। सबूत के तौर पर उन्होंने बैंक की मुहर और कैशियर के हस्ताक्षर वाली रसीद भी पेश की। हालांकि, बैंक के वकील ने दस्तावेज पेश किए तो सच्चाई जानकर अदालत हैरान रह गई। बैंक स्टेटमेंट से पता चला कि उस दिन कोई बड़ी रकम जमा ही नहीं हुई थी। उल्टा, याची ने उसी दिन तहसील में हलफनामा देकर रुपये जमा करने के लिए बैंक से 15 दिन की मोहलत मांगी थी। यानी एक तरफ वह समय मांग रहा था और दूसरी तरफ कोर्ट में फर्जी रसीद दिखाकर कर्ज चुकाने का दावा कर रहा था। इस आचरण से खफा अदालत ने याची पर 50 हजार रुपये हर्जाना लगाते हुए रकम 10 मार्च तक हाईकोर्ट के महानिबंधक कार्यालय में जमा करने का आदेश दिया।

यह भी स्पष्ट किया कि तय समय पर जुर्माना नहीं भरने पर डीएम याची से इस रकम को भू-राजस्व की बकाया राशि की तरह कड़ी कार्रवाई कर वसूल करेंगे। ऐसे वादी न केवल अदालत का कीमती समय बर्बाद करते हैं, बल्कि न्याय व्यवस्था को गुमराह करने की कोशिश करते हैं। इस तरह की प्रवृत्तियों को बिना दंड के छोड़ा नहीं जा सकता।

बीमे की रकम के लालच में 5 साल के मासूम का अपहरण 6 घंटे में सकुशल बरामद

बिजनौर, 8 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में रिश्तों को शर्मसार करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां रिश्ते के भाई ने बीमे की रकम के लालच में पांच साल के मासूम का अपहरण कर लिया। दादा के साथ खेत पर गए पोते को आरोपी धोखे से ले गया और बिजनौर के नूरपुर पहुंचकर फिरौती मांगी। जिसके बाद परिजनों के होश उड़ गए। क्यूंकि कुछ दिनों पहले ही बच्चे के पिता की हादसे में मौत हो चुकी थी। मामले की जानकारी पुलिस को दी गयी, जिस पर एसपी अमरोहा अमित आनंद खुद एक्टिव हो गए आयर कई पुलिस टीमों को लगाकर महज छह घंटे में ही बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। और तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी लवीश रिश्ते में मासूम का भाई लगता है।

साली को भगाकर की शादी 4 दिन बाद दुल्हन की हत्या

इटावा, 8 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इटावा में रिश्ते के जीजा द्वारा नाबालिग छात्रा की हत्या के मामले में पीड़ित परिवार ने कई गंभीर आरोप लगाए हैं। परिवार का कहना है कि आरोपी विजय 4 मार्च को उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर दिल्ली ले गया था और शादी करने का दावा किया था। बाद में वह लड़की को इटावा लेकर आया और उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

रघुराज सिंह ने बताया कि देर रात पुलिस के माध्यम से उन्हें जानकारी मिली कि उनकी बेटी की हत्या कर दी गई है। सूचना मिलने के बाद परिवार के लोग इटावा मुख्यालय स्थित डॉक्टर भीमराव अंबेडकर राजकीय संयुक्त चिकित्सालय पहुंचे। वहां उनकी बेटी का शव स्ट्रेचर पर पड़ा मिला।

श्रीराम जन्मभूमि की तरह मथुरा में भी श्रीकृष्ण का भव्य मंदिर बनेगा : मुख्यमंत्री योगी

मथुरा, 8 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ईश्वर की कृपा होगी तो अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि की तरह मथुरा में भी भगवान श्रीकृष्ण का भव्य मंदिर बनेगा। ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बैठक में शामिल होने के बाद योगी आदित्यनाथ भगवान श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर में दर्शन करने पहुंचे और उन्होंने जन्मस्थान के लीलामंच पर आयोजित भजन एवं रसिया गायन में पधारे श्रद्धालुओं को संबोधित भी किया।

योगी ने ब्रज में होली के आयोजनों की सफलता से अभिभूत होते हुए कहा, "त्योहारों के आयोजन की परंपरा हमारे भारत में बहुत बड़ी ताकत है। कृष्ण कन्हैया की कृपा होगी, तो अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि की तरह यहां भी भगवान श्रीकृष्ण का भव्य मंदिर बनेगा।" इससे पहले, मुख्यमंत्री ने कहा, "इस बार भले ही होली के आयोजनों (रंगोत्सव 2026 की शुरुआत) के समय यहां नहीं था, परंतु हम जहां भी थे, वहां से देख रहे थे कि लाखों की संख्या में ब्रज में श्रद्धालु मथुरा-वृन्दावन-बरसाना-नन्दगांव-गोकुल-बलदेव-गोवर्धन आदि सभी तीर्थ स्थलों पर इस उत्सव और आयोजनों से जुड़े हुए थे। यह आयोजन प्रत्येक व्यक्ति को अभिभूत कर देने वाले थे। मैं आप सभी को पावन पर्व की बधाई देता हूं।" जिला प्रशासन के अनुसार होली पर इस बार करीब 50 लाख श्रद्धालुओं ने ब्रज की होलियों का आनन्द लिया। मुख्यमंत्री ने कहा, "ब्रजभूमि में होली का आयोजन तो सदैव चलता रहता है।

यहां की रज-रज में, यहां के कण-कण में, कृष्ण कन्हैया की याद रची-बसी है। राधा रानी की स्मृतियां रची-बसी हैं।" इस मौके पर उनके साथ पर्यटन मंत्री ठा। जयवीर सिंह, बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व जिले के प्रभारी संदीप सिंह तथा विधायक गण राजेश चौधरी व ठा। मेघश्याम सिंह आदि भी मौजूद रहे।

दादा के सामने एलकेजी के छात्र का अपहरण

प्रयागराज, 8 मार्च (एजेंसियां)। प्रयागराज में दिनदहाड़े एलकेजी में पढ़ने वाले बच्चे का अपहरण हो गया। छात्र स्कूल से घर लौट रहा था। जैसे ही वह स्कूल वैन से नीचे उतरा, दो बदमाशों ने उसे कार के भीतर खींच लिया और भाग निकले। ये किडनैपिंग बच्चे के दादा के सामने हुई। वे उसे रिसीव करने पहुंचे थे। वह कुछ ही दूरी पर खड़े थे।

परिवार की आर्थिक हालत अच्छी नहीं है। बच्चे के पिता मुंबई में सिक्योरिटी गार्ड हैं। मां का रो-रोकर बुरा हाल है। अभी तक फिरौती का फोन नहीं आया है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर डॉ। अजय पाल शर्मा और यमुनापार डीसीपी विवेक चंद्र यादव मौके पर पहुंचे। दोनों अफसरों ने मांडा थाने के एसएचओ अनिल कुमार वर्मा को फटकार लगाई। अजय पाल ने 24 घंटे में छात्र की बरामदगी का आश्वासन दिया है।

सम्राट चौधरी का ममता बनर्जी पर हमला

बोले- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का हुआ अपमान

पटना, 8 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अपमान किया है और यह आदिवासी समाज के सम्मान के खिलाफ है।

एएनआई के अनुसार, सम्राट चौधरी ने पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि राष्ट्रपति से ज्यादा ममता बनर्जी ने एक आदिवासी बहन की बेज्जती करने का काम किया। उन्होंने आगे कहा कि जनता सब कुछ देख रही है और समय आने पर इसका जवाब जरूर देगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता आने वाले समय में इस व्यवहार का जवाब देगी। उनके मुताबिक अगले दो महीनों में बंगाल के लोग ममता बनर्जी को सबक सिखाएंगे।

वहीं विपक्ष के आरोपों पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखते हुए कहा कि इंटरनेशनल संताल काउंसिल जो एक निजी संगठन है। उन्होंने राष्ट्रपति को सिलीगुड़ी में आयोजित 9वें इंटरनेशनल आदिवासी संताल सम्मेलन में आमंत्रित किया था। एडवांस्ड सिक्योरिटी लायजन की प्रक्रिया के बाद जिला प्रशासन ने लिखित रूप में राष्ट्रपति सचिवालय को बताया था कि कार्यक्रम के आयोजक पर्याप्त तैयारी में सक्षम नहीं दिख रहे हैं। इस चिंता की जानकारी टेलीफोन के माध्यम से भी दी गई थी। (इससे जुड़े पत्र और तस्वीरें मेरे संबंधित फेसबुक पोस्ट में देखी जा सकती हैं।)

साथ ही लिखा कि राष्ट्रपति सचिवालय की एडवांस टीम ने 05.03.2026 को स्थल का दौरा किया और वहां की तैयारियों की कमी के बारे में उन्हें भी जानकारी दी गई। इसके बावजूद कार्यक्रम तय समय के अनुसार जारी रहा। माननीय राष्ट्रपति का स्वागत और विदाई सिलीगुड़ी नगर निगम के मेयर, दार्जिलिंग के जिलाधिकारी और सिलीगुड़ी पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त द्वारा की गई। यह सब राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा पहले से तय और स्वीकृत प्रोटोकॉल के अनुसार ही हुआ।

अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन का एक्शन, 39 बीघा जमीन से हटाया कब्जा

संभल, 8 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सम्भल में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जों के खिलाफ राजस्व प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। सम्भल तहसील के राजस्व ग्राम मन्नीखेड़ा में लगभग 2 करोड़ रुपये कीमत की 39 बीघा पशुचर भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया। यह कार्रवाई जिलाधिकारी डॉ। राजेन्द्र पैंसिया के निर्देश पर की गई।

उन्होंने कहा कि जिले में सरकारी भूमि पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। इससे पहले भी सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया है। राजस्व विभाग और पुलिस की मौजूदगी में यह कार्रवाई की गई।

'नीतीश के नाम पर सत्ता में आई बीजेपी

बिहार की जनता सब देख रही है', मुकेश सहनी का बड़ा आरोप

पटना, 8 मार्च (एजेंसियां)। जेडीयू की ओर से राज्यसभा के लिए सीएम नीतीश कुमार के नाम का ऐलान होते ही बिहार की राजनीति में गजब का तूफान आ गया है। एक तरफ जहां जेडीयू इस फैसले से पूरी तरह खुश नहीं दिख रही है वहीं दूसरी ओर बीजेपी अब अपने पार्टी के सीएम की मांग करती दिख रही है। इन सब के बीच विपक्ष भी पूरी तरह से हमलावर है। विकासशील इंसान पार्टी प्रमुख मुकेश सहनी ने नीतीश कुमार को लेकर बीजेपी पर बड़ा हमला बोला और कहा कि बीजेपी नीतीश कुमार के नाम पर सत्ता में आई, लेकिन अब उन्हें राज्यसभा भेजकर बिहार की राजनीति से दूर करने की कोशिश की जा रही है।

नीतीश को लेकर बीजेपी पर निशाना

पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने प्रेस विज्ञप्ति बीजेपी पर निशाना साधा। सहनी ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने सत्ता पाने के लिए नीतीश कुमार के नाम का इस्तेमाल किया, लेकिन अब उन्हें किनारे करने की रणनीति बनाई जा रही है। सहनी ने इस पूरे घटनाक्रम पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार की जनता सब देख रही है और आने वाले समय में इसका जवाब भी देगी।

पप्पू सहनी एनकाउंटर पर उठाए सवाल

मुकेश सहनी ने मुजफ्फरपुर में हुए पप्पू सहनी एनकाउंटर को लेकर भी पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यह फेक एनकाउंटर है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। सहनी ने सवाल उठाया कि अगर यह हत्या है तो आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा क्यों दर्ज नहीं किया गया। उन्होंने यह भी पूछा कि अब तक किसी की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई, मृतक के परिवार को मुआवजा क्यों नहीं मिला और परिवार के सदस्यों को नौकरी क्यों नहीं दी गई।

10 मार्च को मुजफ्फरपुर में प्रदर्शन की चेतावनी

सहनी ने घोषणा की कि इन सवालों को लेकर वीआईपी के कार्यकर्ता 10 मार्च को दोपहर 12 बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेंगे। वहां पुलिस प्रशासन से जवाब मांगा जाएगा और एसपी से मुलाकात कर पूरे मामले पर स्पष्ट जवाब की मांग की जाएगी। सहनी ने कहा कि अगर पप्पू सहनी के पैर में गोली लगी थी तो उनका सही इलाज क्यों नहीं कराया गया। उन्होंने कहा कि निषाद समाज को अब दबाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सरकार को इस मामले में जवाब देना ही पड़ेगा।

संघर्ष जारी रखने का ऐलान

मुकेश सहनी ने कार्यकर्ताओं से मुजफ्फरपुर पहुंचने की अपील करते हुए कहा कि यह लड़ाई न्याय की है और इसे मिलकर लड़ना होगा। उन्होंने कहा कि अभी उनकी उम्र 45 साल है और अगले 30 साल तक वे संघर्ष जारी रखेंगे। सहनी ने कहा कि बिहार में पिछड़ा और निषाद समाज अब जागरूक हो चुका है और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि 11 मार्च को मुजफ्फरपुर में अमर शहीद जुब्बा सहनी का शहादत दिवस भी मनाया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे।

टीआरई-4 नोटिफिकेशन में देरी पर भड़के अभ्यर्थी, 18 मार्च को होगा महा आंदोलन

पटना, 8 मार्च (एजेंसियां)। बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से चौथे चरण (टीआरई-4) की शिक्षक भर्ती का नोटिफिकेशन अभी तक जारी नहीं की गया है। हलांकि बीपीएससी को सरकार के सामान्य प्रशासन की ओर से बहाली के लिए 11 फरवरी 2026 अधियाचना मिल गई थी। उसी वक्त बिहार लोक सेवा आयोग के परीक्षा नियंत्रक की ओर से पत्र जारी कर जानकारी दी गई थी कि बहुत जल्द परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। लेकिन 25 दिन बीतने के बाद भी अधिसूचना जारी नहीं होने से नाराज छात्र संघ ने एक बार फिर बड़ा आंदोलन करने का ऐलान कर दिया है।

छात्र नेता दिलीप ने वीडियो जारी करके बताया है कि आगामी 18 मार्च को टीआरई-4 की नोटिफिकेशन नहीं जारी होने के खिलाफ पटना कॉलेज से महा आंदोलन किया जाएगा और हजारों की संख्या में टीआरई-4 के शिक्षक अभ्यर्थी वहां से पटना की सड़कों पर आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि जब सरकार की तरफ से बीपीएससी को अधियाचना मिल गई और बीपीएससी ने 11 फरवरी को ही लेटर जारी कर बहुत जल्द परीक्षा की तिथि का ऐलान करने को कहा था तो फिर क्यों रोका जा रहा है। अगर 18 मार्च के पहले तक बीपीएससी चौथे चरण की शिक्षक बहाली का नोटिफिकेशन जारी नहीं करता है तो 18 मार्च को बहुत बड़ा आंदोलन होगा और उसका जवाब बीपी एससी को देना होगा।

तीन थानाध्यक्षों पर कार्रवाई, अब काटा जाएगा सैलरी का पैसा

वैशाली, 8 मार्च (एजेंसियां)। वैशाली जिले के तीन थाना प्रभारी पर आचरण प्रमाण पत्र में देरी के कारण जुर्माना लगाया गया है। आचरण प्रमाण पत्र एक ऑनलाइन सिस्टम के जरिए जारी होता है और इसे 14 दिनों के अंदर पूरा करना होता है। लेकिन वैशाली जिले के लालगंज, जुड़ावनपुर और गौरौल थाना प्रभारी समय सीमा के भीतर इस कार्य को पूरा नहीं कर पाए, जिससे प्रमाण पत्र आवेदनकर्ताओं को देरी से सुविधा मिल रही थी।

वैशाली एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त ऑनलाइन चरित्र प्रमाण पत्र से संबंधित आवेदनों के निष्पादन की समीक्षा की गई। समीक्षा में कुछ मामलों में निर्धारित समय-सीमा के उपरांत आवेदनों के निष्पादन में विलंब पाए जाने को गंभीरता से लिया गया।

इस पर कार्रवाई करते हुए लालगंज, गोरौल एवं जुड़ावनपुर थानाध्यक्षों से एकमुश्त पांच-पांच हजार रुपए का आर्थिक दंड अधिरोपित किया गया है। अधिरोपित दंड की राशि उनके वेतन से काटकर राजकोष में जमा कराने का निर्देश दिया गया है।

पिता ने दो बच्चों की हत्या कर किया सुसाइड: बच्चों को खिड़की से लटकाया

महराजगंज, 8 मार्च (एजेंसियां)। महराजगंज में एसएसबी जवान के पति ने दो बेटों को मारकर आत्महत्या कर ली। दोनों बेटों को खिड़की से रस्सी के सहारे लटकाया। फिर छत के कुंडे से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सुबह देरतक जब नहीं उठे घर के बाहर बच्चों की कोई हलचल नहीं दिखी। इसपर पड़ोसियों ने महिला एसएसबी जवान को फोन कर सूचना दी। मौके पर पहुंची पत्नी ने काफी देर कर दरवाजा खटाखटाया। लेकिन नहीं खुला। इसके बाद पत्नी ने पुलिस को घटना की सूचना दी।

इसके बाद पत्नी घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी। देखा की सभी की मौत हो चुकी थी। घर की दीवार पर मरने से पहले पिता ने सुसाइड नोट लिखा था। लिखा- हमारी मौत का कारण मेरी पत्नी और उसका आशिक सोनू गौतम है। मेरे साथ रहते हुए भी सोनू से बात करती है। कहती तुम मेरा कुछ नहीं कर सकते हो। वारदात की सूचना पर पुलिस और एसएसबी के जवान मौके पर पहुंचे। शवों को पोस्टमॉर्टम को भेज दिया। एसएसबी जवान का परिवार किराए पर घर लेकर रहता था। मामला नौतनवा थाना क्षेत्र के गांधी नगर वार्ड का है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ केस करने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी पर हमला

धारदार हथियार से नाक काटने की कोशिश; छिपकर बचाई जान

प्रयागराज, 8 मार्च (एजेंसियां)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ कोर्ट में यौन उत्पीड़न का केस दाखिल करने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी पर जानलेवा हमला हुआ है। पर रीवा एक्सप्रेस ट्रेन में रविवार तड़के करीब पांच बजे धारदार हथियार से हमला हुआ है। इसी दौरान ट्रेन के अंदर ही उनके ऊपर धारदार हथियार से हमला किया गया। फतेहपुर और कौशांबी जिले के बीच सिराथू रेलवे स्टेशन के पास उनपर हमला किए जाने की सूचना मिली है। हालांकि आशुतोष महाराज ने ट्रेन के टॉयलेट में खुद को बंद करके अपनी जान बचाई। इस हमले में आशुतोष महाराज को कई जगह चोटें भी आई हैं। वह लहूलुहान हालत में ही प्रयागराज पहुंचे। फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर है।

अविमुक्तेश्वरानंद पर लगाए आरोप

वहीं पत्रकारों से बात करते हुए आशुतोष महाराज ने सीधे तौर पर इस हमले का आरोप स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर लगाया है। उन्होंने कहा कि हमलावर उनकी नाक काटना चाहता था। उन्होंने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर हमले की साजिश रचने का शक जताया है। इसके अलावा उन्होंने प्रयागराज जंक्शन पर जीआरपी थाने में एफआईआर भी दर्ज करा दी है। आशुतोष महाराज का प्रयागराज के कॉल्विन अस्पताल में मेडिकल कराया गया। जानकारी के मुताबिक वह गाजियाबाद से रीवा एक्सप्रेस ट्रेन में सवार होकर प्रयागराज आ रहे थे, इसी बीच ट्रेन के अंदर ही उनपर हमला किया गया।

आरोपी ने किया केस दर्ज करवाने का जिक्र

दरअसल, मथुरा श्री कृष्ण जन्मभूमि विवाद से जुड़े केस की सुनवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट में 12 मार्च को होनी है। इसके अलावा स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर यौन शोषण आरोप के मामले में भी हाईकोर्ट में जवाब दाखिल करना है। दोनों मामलों की पैरवी के लिए आशुतोष महाराज प्रयागराज आ रहे थे। इसी दौरान उनपर हमला किया गया। आशुतोष महाराज रीवा एक्सप्रेस के एच1 कोच में सफर कर रहे थे।

उन्होंने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर आरोप लगाता हुए कहा कि हाल ही उनके लोगों ने मेरी नाक काटने के लिए 21 लाख रुपये का इनाम रखा था और करते भी दिखा दिया। उन्होंने कहा कि आरोपी ने हमले के दौरान कहा कि तुमने हमारे गुरु के खिलाफ केस लिखवाया तुम्हे मार देंगे।

सुरक्षा की मांग

आशुतोष महाराज पर हमले के आरोपी की पहचान के लिए जीआरपी की कई टीमें लगी हैं। सिराथू रेलवे स्टेशन के पास से भी टीमें इसके बारे में जानकारी जुटा रही हैं। जीआरपी ने आशुतोष महाराज से हमला करने वाले शख्स की पहचान के बारे में कई जानकारियां ली हैं। पुलिस को आशंका है कि हमला करने वाला नशे में भी हो सकता है। आशुतोष महाराज नें इस हमले के बाद सुरक्षा की भी मांग की है। उनका कहना है कि जिस तरह से उनकी नाक काटने पर इनाम रखा गया है उनको आगे भी खतरा हैं।

एसएसपी ने 10 हजार का इनाम घोषित किया: एससी-एसटी एक्ट के फरार आरोपी महेंद्र यादव की तलाश तेज

अयोध्या, 8 मार्च (एजेंसियां)। अयोध्या जिले में एससी-एसटी एक्ट के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी महेंद्र यादव की गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने 10,000 रुपये का इनाम घोषित किया है। महेंद्र यादव पिछले छह माह से पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। यह मामला कुमारगंज थाना क्षेत्र से संबंधित है। खण्डासा थाना क्षेत्र के कौराह गांव निवासी राजकुमार पासी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 22 अगस्त 2025 की शाम को कुमारगंज थाना क्षेत्र के धगापुर परे पाण्डेय गांव निवासी वंशराज यादव के मवेशियों ने उनके खेत में धान चर लिया था।

राजकुमार पासी जब इसकी शिकायत करने धगापुर गांव गए, तो वहां विवाद बढ़ गया। राजकुमार के अनुसार, वंशराज यादव, उनके बेटे महेंद्र यादव और आकाश, तथा पड़ोसी महेश पुत्र गंगाराम ने उन्हें, उनके पिता, भाई अजय, मां रामादेवी और बहन कंचन को जातिसूचक गालियां दीं और लाठी-डंडों से पीटा। इस मारपीट में राजकुमार की मां, बहन और भाई के सिर में गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना 112 पर दी गई,

मार्च में गर्मी का सितम जारी

गर्मी ने तोड़ा 50 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में गर्मी अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ रही है। दिल्ली में शनिवार को पारा 35.7-डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मार्च के पहले हफ्ते में ही दिल्ली की गर्मी ने 50 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मार्च की गर्मी में ही लोग घर के बाहर निकलने से कतरा रहे हैं। महाराष्ट्र के विदर्भ, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हिमाचल और आंध्र प्रदेश में आज हीटवेव का अलर्ट है।

आईएमडी ने आज रविवार को भी राजस्थान के अकोला, महाराष्ट्र में अमरावती, वर्धा और हिमाचल के सोलन, मंडी, कुल्लू, कांगड़ा में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, हीटवेव का अलर्ट तब दिया जाता है, जब मैदानी इलाकों में तापमान 40-डिग्री या उससे ज्यादा पहुंच जाता है। हीटवेव की स्थिति में अगर सामान्य तापमान 4 से 6 डिग्री ज्यादा दर्ज किया जाए, तब ऐसी स्थिति में लोगों की सेहत पर भी असर पड़ सकता है और लू लगने की आशंका रहती है।

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में आने वाले 3-4 दिनों में बारिश के साथ बर्फबारी भी हो सकती है। कश्मीर घाटी में कुपवाड़ा, गांदरबल, बांदीपोरा और अनंतनाग के कुछ इलाकों में हल्की बर्फबारी हो सकती है। सिक्किम, ओडिशा और केरल में भी बारिश की संभावना है। वहीं पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश के लोगों को भी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

भारत अपना फैसला खुद करेगा

कोई और हमें न बताए', रूसी तेल खरीद पर अमेरिकी छूट को लेकर बरसे फारूक अब्दुल्ला

जम्मू, 8 मार्च (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ। फारूक अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत को अपने फैसले खुद लेने चाहिए। उन्होंने अमेरिका द्वारा भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए दी गई छूट पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारत किसी पर निर्भर नहीं है, लेकिन समझ नहीं आता कि देश को क्यों दूसरों पर निर्भर बनाया जा रहा है। श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत में डॉ। फारूक ने कहा कि यह देश की आजादी और स्वायत्तता का सवाल है। भारत को यह तय करना चाहिए कि उसके लिए क्या सही है, न कि कोई और देश हमारे भविष्य का फैसला करे।

उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय भी अमेरिका ने भारत पर

दबाव बनाया था। अमेरिका चाहता था कि भारत उसके पक्ष में वोट करे और कहा था कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो परमाणु समझौता खतरे में पड़ सकता है। लेकिन मनमोहन सिंह ने उस समय स्पष्ट कहा था कि यह भारत का फैसला होगा और देश वही करेगा जो उसके हित में होगा।

नेशनल कान्फ्रेंस के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डा। फारूक अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत को अपने फैसले खुद लेने चाहिए। उन्होंने अमेरिका द्वारा भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए दी गई छूट पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारत किसी पर निर्भर नहीं है, लेकिन समझ नहीं आता कि देश को क्यों दूसरों पर निर्भर बनाया जा रहा है। श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत में डा। फारूक ने कहा कि यह देश की आजादी और स्वायत्तता का सवाल है। भारत को यह तय करना चाहिए कि उसके लिए क्या सही है, न कि कोई और देश हमारे भविष्य का फैसला करे।

उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय भी अमेरिका ने भारत पर दबाव बनाया था। अमेरिका चाहता था कि भारत उसके पक्ष में वोट करे और कहा था कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो परमाणु समझौता खतरे में पड़ सकता है। लेकिन मनमोहन सिंह ने उस समय स्पष्ट कहा था कि यह भारत का फैसला होगा और देश वही करेगा जो उसके हित में होगा।

घातक हुआ ईरान

अमेरिका की नेवी फ्लीट पर बरसाए बम, 21 सैनिक मार डाले

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। तेहरान ईरान-अमेरिका के बीच युद्ध कहीं से भी थमने की गुंजाइश नजर नहीं आ रही है, बल्कि ये और तेज हो गया है। ईरानी आर्म्ड फोर्सेज ने दावा किया है कि उन्होंने बहरीन में मौजूद अमेरिका की पांचवीं नेवी फ्लीट को निशाना बनाया है। ईरान के दावे मुताबिक इन हमलों में उनके 21 सैनिक मारे गए हैं और कई अन्य घायल हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना उस समय हुई जब क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी नौसैनिक बलों और ईरानी सैन्य ठिकानों के बीच टकराव हुआ। हमलों के दौरान कई ठिकानों और सैन्य परिसरों को निशाना बनाया गया, जिसकी वजह से ईरानी सैनिकों को भारी नुकसान हुआ।

ईरान ने बहरीन की राजधानी मनामा के जुफैर इलाके में मौजूद यूनाइटेड स्टेट्स नेवी फिफ्थ फ्लीट के मुख्यालय पर नया हमला किया है। ईरानी मीडिया ने एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें हमले के बाद वहां आग लगती दिखाई दे रही है। अमेरिकी नौसेना का यह पांचवां बेड़ा नेवल सपोर्ट एक्टिविटी बहरीन में स्थित है और मध्य-पूर्व में अमेरिका की सबसे महत्वपूर्ण सैन्य मौजूदगी माना जाता है।

एमपी के छतरपुर में में नशे का अवैध कारोबार... ढाई बीघे में अफीम की अवैध खेती, पुलिस ने किया नष्ट

छतरपुर, 8 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में पुलिस ने अवैध तरीके से की जा रही अफीम की खेती को नष्ट कर दिया है। पुलिस को पिछले कई दिनों से अवैध तरीके से नशे की खेती किए जाने की सूचना मिल रही थी। पुलिस को मिली सटीक जानकारी के बाद यह कार्रवाई की गई। करीब ढाई बीघे में उठाई गई अफीम की फसल को पुलिस ने नष्ट करने की कार्रवाई की।

छतरपुर जिले के गढ़ीमलहरा थाना पुलिस ने अवैध अफीम की खेती के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये कीमत के अफीम के पौधे जब्त किए हैं। ग्राम पंचायत उर्दमऊ और खिरी के बीच स्थित एक खेत में आधा एकड़ से अधिक भूमि पर की जा रही अवैध अफीम की खेती को पुलिस ने नष्ट किया। पुलिस को मुखबिर द्वारा अवैध तरीके से की जा रही अफीम की खेती की जानकारी मिली थी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी और अफीम के पौधों को नष्ट कर दिया। एसपी आगम जैन के निर्देश पर मुखबिर से सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

जांच में पता चला कि मलखान कुशवाहा के खेत में बड़े पैमाने पर अफीम की खेती की जा रही थी। पुलिस ने खेत में लगी पूरी फसल को जब्त कर लिया। उन्होंने कहा कि अवैध तरीके से नशे का व्यापार करने वाले और नशे को फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस लगातार इस तरह का अवैध धंधा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

छात्र को थप्पड़ मारना महिला टीचर को पड़ा महंगा, मामला दर्ज

बेंगलुरु, 8 मार्च (एजेंसियां)। बेंगलुरु से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला स्कूल टीचर के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है क्योंकि टीचर ने मैथ के एक सवाल का जवाब ना दे पाने पर दूसरी क्लास में पढ़ने वाले छात्र को थप्पड़ मारा था। घटना एक प्राइवेट स्कूल की है। पुलिस का कहना है कि महिला स्कूल टीचर ने कथित तौर पर दूसरी क्लास में पढ़ने वाले बच्चे को इसलिए थप्पड़ मारा क्योंकि वह मैथ से जुड़े एक सवाल का जवाब नहीं दे सका था। पुलिस ने महिला स्कूल टीचर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। घटना शहर के डोड्डनागमंगला इलाके में स्थित एक प्राइवेट स्कूल की है। 5 मार्च को पीड़ित छात्र की मां ने महिला टीचर के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत में बच्चे के पैरेंट्स का आरोप है कि 2 मार्च को दोपहर में स्कूल टीचर ने बच्चे से मैथ का एक सवाल पूछा, जिसका जवाब उनका बेटा नहीं दे सका। इस पर टीचर ने बच्चे के कान मरोड़े, उसके चेहरे पर थप्पड़ मारा और लकड़ी के डंडे से उसके कंधे पर चोट की।

बिहार—पटना म्यूजियम के बीच अंडरग्राउंड टनल निर्माण का शुभारंभ

पटना, 8 मार्च (एजेंसियां)। बिहार म्यूजियम और पटना म्यूजियम को जोड़ने वाली अंडरग्राउंड टनल की खुदाई आज से शुरू हो गई है। आज सुबह सीएम नीतीश कुमार बिहार म्यूजियम पहुंचे और टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) का बटन दबाकर टनल निर्माण की शुरुआत की। सीएम नीतीश ने 500 मीटर पैदल चल कर निर्माण कार्य की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान आधिकारी सीएम से लगातार गाड़ी में बैठने का अनुरोध करते रहे, लेकिन वो नहीं बैठे। बिहार म्यूजियम और पटना म्यूजियम को जोड़ने वाले सुरंग को 542 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है। यह मशीन जनवरी में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा टनल की खुदाई के लिए सिंगापुर से मंगाई गयी थी। करीब 1.5 किमी लंबी इस टनल में लोग पैदल भी जा सकेंगे। इसे 542 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया जाएगा। यह विश्व स्तरीय 'हेरिटेज टनल' पटना म्यूजियम, विद्यापति मार्ग, तारामंडल क्रॉसिंग, इनकम टैक्स गोलंबर, पटना विमेंस कॉलेज और बिहार म्यूजियम सहित कई प्रमुख जगहों से होकर गुजरेगा। दो म्यूजियम को जोड़ने वाली यह अपनी तरह की भारत की पहली सुरंग है। यह टनल पूरी तरह वातानुकूलित होगी। इसके दोनों सिरों पर लिफ्ट की व्यवस्था रहेगी। पैदल चलने वालों के लिए सीढ़ियां और पैदल पथ भी बनाए जाएंगे। बैटरी चालित गोल्फ कार भी चलेगी।

इस टनल के बनने से दोनों म्यूजियम की आपसी कनेक्टिविटी बेहतर होगी और पर्यटकों की संख्या में बढ़ोत्तरी होगी। यह सुरंग एक आर्ट गैलरी की तरह होगी, जिसमें मधुबनी पेंटिंग्स के द्वारा राज्य की कला, संस्कृति, विरासत, भित्तिचित्र और अन्य कलाकृतियों को सुरंग की दीवारों पर प्रदर्शित किया जाएगा।

एंट्री और एग्जिट बिल्डिंग में एक भूतल और प्रथम तल होगा और इसमें तीन-लेवल का बेसमेंट होगा। म्यूजियम को जोड़ने वाला टनल जमीन से 15 से 20 मीटर नीचे होगा। वहीं, मेट्रो के टनल और म्यूजियम को जोड़ने वाली टनल का क्रासिंग प्वाइंट नेहरू पथ में होगा। इसी कारण मेट्रो की टनल जमीन से 29 मीटर नीचे से गुजरेगी।

अमेरिका में भारतीय नागरिक जशनप्रीत सिंह गिरफ्तार

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के सैन डिएगो में भारतीय नागरिक जशनप्रीत सिंह को अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट के अधिकारियों ने गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने उसे क्रिमिनल एलियन यानी खतरनाक अपराधी बताया है। इस गिरफ्तारी की जानकारी सैन डिएगो की एनफोर्समेंट एंड रिमूवल ऑपरेशंस यूनिट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके दी है। अधिकारियों के मुताबिक, जशनप्रीत सिंह का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

उस पर धमकी देकर लोगों में डर पैदा करने, घातक हथियार से हमला करने और शराब पीकर गाड़ी चलाने जैसे आरोप लगे हैं। फिलहाल उसे आईसीई की हिरासत में रखा गया है और उसके खिलाफ अमेरिका से डिपोर्टेशन यानी निर्वासन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इमिग्रेशन कोर्ट में चलने वाली इस प्रक्रिया के बाद यह तय होगा कि जशनप्रीत सिंह को अमेरिका से वापस भेजा जाएगा या नहीं।

किसानों के मुद्दों पर कांग्रेस का बीजेपी के खिलाफ बड़ा मार्च, सोमवार से

मुंबई, 8 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कांग्रेस एक बड़ा मोर्चा सोमवार (9 मार्च) को निकालेगी जिसमें इनका मुद्दा, केंद्र में मोदी सरकार पर होगा। मोर्चे में केंद्र, किसान विरोधी है और अमेरिका के साथ ट्रेड एग्रीमेंट की वजह से देश के किसानों और खेती-बाड़ी सेक्टर को राष्ट्रीय आपदा का सामना करना पड़ेगा जैसे मुद्दे होंगे। यह ट्रेड एग्रीमेंट उन किसानों के लिए एक बड़ा झटका है जो पहले से ही संकट में हैं। हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी तरह से अमेरिका के सामने सरेंडर कर दिया है और इस एग्रीमेंट की वजह से भारत में खेती-बाड़ी की चीजों का दाम नहीं मिलेगा, जिससे किसानों की आत्महत्याएं बढ़ेंगी। बीजेपी सरकार ने यूपीए सरकार द्वारा ग्रामीण इलाकों में गरीब और मेहनतकश लोगों के लिए लाई गई सही रोजगार योजना मनरेगा को भी खत्म कर दिया है।

केंद्र के साथ-साख राज्य की बीजेपी महागठबंधन सरकार भी किसान विरोधी

सपकाल ने कहा कि केंद्र की बीजेपी सरकार के साथ-साथ राज्य की बीजेपी महागठबंधन सरकार भी किसान विरोधी है और जरूरत न होने पर शक्ति पीठ हाईवे प्रोजेक्ट लाकर खेती की जमीन हड़पने की कोशिश की जा रही है। किसान इस शक्ति पीठ का कड़ा विरोध कर रहे हैं, लेकिन सरकार इस विरोध को नजरंदाज कर रही है और अपने प्यारे उद्योगपति दोस्त के लिए शक्ति पीठ हाईवे बनाने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल कर रही है। कांग्रेस पार्टी ने बीजेपी सरकार की इस अत्याचारी, दमनकारी, किसान विरोधी नीति के खिलाफ एल्गार का आह्वान किया है और 9 मार्च को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के नेतृत्व में कलमनुरी से हिंगोली तक मार्च निकाला जाएगा।

मोर्चे के चलते सड़क पर यातायात प्रभावित होने की बड़ी संभावना

यूएस के साथ व्यापार समझौता, मनरेगा, शक्ति पीठ हाईवे जैसी मुख्य मांगों के साथ-साथ आदिवासी पदों पर विशेष भर्ती, वन अधिकार अधिनियम को लागू करने और घर कुल योजना की मांग को लेकर भी यह मार्च निकाला गया है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मोहन जोशी इस मार्च को कोआर्डिनेट करने की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं और इसमें प्रदेश वाइस प्रेसिडेंट सचिन नाइक के साथ हिंगोली जिला कांग्रेस कमेटी के बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे। ऐसे में इसके चलते बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे और सड़क पर यातायात प्रभावित होने की संभावना बढ़ गई है ।

नैनीताल में दिल्ली की महिला से कैब ड्राइवर ने की दरिंदगी की कोशिश

नैनीताल, 8 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड के नैनीताल में दिल्ली की एक महिला टूरिस्ट के साथ एक टैक्सी चालक ने कथित तौर पर रेप की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपी ड्राइवर ने महिला के साथ मारपीट की और उसका मोबाइल भी लूट लिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना गुरुवार देर रात नैनीताल के पास एक सुनसान सड़क पर हुई। पीड़िता दिल्ली से अकेले यात्रा पर निकली थी और पांच मार्च की रात काठगोदाम पहुंची थी। यहां से उसने नैनीताल जाने के लिए एक टैक्सी किराये पर ली। शुरुआत में यात्रा सामान्य रही, लेकिन रास्ते में चालक की नीयत बदल गई। बताया गया कि रात करीब डेढ़ बजे जब टैक्सी वल्दियाखान के पास पहुंची, तो चालक ने गाड़ी को नैनीताल की ओर ले जाने के बजाय सुनसान इलाके की ओर मोड़ दिया। महिला को शक हुआ तो उसने इसका विरोध किया, लेकिन चालक ने उसकी बात अनसुनी कर दी और टैक्सी को पटवा डांगर की सुनसान सड़क की ओर ले गया।

अल-फलाह के चेयरमैन जावेद सिद्दीकी को जमानत, ईडी ने किया विरोध, कोर्ट ने बताई वजह

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अल-फलाह ग्रुप के चेयरमैन जावेद सिद्दीकी को दो हफ्ते की अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट की तरफ से यह राहत इसलिए दी गई है, ताकि वह अपनी पत्नी की देखभाल कर सकें। जो स्टेज-4 ओवेरियन कैंसर का इलाज करा रही हैं। जस्टिस शीतल चौधरी की बेंच ने ये फैसला सुनाया है।

कोर्ट ने यह आदेश देते हुए कहा कि सिद्दीकी की पत्नी कीमोथेरेपी से गुजर रही हैं। इस दौरान उन्हें देखभाल और सहारे की जरूरत है।

अदालत ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए आरोपी को अंतरिम जमानत देना उचित है। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी बताया कि सिद्दीकी की पत्नी दिल्ली के एक अस्पताल में कीमोथेरेपी करवा रही हैं। इस संबंध में पेश किए गए मेडिकल दस्तावेजों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोई आपत्ति नहीं जताई। कोर्ट ने यह भी कहा कि दंपति के तीनों बच्चे यूएई में पढ़ाई कर रहे हैं और फिलहाल भारत नहीं आ सकते हैं। ऐसे में महिला के पास परिवार का कोई और सदस्य मौजूद नहीं है, इसलिए पति के तौर पर सिद्दीकी का उनके पास होना जरूरी है। यही वजह है कि उन्हें जमानत दी गई है। जावेद सिद्दीकी को प्रवर्तन निदेशालय ने 18 नवंबर 2025 को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज मामले में गिरफ्तार किया था।

यह मामला अल-फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों से कथित धोखाधड़ी से जुड़ा है। अदालत ने सिद्दीकी को एक-एक लाख रुपये के निजी मुचलके और जमानतदार पर दो सप्ताह की अंतरिम जमानत दी है। ईडी ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि सिद्दीकी गंभीर अपराधों में शामिल हैं। जमानत के दौरान वह जांच को प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि अदालत ने कहा कि आरोपी अब तक जांच में सहयोग कर रहा है और फरार होने की कोई कोशिश नहीं की है।

छिंदवाड़ा कप सिरप कांड: 26 मासूमों की मौत मामले में दो और डॉक्टर गिरफ्तार, अब तक 13 अरेस्ट

छिंदवाड़ा, 8 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में छिंदवाड़ा जिले के बहुचर्चित कोलड्रिफ कफ सिरप कांड में 26 बच्चों की मौत हुई। वहीं। छह महीने बाद जांच एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो और डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने परासिया के दो शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ। अमन सिद्दीकी और डॉ। एसएस। ठाकुर को हिरासत में लिया।

इस गिरफ्तारी के बाद अब तक इस मामले में कुल 13 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिनमें श्रीसन फार्मा का मालिक और अन्य आरोपी पहले से ही जेल में बंद हैं। यह मामला उस समय सामने आया था जब परासिया क्षेत्र में जहरीली कफ सिरप कोलड्रिफ के सेवन से 26 मासूम बच्चों की मौत हो गई थी। सभी बच्चे तीन से चार वर्ष से कम उम्र के थे और उन्हें सामान्य सर्दी-जुकाम की शिकायत होने पर यह दवा दी गई थी। दवा लेने के बाद बच्चों की हालत अचानक बिगड़ने लगी।

परिजनों ने बताया कि बच्चों की किडनी प्रभावित हो गई, पेशाब बंद हो गया और इलाज के दौरान एक-एक कर उनकी मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया था। जांच के दौरान यह सामने आया कि चिकित्सकों द्वारा लिखी गई कफ सिरप में ऐसा हानिकारक केमिकल शामिल था, जो छोटे बच्चों के लिए प्रतिबंधित और बेहद खतरनाक माना जाता है। आरोप है कि डॉक्टरों ने इस दवा को लिखते समय आवश्यक सावधानी नहीं बरती। जांच में यह भी पाया गया कि कंपनी की ओर से कमीशन के लालच में यह दवा लिखी जा रही थी।

इस मामले में परासिया के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ। प्रवीण सोनी सहित कुल 11 आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं और पिछले करीब छह महीनों से जेल में बंद हैं। अब दो और डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। एसआईटी का कहना है कि मामले से जुड़े हर व्यक्ति की भूमिका की बारीकी से जांच की जा रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इधर लंबे समय से न्याय की मांग कर रहे पीड़ित परिवारों ने दो और डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद कुछ हद तक राहत की सांस ली है। उनका कहना है कि मासूम बच्चों की मौत के जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोबारा न हो सके।

90 साल की बुजुर्ग से गैंगरेप के बाद कुएं में फेंकने की थी तैयारी

खंडवा, 8 मार्च (एजेंसियां)। जिले के पुनासा थाना क्षेत्र से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली बेहद दर्दनाक घटना सामने आई थी। यहां खेत में अकेली रहने वाली 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला के साथ चार नकाबपोश बदमाशों ने सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में आरोपियों की धर पकड़ करने के लिए खंडवा पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। खंडवा डीआईजी मनोज कुमार राय घटना स्थल पर मामले की जांच करने मौके पर पहुंचे। मौके पर बुजुर्ग महिला के आसपास के लोगों ने बताया कि किस तरह से बुजुर्ग महिला रात भर खून से लथपथ खटिया पर पड़ी हुई थी। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से खंडवा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपियों ने महिला के मुंह में कपड़ा ठूंसकर बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान महिला को इतनी गंभीर चोटें आईं कि उसका गुप्तांग तक फट गया और वह खून से लथपथ हालत में करीब 12 घंटे तक खेत में तड़पती रही। फिलहाल पीड़िता की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

जंगल में तोते के दुश्मनों की लंबी लिस्ट, हर किसी के टारगेट पर क्यों है ये मासूम पक्षी ?

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। तोता जंगल का मासूम और चतुर पक्षी है। जंगल में इसके दुश्मन ना केवल इसकी पक्षी बिरादरी के हैं, बल्कि इसे जमीन पर चलने और रेंगने वाले जानवरों से भी खतरा है। तोते के जीवन में 24 घंटे संकट के बादल मंडराते रहते हैं। जंगल में खुद को सुरक्षित रखने के लिए तोता 24 घंटे एक्टिव रहता है। बाज, चील, उल्लू और बाज हवा में तोतों का शिकार करते हैं। सांप, विशेषकर पायथन और बोआ, तोतों के अंडों और बच्चों के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। पेड़ की डाली पर भी यह सुरक्षित नहीं है।

बंदर और अन्य शिकारी जैसे मार्टेंस और बिल्ली इनके घोंसलों से अंडे और बच्चे चुराते हैं। कौवे और कुछ अन्य पक्षी भी तोतों के घोंसलों पर हमला करते हैं। तोता जंगल में दुश्मनों से बचने के लिए मुख्य रूप से अपनी तेज उड़ान, पेड़ों के पत्तों के रंग (हरे) के साथ घुल-मिल जाने वाली क्षमता, तेज आवाज में चेतावनी देना और समूह में रहने की रणनीति का उपयोग करता है। वे ऊंचे पेड़ों की चोटी पर घोंसले बनाते हैं, जिससे वे शिकारी पक्षियों और जानवरों से बच पाते हैं। तोते सुंदर, बुद्धिमान, सामाजिक पक्षी होते हैं, जिनकी मुख्य विशेषताओं में मजबूत, घुमावदार चोंच, दो उंगलियां आगे और दो पीछे की ओर पंजे और रंग-बिरंगे पंख शामिल हैं। ये इंसान की आवाज की नकल कर सकते हैं, झुंड में रहते हैं, और फल, बीज और कीड़े-मकोड़े खाते हैं। यह जंगल में रहने के लिए अलावा लोकप्रिय पालतू पक्षी भी हैं। तोते मुख्य रूप से दुनिया के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जिनमें दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया और कई प्रशांत द्वीप शामिल हैं। ये गर्म जलवायु पसंद करते हैं और घने जंगलों, सवाना और घास के मैदानों में रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया में इनकी सबसे अधिक विविधता पाई जाती है। भारत में तोते मुख्य रूप से हिमालय की तलहटी, पश्चिमी घाट के जंगलों, और अंडमान व निकोबार द्वीप समूह में निवास करते हैं। इसके अलावा ये शहरों-गांवों के रिहायशी इलाकों, फलों के बागों और खेतों में भी झुंड में रहते हैं।

ईरान में सत्ता का टकराव

तेहरान की सत्ता में बढ़ रहा अंदरूनी टकराव

तेहरान, 8 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका और इस्राइल के हमलों के बीच ईरान की सत्ता में हलचल तेज हो गई है। सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की हाल ही में मौत के बाद देश के नेतृत्व को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। खामेनेई करीब 36 साल तक ईरान के सबसे प्रभावशाली नेता रहे और उनके रहते सत्ता के भीतर मतभेद खुलकर सामने नहीं आते थे।

लेकिन अब उनकी मौत के बाद विभिन्न संस्थाओं और नेताओं के बीच खींचतान स्पष्ट दिख रही है।सवाल अब यह है कि खामेनेई की मौत के बाद युद्ध के दौरान असली निर्णायक शक्ति कौन है और कौन सी संस्था युद्ध के बड़े फैसले ले रही है।

राष्ट्रपति के बयान पर विवाद

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने हाल ही में एक बयान दिया था, जिसमें

उन्होंने अमेरिका-इस्राइल के हमलों के बीच पड़ोसी देशों से माफी मांगी और कहा कि ईरानी सेना तब तक किसी पड़ोसी देश पर हमला नहीं करेगी जब तक उसकी जमीन से ईरान पर हमला नहीं होता।

उनके इस बयान के बाद आईआरजीसी और कई धार्मिक नेता उनके विरोध में खड़े हो गए। धार्मिक नेता हामिद रसाई ने सोशल मीडिया पर लिखा मिस्टर पेजेकियन के कमजोर, अनप्रोफेशनल और पब्लिक ओपिनियन से मंजूर न होने वाले टेलीविजन मैसेज ने असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स और उसके मेंबर्स पर यह काम छोड़ दिया कि वे इस टेम्पररी काउंसिल की एक्टिविटीज़ को जल्द से जल्द खत्म करें, इसके लिए भविष्य के लीडर को इंट्रोड्यूस करें और इमाम खुमैनी और शहीद इमाम खामेनेई की क्रांति की सुरक्षा की गारंटी दें।

सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव अली लारिजानी ने कहा जब दुश्मन इस इलाके में मौजूद बेस से हम पर हमला करता है, तो हम जवाब देते रहेंगे। वहीं, न्यायपालिका प्रमुख गोलामहोसैन मोहसेनी-एजेई ने चेतावनी दी कि अमेरिकी हमलों में सहयोग करने वाले देशों के खिलाफ कार्रवाई जारी रह सकती है। इसके बाद राष्ट्रपति पेजेशकियन को अपना बयान वापस लेना पड़ा।

खामेनेई की मौत के बाद ईरान के संविधान के अनुसार तीन सदस्यीय अंतरिम नेतृत्व परिषद बनाई गई है। इसमें राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, न्यायपालिका प्रमुख गोलामहोसैन मोहसेनी-एजेई और गॉर्डियन काउंसिल द्वारा चुने गए धार्मिक विद्वान अलीरेजा अराफी शामिल हैं।

यह परिषद तब तक सत्ता का संचालन करेगी जब तक असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स नया सुप्रीम लीडर नहीं चुन लेती। हालांकि वर्तमान युद्ध की परिस्थितियों में यह संवैधानिक ढांचा पूरी तरह प्रभावी नहीं दिख रहा है। कई अहम युद्ध और सुरक्षा संबंधी फैसले अब विभिन्न शक्तिशाली संस्थाओं और सैन्य इकाइयों के प्रभाव में लिए जा रहे हैं।

क्या किम जोंग की बेटी किम जू ऐ होंगी उत्तर कोरिया की अगली सर्वोच्च नेता

सियोल, 8 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया दुनिया के अधिकांश देशों के लिए एक रहस्य बना हुआ है। नियमित मिसाइल प्रक्षेपण, भव्य सैन्य परेड और राज्य मीडिया की फिल्टर की गई छवियों के अलावा, प्योंगयांग के सत्ताधारी वर्ग की आंतरिक कार्यप्रणाली अस्पष्ट है। लेकिन हाल ही में एक तस्वीर ने इस परंपरा को तोड़ दिया। 2026 के नव वर्ष के दिन, किम जोंग उन ने किम इल सुंग और किम जोंग इल के संरक्षित शवों के सामने झूमर और संगमरमर के मेहराबों के नीचे खड़े होकर श्रद्धांजलि दी, जो भव्य कुमसुसान पैलेस ऑफ द सन में रखे हुए हैं।

वहीं, पहली नजर में, यह उत्तर कोरिया की गुप्त शासन व्यवस्था की एक और योजनाबद्ध घटना लग रही थी। लेकिन तस्वीर में कुछ खास था - किम जोंग उन के बगल में खड़ी एक छोटी लड़की, जो न तो पीछे थी और न ही किनारे पर। वह उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी थी, शांत और आत्मविश्वास से भरी हुई, जैसे यह स्थिति पहले से तय थी। किम जू ऐ, जो लगभग 13 साल की है, अपने पिता किम जोंग उन के साथ सार्वजनिक कार्यक्रमों में बढ़ती उपस्थिति के कारण उत्तर कोरिया की अगली नेता बनने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

नार्वे की राजधानी ओस्लो में अमेरिकी दूतावास के पास जोरदार धमाका

मचा हड़कंप

ओस्लो, 8 मार्च (एजेंसियां)। नार्वे की राजधानी ओस्लो में अमेरिकी दूतावास के पास जोरदार धमाका होने की खबर सामने आई है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। हालांकि खबर लिखे जाने तक किसी तरह की जनहानि की बात सामने नहीं आई है। नार्वे की पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। ओस्लो पुलिस का कहना है कि ये धमाका स्थानीय समयानुसार लगभग रात 1 बजे हुआ।

फिलहाल तो इस धमाके का कारण और इसमें शामिल लोगों का नाम स्पष्ट नहीं है। ये जानकारी सामने आई है कि इस धमाके में किसी के घायल होने की खबर नहीं है और न ही किसी की मौत हुई है। पुलिस दूतावास से बातचीत कर रही है। स्थानीय मीडिया ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि दूतावास परिसर के आसपास के इलाके से धुआं उठता हुआ देखा गया। हालांकि अभी दूतावास की तरफ से इस धमाके को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। घबराए हुए स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाके इतने ज़ोरदार थे कि उनके कानों में दर्द होने लगा। मिली जानकारी के मुताबिक, रात 9 बजे के ठीक बाद, ओस्लो के मुख्य इलाके में निगरानी ड्रोन चक्कर लगाते हुए देखे गए। गौरतलब है कि इससे पहले ओस्लो शहर में सितंबर में ग्रेनेड हमला हुआ था। इस हमले के कई महीने बीतने के बाद ओस्लो में फिर से धमाका हुआ। फिलहाल अमेरिकी दूतावास के आसपास के इलाके में पुलिस ने भारी संख्या में बल तैनात किया है। पुलिस दूतावास से बातचीत कर रही है।

नॉर्वे पुलिस विभाग के अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि वास्तव में क्या हुआ या इसमें कौन शामिल हो सकता है। मामले की जांच अभी जारी है और पुलिस घटनास्थल की जांच कर रही है। यह घटना बैरन और इवांका ट्रम्प के बीच हुई रहस्यमयी बातचीत को लिप रीडर द्वारा डिकोड किए जाने के कुछ ही दिनों बाद घटी है, जिसके कुछ ही दिन बाद उनके पिता ने ईरान पर हमला किया था।

ईरान का हमलाः ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4 की 27वीं स्ट्राइक

नए ड्रोन-मिसाइलों से अमेरिका-इस्राइल ठिकानों पर निशाना

तेहरान, 8 मार्च (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4 के तहत 27वीं लहर के हमलों की शुरुआत करने का दावा किया है। ईरान के इस विशिष्ट सैन्य बल ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिका और इस्राइल की ओर से कथित उकसावे वाली सैन्य कार्रवाई के जवाब में की गई है। ईरानी सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी के अनुसार, इस चरण में ड्रोन और मिसाइलों के संयुक्त हमले किए गए, जिनका मुख्य निशाना इस्राइल के उत्तरी हिस्सों में मौजूद सैन्य ढांचे को बनाया गया। आईआरजीसी ने बताया कि इस हमले में उसकी एयरोस्पेस डिवीजन ने नए खैबर-शेकन सॉलिड-फ्यूल मिसाइलों का उपयोग किया।

इन मिसाइलों में टारगेट तक पहुंचने के अंतिम चरण तक मार्गदर्शन की क्षमता मौजूद है। ईरानी सैन्य बयान के मुताबिक इन मिसाइलों से इस्राइल के उत्तरी शहर हाइफा में मौजूद सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट के अनुसार आईआरजीसी ने ड्रोन के जरिए उन

इलाकों को भी निशाना बनाया जहां अमेरिकी सैनिक तैनात हैं।

दावा किया गया कि एक ड्रोन यूनिट ने उस स्थान को निशाना बनाया जहां अमेरिकी बल मौजूद थे और जो वार्नर ब्रदर्स कंपनी की इमारतों के पास स्थित है। आईआरजीसी ने यह भी कहा कि उसकी नौसेना ने बहरीन के सलमान पोर्ट पर मौजूद अमेरिकी नौसेना के ढांचे को निशाना बनाया। यह स्थान अमेरिकी नेवी के पांचवें फ्लीट से जुड़ा माना जाता है। ईरानी सेना के अनुसार यहां मानव रहित सतही जहाजों के कमांड सेंटर और सैन्य सहायता हैंगर पर हमले किए गए। ईरान का दावा है कि इन हमलों के बाद इस्राइल के कई क्षेत्रों में लगातार आपातकालीन सायरन बज रहे हैं और हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। आईआरजीसी ने यह भी आरोप लगाया कि इस्राइली प्रशासन सैन्य ठिकानों की सुरक्षा के लिए नागरिकों को कुछ इलाकों में सीमित कर रहा है। आईआरजीसी ने अपने बयान में कहा कि ईरानी सशस्त्र बल लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष के लिए तैयार हैं और उनकी यूनिट्स सटीक योजना के साथ अमेरिकी बलों की गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। गौरतलब है कि ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4 की शुरुआत पिछले सप्ताह विदेशी हमलों के बाद हुई थी।

300 बच्चों को तिब्बती भाषा पढ़ाई

तो चीन ने तिब्बती भिक्षु पालडेन येशे को 6 साल के लिए भेजा जेल

बिजिंग, 8 मार्च (एजेंसियां)। चीन सरकार ने तिब्बती भिक्षु पालडेन येशे को 6 साल की जेल की सजा सुनाई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने स्कूल की छुट्टियों में 300 तिब्बती छात्रों को अपनी मातृभाषा (तिब्बती) भाषा सिखाई। इस घटना के बाद चीन पर तिब्बती भाषा और संस्कृति को दबाने के आरोप फिर से बढ़ गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पालडेन येशे जो करजे काउंटी के तेहोर क्षेत्र के करजे मठ से जुड़े हैं, 17 मई 2021 को चीनी अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार किया गया। पुलिस बिना किसी सूचना के मठ में पहुंच गई और उन्हें अपने साथ ले गई। वह बच्चों को छुट्टियों के दौरान तिब्बती भाषा पढ़ना और लिखना सिखाते थे।

इन कक्षाओं में आसपास के इलाकों के 300 से ज्यादा बच्चे आते थे। लेकिन चीनी अधिकारियों ने इसे गैर-कानूनी गतिविधि माना। गिरफ्तारी के बाद अधिकारियों ने परिवार को यह नहीं बताया कि उन्हें किस वजह या किस कानून के तहत पकड़ा गया। काफी समय तक परिवार को कोई जानकारी नहीं मिली। 8 जनवरी को सामने आई नई जानकारी में पता चला कि पालडेन येशे फिलहाल चुषुल जेल में बंद हैं और उन्हें छह साल की सजा सुनाई गई है। हालांकि अधिकारियों ने अब तक उन पर लगे आरोपों की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है, लेकिन माना जा रहा है कि बच्चों को तिब्बती भाषा सिखाना ही इसके पीछे की असल वजह है।

उनके बुजुर्ग पिता को बेटे की गिरफ्तारी की खबर के बाद गहरा मानसिक आघात लगा। वहीं, पुलिस के बार-बार पूछताछ और दबाव डालने से परिवार और परेशान हो गया। मानसिक तनाव की वजह से उनके पिता का निधन 29 सितंबर 2022 को हो गया। इस मामले को लेकर कई लोगों का कहना है कि तिब्बती भाषा और संस्कृति को बचाने की कोशिश करने वाले लोगों पर चीन में अब और भी सख्ती बढ़ गई है।

जंग में मारी गई बच्ची को महिलाओं ने कंधा दिया

तेहरान/तेल अवीव, 8 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल हमले का रविवार को नौवां दिन है। जंग की वजह से ईरान के कई शहरों में भंयकर तबाही हुई है और 1400 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। लोग अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगह पर शरण लेने को मजबूर हैं। वहीं दुनिया भर में इस जंग के खिलाफ और समर्थन में प्रदर्शन किया जा रहा है।

ईरान समर्थकों और अमेरिका समर्थकों ने शनिवार को एक ही दिन ब्रिटेन में मार्च निकाला। वहीं दूसरी तरफ लेबनान में भी इजराइल, ईरान समर्थक ग्रुप हिजबुल्लाह के खिलाफ हमले कर रहा है। युद्ध की तबाही और डर के बीच आम नागरिकों की जिंदगी कैसे प्रभावित हो रही है,

कोमिल्ला में मंदिर के पास विस्फोट; तीन घायल

ढाका, 8 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश के कोमिल्ला शहर में कलागाछितला मंदिर और पास की सड़क के पास हुई सिलसिलेवार पेट्रोल बम धमाकों में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में मंदिर के पुजारी केशव चक्रवर्ती और स्थानीय निवासी अब्दुल बारेक शामिल हैं। तीसरे घायल व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

घटना शाम की है, जिसके चलते सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की आशंका जताई जा रही है। कोमिल्ला पुलिस अधीक्षक मो। अनीसुज्जमान ने बताया कि पुजारी और दो अन्य, जिनमें एक राहगीर भी शामिल है, विस्फोटों में घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस जिम्मेदार लोगों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए तलाशी अभियान चला रही है।

कोटवाली मॉडल पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी मो। तौहीदुल अनवर ने मीडिया को बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज प्राप्त कर लिया है और घटना की जांच कर रही है। उन्होंने कहा, 'इस समय, हम मकसद की पुष्टि नहीं कर सकते या विस्फोटों के पीछे के लोगों की पहचान नहीं कर सकते। हालांकि, अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं।'

धमाके का सीसीटीवी फुटेज आया सामने

सीसीटीवी फुटेज के अनुसार शाम करीब 6:28 बजे एक नकाबपोश व्यक्ति एक बैग लेकर मंदिर परिसर में घुसता है। आसपास कई अन्य लोग भी खड़े दिखाई दे रहे थे। बैग रखने के बाद नकाबपोश व्यक्ति भाग गया, और कुछ ही क्षणों बाद एक विस्फोट हुआ, जिसमें पुजारी केशव चक्रवर्ती घायल हो गए। उन्हें बाद में इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने भागते समय पास के एक बौद्ध मंदिर और आस-पास की सड़क पर दो और क्रूड बम विस्फोट किए।

सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की आशंका

हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद, कोमिल्ला इकाई के महासचिव तपस बख्शी ने कहा कि यह हमला सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के उद्देश्य से किया गया हो सकता है। उन्होंने कहा, 'पुलिस ने घटनास्थल से एक कुल्हाड़ी और एक बैग सहित कुछ सबूत जब्त किए हैं। हम इस घटना की उचित जांच की मांग करते हैं।'

ऐसे ही एक श्यामलाल कृष्ण साहा ने भी कहा कि हमले का उद्देश्य सांप्रदायिक सद्भाव को बाधित करना था। उन्होंने कहा, 'इलाके में एक बौद्ध मंदिर, दो हिंदू मंदिर और एक मस्जिद है। ऐसा प्रतीत होता है कि विस्फोटों को इस स्थान को लक्षित करके अंजाम दिया गया है।'

रमजान में अल-अक्सा मस्जिद 8वें दिन भी बंद

ओआईसी की इजराइल को चेतावनी, बताया क्या होगा असर

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। इस्लामी सहयोग संगठन की तरफ से एक बयान जारी किया गया है। संगठन की तरफ से लगातार मस्जिदों को बंद करने पर आपत्ति जताई गई है। ओआईसी ने इजरायली कब्जे वाले अधिकारियों की तरफ से अल-अक्सा मस्जिद को लगातार बंद रखने की निंदा करने के साथ-साथ चेतावनी भी दी है। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के जनरल सेक्रेटेरिएट ने इजरायल के कब्जे वाले अधिकारियों ने रमजान के मौके पर अल-अक्सा मस्जिद को लगातार बंद रखने और लगातार आठवें दिन नमाजियों को वहां पहुंचने से रोकने की कड़ी निंदा की। संगठन की तरफ से कहा गया कि ये पवित्र स्थानों की पवित्रता और पूजा की स्वतंत्रता के अधिकार का खुला उल्लंघन और दुनिया में मुसलमानों की भावनाओं को भड़काना माना गया है। जनरल सेक्रेटेरिएट ने यह भी चेतावनी दी कि कब्जे वाले शहर यरुशलम और उसके पवित्र स्थलों के खिलाफ इजरायली कब्जे वाले अधिकारियों द्वारा किए गए इन व्यवस्थित उल्लंघनों और हमलों के जारी रहने से हिंसा और तनाव का चक्र बढ़ेगा और क्षेत्र अस्थिर होगा।

तेजी से गर्म हो रही दुनिया... 2030 तक टूट जाएगा 1.5 डिग्री सेल्सियस का रिकॉर्ड, वैज्ञानिकों ने चेताया

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। देश ही नहीं दुनियाभर में इस समय तापमान तेजी से बढ़ रहा है, जिन जगहों पर सालों पर तापमान सामान्य हुआ करता था। वहां भी आज सामान्य से कई डिग्री ज्यादा तापमान दर्ज किया जा रहा है। जो हर किसी के लिए चिंता का सबब बनता जा रहा है। हालिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि पृथ्वी का तापमान हर दशक में लगभग 0.35डिग्री सेल्सियस बढ़ा रहा है। इसकी वजह ग्लोबल वार्मिंग को माना जा रहा है। एक नई स्टडी के अनुसार, पिछले 10 सालों में पृथ्वी पहले की तुलना में ज्यादा तेजी से गर्म हुई है। वैज्ञानिकों ने लगभग 98% भरोसे के साथ यह निष्कर्ष निकाला है कि ग्लोबल वार्मिंग की रफ्तार बढ़ चुकी है। अब इसका असर भी सीधे तौर पर देखने को मिल रहा है।

जर्मनी के पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च (पीआईके) के अनुसार पिछले 10 सालों में पृथ्वी का तापमान हर दशक में लगभग 0.35डिग्री सेल्सियस बढ़ा है। जबकि 1970 से 2015 के बीच यह बढ़ोतरी औसतन 0.2डिग्री सेल्सियस प्रति दशक से थोड़ी कम थी। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद साफ हे कि तापमान पहले की तुलना में आज तेजी से बढ़ रहा है। इसके साथ ही आने वाले समय में यह और भी ज्यादा तेजी से बढ़ेगा। वैज्ञानिकों के अनुसार 1880 से तापमान रिकॉर्ड होने के बाद यह सबसे तेज़ वार्मिंग वाला दशक है।

पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च लंबे समय से तापमान पर रिसर्च कर रही है। इसकी कई टीमें आज भी काम में लगी हुई हैं। मौजूदा डेटा के मुताबिक 2023 से 2025 के बीच दुनिया का औसत तापमान प्री-इंडसट्रियल समय से 1.5डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा है। यह पहली बार हुआ है कि लगातार तीन साल तक तापमान इस सीमा से ऊपर रहा है।

वैज्ञानिकों ने अपनी जांच के आधार वार्मिंग बढ़ने के कई कारण बताए हैं। इनमें एल नीनो ज्वालामुखी विस्फोट, सूरज की गतिविधियों में बदलाव इन सबको हटाकर देखने पर भी पता चला कि मानव गतिविधियों के कारण तापमान बढ़ने की रफ्तार तेज हुई है। इस बात का अनुमान है कि साल 2030 तक 1.5डिग्री सेल्सियस की सीमा टूट सकती है।

ग्लोबल वार्मिंग हर किसी के लिए परेशानी का सबब बनता जा रहा है। स्टडी के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग को रोकने का सबसे बड़ा तरीका है। कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) उत्सर्जन को शून्य के करीब लाना, फॉसिल फ्यूल (कोयला, तेल, गैस) पर निर्भरता कम करना, रिन्यूएबल एनर्जी जैसे सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ाना इससे ही ग्लोबल वार्मिंग कम होगी। वैज्ञानिकों की चेतावनी है कि अगर तुरंत कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में जलवायु संकट और गंभीर हो सकता है।

मेयर ममदानी के घर पर हमले की कोशिश

ग्रेसी मेंशन के बाहर चले लाठी-डंडे, 'नेल बम' फेंकने के आरोप में 2 गिरफ्तार

न्यूयॉर्क, 8 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी के आधिकारिक आवास ग्रेसी मेंशन के बाहर कथित बम हमले की कोशिश के बाद पुलिस ने दो संदिग्धों को पकड़ लिया। एनवाईपीडी के मुताबिक बरामद डिवाइस काले टेप से लिपटा जार था, जिसमें नट-बोल्ट, स्क्रू और फ्यूज भी लगा था। घटना विरोधी समूहों के बीच झड़प के दौरान हुई, जिसमें कुल छह लोगों को हिरासत में लिया गया। मुख्य संदिग्धों के रूप में 18 वर्षीय अमीर बालत और 19 वर्षीय इब्राहिम निक की पहचान हुई है। यह घटना उस समय सामने आई जब इलाके में दो विरोधी समूहों के बीच टकराव बढ़ गया और स्थिति हिंसक हो गई।

सीसीटीवी में कैद घटना, वीडियो में क्या दिखा

फ्रीडमन्यूज के शेयर किए गए एक वीडियो में दिखा कि एक संदिग्ध ने बमनुमा चीज दूसरे व्यक्ति को सौंपा, जिसके तुरंत बाद पुलिस ने मौके पर कार्रवाई की। एनवाईपीडी के अनुसार, बरामद वस्तु एक कांच के

जार में काले टेप से लिपटा हुआ डिवाइस था, जिसमें नट, बोल्ट, स्क्रू और एक फ्यूज लगा हुआ था। पुलिस यह जांच रही है कि डिवाइस में क्या वाकई में कोई विस्फोटक था या नहीं।

विरोधी समूहों में भिड़ंत से भड़की हिंसा

पुलिस की इस कार्रवाई में कुल छह लोगों को हिरासत में लिया गया। यह तनाव उस समय बढ़ा जब राइट विंग से जुड़े सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जेक लैंग द्वारा आयोजित एक एंटी-इस्लाम प्रदर्शन का मुकाबला बड़ी संख्या में जुटे काउंटर-प्रोटेस्टर्स से हो गया। चूंकि यह घटना रमजान के महीने में हुई, इसलिए माहौल और संवेदनशील हो गया। इस झड़प के दौरान दो "संदिग्ध डिवाइस" को जलाकर फेंके जाने की घटनाएं भी सामने आईं।

'हवा में आग और धुआं था'

एनवाईपीडी कमिश्नर जेसिका एस। टिश ने बताया कि दोनों डिवाइस फुटबॉल से थोड़े छोटे आकार के थे और इन्हें फिलहाल जांच के लिए भेजा गया है।उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गवाहों ने आग की लपटें और धुआं देखा जब यह वस्तु हवा में उड़ती हुई पुलिस बैरियर से टकराई और कुछ फीट की दूरी पर खुद ही बुझ गई। पुलिस यह जांच करने में जुटी है कि क्या इन उपकरणों में कोई विस्फोटक तो नहीं था।

किस तरह भड़की हिंसा

रिपोर्ट के अनुसार, झड़प दोपहर के कुछ समय बाद शुरू हुई। पहले, एंटी-इस्लाम समूह के एक सदस्य ने काउंटर-प्रोटेस्टर्स पर पेपर स्प्रे किया। लगभग 20 मिनट बाद, 18 वर्षीय काउंटर-प्रोटेस्टर ने एक जलाया हुआ डिवाइस भीड़ की ओर फेंका, जो पास के क्रॉसवॉक पर गिरा। इसके बाद वही युवक अपने 19 वर्षीय साथी से दूसरा डिवाइस लेने गया और उसे भी जलाया, लेकिन पुलिस के पास आते ही वह सड़क पर गिरा दिया। दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया गया।

ममदानी और उनकी पत्नी सुरक्षित

घटना के बाद मेयर ममदानी और उनकी पत्नी सुरक्षित हैं। मेयर के प्रवक्ता ने जेक लैंग द्वारा आयोजित प्रदर्शन को "घृणित और इस्लामोफोबिक" बताया और कहा कि यह घटना उन खतरों की याद दिलाती है जिनका सामना मेयर और उनका परिवार अक्सर करता है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने भी स्थिति पर जानकारी ली और कहा कि राज्य में शांति पूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन नफरत या हिंसा के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति है। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि अभी तक इस घटना का किसी भी अंतरराष्ट्रीय संघर्ष से कोई संबंध नहीं पाया गया है।

चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू

चारधाम यात्रा 2026 के लिए ऑनलाइन पंजीकरण आज सुबह 7 बजे से शुरू हो गया है. यमुनोत्री-गंगोत्री के कपाट 19 अप्रैल, केदारनाथ के 22 और बदरीनाथ के 23 अप्रैल को खुलेंगे. ऑफलाइन पंजीकरण 17 अप्रैल से शुरू होगा. श्रद्धालु पर्यटन विभाग की वेबसाइट या ऐप के जरिए अपना स्लॉट बुक कर सकते हैं. उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा 2026 (Char Dham Yatra 2026) का शंखनाद हो गया है. देश-दुनिया के श्रद्धालुओं के लिए आज यानी शुक्रवार सुबह 7:00 बजे से पंजीकरण (Registration) को आधिकारिक तौर पर खोल दिया गया है. अगर आप भी बाबा केदार या बदरी विशाल के दर्शन की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है. इस साल यात्रा की शुरुआत अप्रैल के तीसरे सप्ताह से हो रही है. 19 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ यात्रा का आगाज होगा. 22 अप्रैल को बाबा केदारनाथ के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुलेंगे. 23 अप्रैल को भगवान बदरीनाथ धाम के कपाट खुलेंगे.

registrationandtouristcare.uk.gov.in पर जाकर अपना स्लॉट बुक कर सकते हैं. स्मार्टफोन यूजर्स 'Tourist Care Uttarakhand' ऐप डाउनलोड कर पंजीकरण कर सकते हैं।

जो लोग डिजिटल माध्यम का उपयोग नहीं कर सकते, उनके लिए 17 अप्रैल से ऋषिकेश, हरिद्वार और देहरादून में ऑफलाइन काउंटर शुरू किए जाएंगे.

किसी भी सहायता के लिए विभाग ने 0135-1364 हेल्पलाइन नंबर जारी किया है.

स्टेप बाय स्टेप कैसे रजिस्ट्रेशन करें?

स्टेप 1 (अकाउंट बनाएं): वेबसाइट के होमपेज पर 'Register/Login' पर क्लिक करें. अपना नाम, मोबाइल नंबर और ईमेल भरकर अकाउंट बनाएं. मोबाइल पर आए OTP से इसे वेरिफाई करें।

स्टेप 2 (टूर प्लान): लॉगिन करने के बाद 'Create/Manage Tour' पर जाएं. यहां तय करें कि आप अकेले जा रहे हैं या समूह में. यात्रा की तारीख और उत्तराखंड प्रवेश का स्थान (जैसे हरिद्वार) चुनें।

स्टेप 3 (धाम और तारीख का चयन): उन धामों को चुनें जहां आप जाना चाहते हैं. कैलेंडर में अपनी सुविधा अनुसार तारीख चुनें. यदि तारीख लाल दिख रही है, तो समझें कि उस दिन का कोटा फुल हो चुका है।

स्टेप 4 (दस्तावेज अपलोड): यात्री का नाम, उम्र, फोटो और सरकारी पहचान पत्र (आधार, वोटर आईडी आदि) की जानकारी भरें और स्कैन कॉपी अपलोड करें।

स्टेप 5 (सबमिट): सभी जानकारी जांचने के बाद 'Submit' करें. पंजीकरण सफल होने पर आपको कंफर्मेशन मैसेज और 'Yatra Registration Card' प्राप्त होगा।

संख्या सीमित करने के फैसले का विरोध

एक तरफ जहां पंजीकरण शुरू हो गया है, वहीं सरकार द्वारा दर्शनार्थियों की संख्या सीमित करने के फैसले का विरोध भी शुरू हो गया है. 'चारधाम होटल एसोसिएशन' ने इसे स्थानीय व्यापार के लिए नुकसानदेह बताया है. एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश मेहता ने चेतावनी दी है कि यदि शासन ने इस पर पुनर्विचार नहीं किया, तो मार्च के दूसरे पखवाड़े से आंदोलन किया जाएगा. हालांकि, सरकार का तर्क है कि हिमालयी क्षेत्र की सुरक्षा और व्यवस्था के लिए भीड़ को नियंत्रित करना अनिवार्य है।

निराश व्यक्ति को संत की सीख

कुछ समस्याओं को हल होने में समय लगता है

एक लोक कथा है। पुराने समय में किसी गांव में एक व्यक्ति जीवन की परेशानियों से बहुत निराश हो गया था। उसे लगता था कि उसकी जिंदगी में समस्याएं कभी खत्म ही नहीं होतीं। वह एक परेशानी हल करता, तभी दूसरी समस्या सामने आ जाती। धीरे-धीरे वह बहुत निराश रहने लगा।

एक दिन उसने सोचा कि गांव के प्रसिद्ध संत से मिलकर सलाह ली जाए। वह संत के पास गया और बोला कि गुरु जी, मैं बहुत परेशान हूं। मेरे जीवन में एक के बाद एक समस्याएं आती रहती हैं। कृपया ऐसा उपाय बताइए कि मेरी सारी परेशानियां खत्म हो जाएं और मेरा मन हमेशा शांत रहे। संत ने उसकी बात ध्यान से सुनी और बोले कि तुम्हारी समस्या का समाधान मैं तुम्हें कल बताऊंगा, लेकिन आज तुम्हें मेरा एक छोटा सा काम करना होगा।

व्यक्ति तुरंत तैयार हो गया। संत बोले कि आज रात तुम्हें मेरे ऊंटों का ध्यान रखना है। जब सारे ऊंट बैठ जाएं और सो जाएं, तब तुम भी सो जाना।

उस व्यक्ति ने सोचा कि यह तो बहुत आसान काम है। रात में वह ऊंटों की देखभाल करने लगा, लेकिन थोड़ी देर में उसे समझ आ गया कि काम इतना आसान नहीं है।

जब वह एक ऊंट को बैठाता, तभी दूसरा ऊंट खड़ा हो जाता। वह दूसरे को बैठाता तो तीसरा उठ खड़ा होता। पूरे झुंड के सारे ऊंट एक साथ बैठ ही नहीं रहे थे। इसी तरह ऊंटों को संभालते-संभालते पूरी रात निकल गई और उसे सोने का मौका ही नहीं मिला।

अगली सुबह वह थका हुआ संत के पास पहुंचा। संत ने मुस्कुराकर पूछा कि रात में नींद कैसी आई?

व्यक्ति बोला कि गुरु जी, मैं तो पूरी रात सो ही नहीं पाया। आपके ऊंटों ने मुझे बहुत परेशान किया। एक को बैठाता तो दूसरा खड़ा हो जाता। सारे ऊंट एक साथ बैठे ही नहीं।

संत ने शांत स्वर में कहा कि हमारे जीवन की समस्याएं भी इन ऊंटों की तरह ही होती हैं। जब हम एक समस्या हल करते हैं तो दूसरी खड़ी हो जाती है। जीवन में परेशानियां हमेशा आती-जाती रहती हैं।

संत की बातें सुनकर व्यक्ति ने फिर पूछा कि तो फिर हमें क्या करना चाहिए?

संत बोले कि जैसे कुछ ऊंट अपने आप बैठ गए थे, वैसे ही जीवन की कुछ समस्याएं समय के साथ खुद ही खत्म हो जाती हैं। कुछ समस्याओं को हम अपनी कोशिश से हल कर लेते हैं और कुछ ऐसी भी होती हैं जो तुरंत हल नहीं होतीं। ऐसे समय में धैर्य रखना चाहिए और जीवन का आनंद लेना नहीं छोड़ना चाहिए।

निराश व्यक्ति को उस दिन जीवन का एक बड़ा सबक मिल गया। इसके बाद वह व्यक्ति हमेशा प्रसन्न रहने लगा।

प्रसंग की सीख

यह कहानी हमें जीवन को समझने का एक सरल तरीका सिखाती है। समस्याओं से भागने के बजाय हमें उन्हें सही नजरिए से देखना चाहिए।

समस्याओं को जीवन का हिस्सा मानें

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि जीवन में समस्याएं आना बिल्कुल सामान्य बात है। ऐसा कोई इंसान नहीं है जिसकी जिंदगी पूरी तरह परेशानी से मुक्त हो। जब हम यह बात स्वीकार कर लेते हैं तो तनाव थोड़ा कम हो जाता है।

हर समस्या तुरंत हल नहीं होती

कई बार हम चाहते हैं कि हमारी हर परेशानी तुरंत खत्म हो जाए, लेकिन वास्तविकता यह है कि कुछ समस्याओं को समय लगता है। इसलिए हर समस्या का तुरंत समाधान न मिलने पर घबराना नहीं चाहिए।

जो आपके नियंत्रण में है, वही करें

जीवन में कुछ चीजें हमारे हाथ में होती हैं और कुछ नहीं। हमें अपनी ऊर्जा उन समस्याओं पर लगानी चाहिए, जिन्हें हम वास्तव में हल कर सकते हैं। जो चीजें हमारे नियंत्रण से बाहर हैं, उन्हें लेकर लगातार चिंता करने का कोई फायदा नहीं होता।

धैर्य रखना सीखें

धैर्य जीवन की सबसे महत्वपूर्ण ताकतों में से एक है। कई समस्याएं समय के साथ अपने आप हल हो जाती हैं। इसलिए मुश्किल समय में जल्दबाजी या निराशा से बचना चाहिए।

हर परिस्थिति में सकारात्मक सोच रखें

नकारात्मक सोच समस्या को और बड़ा बना देती है। अगर हम सकारात्मक सोच रखते हैं तो हमें समाधान ढूंढने की ताकत मिलती है। सकारात्मक सोच से मन भी शांत रहता है।

छोटी-छोटी खुशियों का आनंद लें

बहुत लोग अपनी समस्याओं में इतने उलझ जाते हैं कि जीवन की छोटी खुशियों को भूल जाते हैं। परिवार के साथ समय बिताना, दोस्तों से बात करना, प्रकृति में घूमना - ये सब चीजें मन को हल्का करती हैं।

खुद पर भरोसा रखें- जीवन में कई कठिन परिस्थितियां आती हैं, लेकिन हमें खुद पर विश्वास रखना चाहिए कि हम उन्हें संभाल सकते हैं। आत्मविश्वास हमें हर मुश्किल का सामना करने की ताकत देता है।

कब तक रहती है गुरु की महादशा

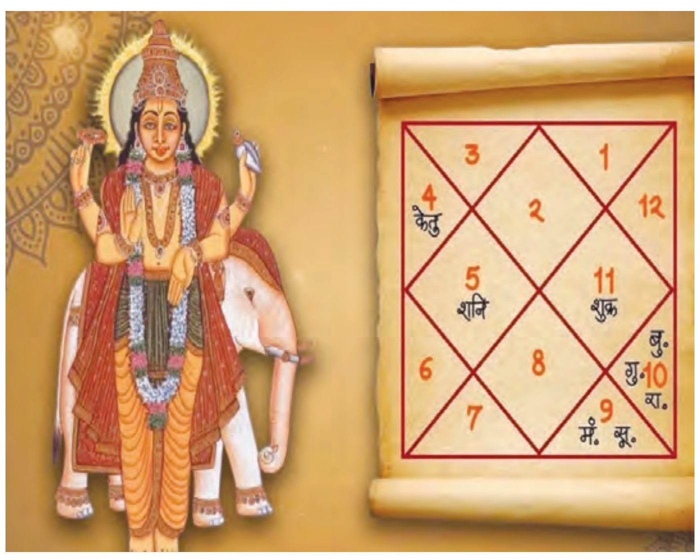

धार्मिक मान्यता है कि गुरुवार के दिन बृहस्पति देव की पूजा करने से जीवन की सारी परेशानियां दूर हो जाती हैं. पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुंडली में गुरु की महादशा कितने सालों तक चलती है? अगर नहीं तो आइए इस बारे में जानते हैं।

सनातन धर्म में जिस तरह से हर दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित किया गया है, उसी तरह से हर दिन किसी न किसी ग्रह का भी माना जाता है. गुरुवार का दिन जगत के पालनहार भगवान श्री हरि विष्णु और देवताओं के गुरु और नौ ग्रहों में महत्वपूर्ण बृहस्पति देव को समर्पित किया गया है. गुरुवार के दिन भगवान विष्णु का व्रत और पूजन किया जाता है. इससे जीवन में खुशहाली आती है।

गुरु की महादशा 16 साल तक चलती है

ज्योतिषियों के अनुसार, गुरु की महादशा 16 साल तक चलती है. इस दौरान सभी शुभ और अशुभ ग्रहों की अंतर्दशा भी चलती है. इनमें सबसे पहली होती है गुरु की अंतर्दशा, जिसकी समय अवधि दो साल होती है. इसके बाद शनि की अंतर्दशा चलती है. गुरु की महादशा के दौरान शुभ ग्रहों की अंतर्दशा से शुभ फल मिलते हैं. वहीं, राहु या केतु की अंतर्दशा में शुभ कामों में असफलता मिलती है. राहु और केतु के साथ गुरु रहते हैं, तो चांडाल दोष बनता है।

गुरु को इस तरह करें प्रसन्न

बृहस्पति देव को प्रसन्न करने के लिए गुरुवार को भक्ति भाव से भगवान विष्णु और देवगुरु बृहस्पति की पूजा करें. पीले रंग के कपड़े पहनें. पीले रंग की चीजों जैसे- पीले रंग के कपड़े, पीले फल, चना, केला, पपीता आदि चीजों का दान करें. लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करें. पूजा के समय केसर मिश्रित दूध से भगवान विष्णु का अभिषेक करें. सूर्य देव को अर्घ्य दें. केले के पौधे को हल्दी मिश्रित जल का अर्घ्य दें. इन सभी उपायों को करने से गुरु प्रसन्न होते हैं।

इस दिन बृहस्पति देव की भी विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की जाती है. धार्मिक मान्यता है कि गुरुवार के दिन बृहस्पति देव की पूजा करने से जीवन की सारी परेशानियां दूर हो जाती हैं. पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुंडली में गुरु की महादशा कितने सालों तक चलती है? अगर नहीं तो आइए इस बारे में जानते हैं. साथ ही जानते हैं कि गुरुवार के दिन बृहस्पति देव को कैसे प्रसन्न करें?

भैंस रूपी राक्षस महिषासुर ने कैसे किया स्वर्ग पर अधिकार?

साल में चार बार नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है. इसमें चैत्र और शारदीय नवरात्रि प्रमुख हैं. चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व हर साल चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होता है. इस साल चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से शुरु होगी और 27 मार्च को राम नवमी के पर्व के साथ इसका समापन हो जाएगा. चैत्र नवरात्रि में माता दुर्गा के नौ रूपों का विधि-विधान से पूजन किया जाता है।

नवरात्रि के नौ दिन बड़े ही पावन और विशेष माने जाते हैं. इस दौरान देश भर के मंदिरों में माता के दरबार में भक्त दर्शन के लिए जाते हैं. नौ दिनों का व्रत रखते हैं और भक्ति भाव से माता की आरधाना करते हैं. व्रत और पूजन से प्रसन्न होकर माता दुर्गा अपने भक्तों के सभी दुख हर लेती हैं. नवरात्रि में पूजा के समय कथा का पाठ अवश्य किया जाता है. आज हम आपको माता दुर्गा और महिषासुर की कथा बताने जा रहे हैं।

महिषासुर था आधा मनुष्य और आधा भैंस

महिषासुर के जन्म की कथा देवी भागवत पुराण, मार्कण्डेय पुराण और दुर्गा सप्तशती (चण्डी पाठ) में वर्णित है. महिषासुर भैंस और दानव के मिलन से पैदा हुआ था. महिषासुर का सिर भैंस का था. वो कई रूप परिवर्तित कर सकता था. कथा के अनुसार, महिषासुर रम्भ नामक एक शक्तिशाली असुर और महिषी (भैंस रूपी राक्षसी) के मिलन से पैदा हुआ था. यही कारण था कि महिषासुर आधा मनुष्य और आधा भैंस था।

महिषासुर बहुत शक्तिशाली असुर था. उसको ब्रह्मा जी से वरदान मिला था कि किसी भी देवता या पुरुष द्वारा उसकी मृत्यु नहीं हो सकती. यह वरदान पाकर वह घमंडी और अत्याचारी हो गया.दैत्यराज महिषासुर ने तो देवताओं को पराजित करके स्वर्ग पर अधिकार भी कर लिया था. उसके आंतक से तीनों लोकों में हाहाकार मच गया था. देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ा।

ऐसे हुआ मां दुर्गा का अवतरण

देवताओं को जब कोई उपाय नहीं सूझा, तो वे ब्रह्मा, विष्णु और महेश के पास पहुंचे. फिर भगवान विष्णु और शिव के अत्यधिक क्रोध से एक महान तेज प्रकट हुआ. अन्य देवताओं के शरीर से भी एक तेजोमय शक्ति निकलकर उसी तेज में जा मिली. देवताओं की शक्ति और तेज से ही मां दुर्गा का अवतरण हुआ. वो संपूर्ण स्त्री शक्ति का प्रतीक थीं. भगवान शिव ने मां दुर्गा को त्रिशूल दिया. भगवान विष्णु ने माता को चक्र प्रदान किया. इसी प्रकार, सभी देवी-देवताओं ने अनेक प्रकार के अस्त्र-शस्त्र माता को दिए. अंत में माता दुर्गा महिषासुर से युद्ध के लिए गईं. चैत्र के महीने में प्रतिपदा तिथि से दोनों के बीच भीषण युद्ध शुरू हुआ. ये युद्ध नौ दिनों तक चला. दसवें दिन माता ने महिषासुर का वध कर दिया. इसके बाद से ही वो महिषासुर मर्दिनी कहीं जाने लगीं. वहीं इन दिनों को चैत्र नवरात्रि के रूप में मनाया जाने लगा।

विक्रम संवत कितना अलग है सन से? किस राजा के पराक्रम की है निशानी

हर धर्म का अपना एक कैलेंडर है. हिंदू धर्म का कैलेंडर विक्रम संवत है. ये एक प्रचलित हिंदी पंचांग है. हर साल चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से हिंदू नववर्ष शुरू होता और तभी विक्रम संवत बदलता है. अभी विक्रम संवत 2082 चल रहा है. चैत्र माह की शुरुआत हो चुकी है. इस माह में हिंदू नववर्ष 19 मार्च से शुरू होगा. इसी के साथ विक्रम संवत 2083 की शुरुआत हो जाएगी।

हिंदू धर्म में जितने भी व्रत और त्योहार मनाए जाते हैं वो विक्रम संवत को ही देखकर मनाए जाते हैं. विक्रम संवत के बारे में कहा जाता है कि ये कैलेंडर अंग्रेजी के कैलेंडर से 57 साल आगे चल रहा है. एक पराक्रमी राजा से विक्रम संवत की कहानी जोड़ी जाती है. ऐसे में आइए जानते हैं विक्रम संवत अंग्रेजी कैलेंडर से कितना अलग है? साथ ही जानते हैं कि किस राजा ने विक्रम संवत की शुरुआत की थी? अंग्रेजी कैलेंडर और पंचांग एक दूसरे कितना अलग

अंग्रेजी कैलेंडर

अंग्रेजी कैलेंडर की तरह विक्रम संवत में भी 12 महीने होते हैं. अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार, अभी सन या कहें कि साल 2026 चल रहा है।

इस कैलेंडर का आधार पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा होती है. इसे सन 1582 में पोप ग्रेगरी XIII ने शुरू किया था।

ये कैलेंडर 400 वर्षों के चक्र में चलता है. इस कैलेंडर में नए साल की शुरुआत जनवरी माह से होती है।

विक्रम संवत

विक्रम संवत एक पारंपरिक भारतीय कैलेंडर है. इसमें समय की गणना का आधार तिथि, वार (दिन), नक्षत्र, योग और करण (पांच अंग) हैं। यह चंद्र गणना पर आधारित है. इसमें माह कृष्ण और शुक्ल पक्ष में बंटा हुआ होता है।

इसकी शुरुआत हर साल चैत्र माह की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है।

राजा विक्रमादित्य के पराक्रम की है निशानी

राजा विक्रमादित्य बहुत ही न्यायप्रिय राजा थे. वो अपने प्रजा के हितों को ध्यान में रखकर काम किया करते थे. उन्होंने शकों के अत्याचार से कई राज्यों को मुक्त कराया था और अपना शासन कायम किया था. इसी विजय की याद के रूप में राजा विक्रमादित्य ने विक्रम संवत पंचांग बनवाया. विक्रम संवत का आधार वो दिन है, जब सम्राट ने शकों को हराया. साथ ही उज्जैन पर आक्रमण किया और एक नए युग का आह्वान किया. विक्रम संवत का आरंभ 57 ईस्वी पूर्व हुआ था. इसलिए ये अंग्रेजी कैलेंडर के वर्ष से 57 वर्ष आगे चलता है।

अपने रास्ते ठीक से चलें किसी का रास्ता क्यों रोकें

राजा और साधु में विवाद के कई प्रसंग शास्त्रों में आए हैं। जो सांसारिक दृष्टि से सफल हो और निजी दृष्टि से संतुष्ट- वो साधु है। हमारे यहां तीन लोगों को महाराज कहा जाता है। साधु, राजा और रसोई बनाने वाले को और ये तीनों ही जीवन में बड़े महत्वपूर्ण हैं।

संसार जब साधु और राजा को उलझते देखता है, तो चिंतित हो जाता है। साधु और राजा जब भी विवाद करेंगे, साधु का वर्तमान बिगड़ेगा और राजा का भविष्य। एक कथा आती है कि वशिष्ठ के पुत्र शक्ति एक बार पुल पार कर रहे थे और वहां से एक राजा आ रहे थे कलमाशपदा। दोनों इस पर उलझ गए कि पीछे कौन हटेगा, क्योंकि पुल संकरा था और कोई एक ही गुजर सकता है। राजा को पद का अहंकार था, साधु को तप का। साधु ने राजा को राक्षस होने का शाप दिया। राजा राक्षस हुआ और साधु को खा गया। दोनों खत्म हो गए। कहानी यह समझा गई कि अपने-अपने रास्ते ठीक से चलो, क्यों किसी का रास्ता रोकते हो? साधु का अपना मार्ग है, राजा का अपना राजपथ है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 9 मार्च - 2026

बच्चों में सोशल मीडिया का खतरा

डिजिटल युग में सोशल मीडिया बच्चों और किशोरों के जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। मनोरंजन, जानकारी और संवाद के साधन के रूप में इसकी उपयोगिता से इनकार करना संभव नहीं है, लेकिन इसका बढ़ता दुष्प्रभाव भी अब गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। इसी को ध्यान में रखते हुए कर्नाटक सरकार ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध का प्रस्ताव रखा है। वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने घोषणा की है कि 90 दिनों के भीतर 13 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाई जाएगी। यह कदम इस चिंता को दर्शाता है कि सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग बच्चों के मानसिक विकास को प्रभावित कर रहा है। भारत आज सबसे बड़ी इंटरनेट उपभोक्ता वाला वाला देश बन चुका है। देश में 96 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं और इनमें से बड़ी संख्या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय है। सस्ते इंटरनेट और स्मार्टफोन की बढ़ती उपलब्धता ने डिजिटल दुनिया को घर-घर तक पहुंचा दिया है। लेकिन यह सुविधा ही अब समस्या बनती जा रही है। जब छोटे-छोटे बच्चे घंटों मोबाइल स्क्रीन पर बिताने लगते हैं, तो चिंता स्वाभाविक है कि इसका असर उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। अध्ययन के अनुसार भारत में लगभग एक चौथाई बच्चे इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जिनमें 5 वर्ष तक के बच्चे भी शामिल हैं। 2021 की एक स्टडी के अनुसार, 10 वर्ष के लगभग 37 प्रतिशत बच्चों के फेसबुक और 24 प्रतिशत के इंस्टाग्राम अकाउंट हैं। 2023 के एक सर्वे में 66 प्रतिशत माता-पिता ने माना कि उनके बच्चों को सोशल मीडिया की लत लग चुकी है। लगभग 46 प्रतिशत बच्चे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तीन से छह घंटे बिताते हैं, जबकि 15 प्रतिशत से अधिक बच्चे प्रतिदिन छह घंटे से भी अधिक मोबाइल देखते हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि समस्या तकनीक की नहीं, उसके अनियंत्रित उपयोग की है। सोशल मीडिया बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। ऑनलाइन दुनिया में होने वाली तुलना, ट्रोलिंग और बॉडी शेमिंग जैसी घटनाएं बच्चों में अवसाद, चिंता और आत्मविश्वास की कमी पैदा कर सकती हैं। इसके अलावा अत्यधिक स्क्रीन टाइम से नींद की समस्या, ध्यान की कमी और व्यवहारिक बदलाव भी देखने को मिलते हैं। बच्चों में आक्रामकता और हिंसक प्रवृत्तियां भी देखी गई हैं। ऐसे में सवाल स्वाभाविक है कि क्या सोशल मीडिया पर आयु आधारित प्रतिबंध बच्चों की सुरक्षा का प्रभावी तरीका हो सकता है। दुनिया के कई देशों ने इस दिशा में कदम उठाए हैं। ऑस्ट्रेलिया उन देशों में शामिल है जिसने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर सख्त पाबंदी लगाई है। इंडोनेशिया ने भी इसी तरह की घोषणा की है। दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, फ्रांस और स्पेन जैसे देशों में भी बच्चों के स्क्रीन टाइम को सीमित करने के लिए अलग-अलग नीतियां अपनाई हैं। भारत में भी इसी तरह की पहल बच्चों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। केवल प्रतिबंध ही काम नहीं चलेगा। तकनीक आज की वास्तविकता है और बच्चों को इससे पूरी तरह दूर रखना व्यावहारिक नहीं है। इसके बजाय जरूरत इस बात की है कि डिजिटल शिक्षा, जागरूकता और अभिभावकीय निगरानी को मजबूत किया जाए। स्कूलों और परिवारों को मिलकर बच्चों को जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार सिखाना होगा। सोशल मीडिया कंपनियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे बच्चों की सुरक्षा के लिए कड़े नियम और प्रभावी निगरानी तंत्र लागू करें।

डब्ल्यूटीओ की रावण-कथा से बाहर होना जरूरी

रघु ठाकुर

अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर देश के एक बड़े हिस्से में संदेह का वातावरण है। किसानों के मन में भी संदेह है। एक तो अभी तक इस ट्रेड डील की सारी शर्तें नहीं बताई गई हैं। अमरीकी रारुट्रपति ट्रंप या अमेरिका जब चाहे तब अपने मन से नई जानकारी मीडिया को देते हैं। भारत सरकार उनके बारे में ना कोई स्परुट खुलासा करती है न खंडन करती है। वाणिज्य मंत्री जो गोल-मोल जवाब देते हैं वह और भी संदेह पैदा करता है। वह कहते हैं कि समझौते होते हैं तो उनमें लेनदेन होता है। यह सही है। परंतु जो लेनदेन की शर्तें होती वह छिपाई नहीं जातीं। उनमें स्परुटता होनी चाहिए। इस ट्रेड डील में कुछ खाद्यान्न के नाम लिए गए गेहूं चावल आदि। परंतु साथ में श्अन्य्य भी जोड़ा गया है। यह श्अन्य्य संदिग्ध और व्यापक है। इस श्अन्य्य की व्याख्या कब और कौन करेगा, यह क्यों लिखा गया है ,ऐसे प्रश्न हैं जिनका उत्तर देश मांग रहा है। परंतु प्रधानमंत्री जी से लेकर पूरी सरकार मौन है। यहां तक की संसद में भी इस श्अन्य्य का खुलासा नहीं किया गया। मैं तो लगातार 1995 से यह कह रहा हूं कि विश्व व्यापार संगठन समझौता नई आर्थिक गुलामी का दस्तावेज है। आर्थिक गुलामी में राजनीतिक गुलामी भी शामिल होती है। आर्थिक शक्ति के बगैर न सामरिक शक्ति होती है न राजनीतिक। 20वीं सदी में साम्राज्यवाद का जो स्वरूप था वह अब बदल रहा है, बल्कि बदल चुका है। 19वीं सदी तक ताकतवर राजा या देश कमजोर देश के राजाओं को परास्त कर कैंजा करते थे। गुलाम बनाते थे। मुगल हमलावर आए तो उन्होंने भारत को जीत कर अपना साम्राज्य बनाया। अंग्रेजों ने उन्हें हराकर अपना। 20वीं सदी में साम्राज्यवाद का चेहरा बदला। बाहर से आकर शासन करने के बजाय अपने किसी पिठ्ठू को सत्ता में बिठाकर देशों के शोरुण का काम किया गया। 19वीं और 20वीं सदी के आरंभ तक दुनिया दो ध्रुवों या महाशक्तियों में बंटी थी। साम्यवादी कम्युनिस्ट और पूंजीवादी अमेरिका। अफगानिस्तान में रुसी प्रभाव का रारुट्रपति था। उसके बाद अमेरिका की मदद और कट्टरता को हथियार बनाकर तालिबानों ने सत्ता हथिया ली। ईरान में शाह की अमेरिका परस्त सरकार थी। रूस ने विरोधी शक्तियों को मदद कर खमेनी की संप्रभुता वाला कट्टरपंथी शासन स्थापित कराया। शाह को हटाया। यह पिटठू के द्वारा सत्ता परिवर्तन का खेल और पिटठू सरकार बनाने का खेल जारी है। परंतु यह कुछ सीमित भी हुआ है। जहां आर्थिक और सुरक्षा दोनों मुद्दे मिल जाते हैं वहां ताकतवर देश की विरोधी सरकार को हटाकर पिठ्ठू सरकार बनाई जाती है। ईरान , अमेरिका और रूस दोनों के लिए अपने-अपने तरीके से आर्थिक और सामरिक नियंत्रण की आवश्यकता है। इस प्रकार अफगानिस्तान जिओ-पोलिटिकल राजनीति और आर्थिक सामाजिक सुरक्षा के लिए रूस अमेरिका दोनों की आवश्यकता है। अमेरिका रूस दोनों के नकाब भले अलग हों परंतु उनके मूल चरित्र में कोई अंतर नहीं है। अमेरिका ने कट्टरपंथी तालिबान को मदद कर अफगानिस्तान के रूस समर्थक रारुट्रपति को हटाया था जो इस्लामिक देश के मुखिया थे। बदले में रूस ने ईरान के शाह को खुमेनी (खामेनेई) के इस्लामी कटरपंथ के सहारे हटाया जहां शाह पूंजीवादी उदार थे और खुमेनी (खामनई) शासन कट्टरपंथी। कुल मिलाकर अमेरिका या रूस दोनों के लिए न उदारवाद की दरकार है, न लोकतंत्र की। बल्कि इन्हें अपने पिठ्ठू शासकों की दरकार होती है।

विदेशी शासक या पिठ्ठू शासन के प्रति जन विद्रोह या जन-आक्रोश की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए अमेरिका की पहल पर विश्व व्यापार संगठन का दस्तावेज आर्थर डंकल ने तैयार किया। पहले इसे डंकल प्रस्ताव कहा गया। अब वह बाकायदा विश्व व्यापार संगठन का एक स्वीद्धत मसौदा है जो विश्व व्यापार के नाम पर दुनिया के बड़े हिस्से की आर्थिक नीतियों को नियंत्रित कर अपने हित में रखना चाहता है। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किसिंगर ने तो साफ कहा था श्डब्ल्यूटीओ इज नथिंग, बट द सुप्रीमेसी ऑफ अमेरिका्य। उनका यह साहसिक बयान था और कटु सत्य भी। स्वर्गीय राजीव गांधी की हत्या के बाद कॉर्पोरेट के प्रबंधन ने और कांग्रेस की अंतरू राजनीतिक समीकरणों ने स्व. नरसिंह राव को प्रधानमंत्री बनाने और स्व. मनमोहन सिंह को विश्व बैंक से लाकर भारत का वित्त मंत्री बनाने में छिपी भूमिका अदा की थी, यह एक अघोरुित तथ्य है। 1996 में नरसिंह राव के हटने के बाद जब 2004 में कांग्रेस पार्टी को बहुमत की मिलीजुली सरकार बनाने का अवसर मिला तब बाकायदा मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाने की भूमिका तैयार की गई जिनकी पृरुठभूमि और मानसिक विचार पूंजीवादी संस्था विश्व बैंक के थे। वे लोकसभा के सदस्य भी नहीं थे। अपने जीवन में 10 साल राज्यसभा के मेंबर रहते हुए प्रधानमंत्री रहे। इस तथाकथित एलपीजी अर्थव्यवस्था यानी लिबरलाइजेशन- प्राइवेटाइजेशन-ग्लोबलाइजेशन की आधारशिला विश्व-व्यापार संगठन समझौते के माध्यम से नरसिंह राव के जमाने में रखी गई थी। उसका पूर्णरूप मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के बाद सामने आया। 2014 में वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री का चेहरा बनाकर आगे किया गया। यह फैसला भले ही संघ या भाजपा द्वारा किया गया हो पर पटकथा दुनिया के कारपोरेट जगत द्वारा लिखी गई। इसलिए श्री नरेंद्र मोदी के कॉर्पोरेट व वैश्विक पूंजीवाद का समर्थन करने वाली नीतियां व काम गलत, अनुचित, रारुट्रीय हितों के विरोधी तो लगते हैं परंतु आश्चर्यजनक नहीं। वे तो अपने आर्थिक आकाओं के कामों को पूरा करने वाले मुनीम मात्र हैं। जिनके पैसे से 2014 में चुनाव जीते थे। यह स्थिति भी कोई नई नहीं है। बल्कि स्व.अटल बिहारी वाजपेयी ने तो प्रधानमंत्री बनने के बाद सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था कि हम विश्व व्यापार संगठन के समझौता दस्तावेज को लागू करने को बाध्य हैं व संसद भी वाध्य है। मैं लगातार लोगों को बताता रहा हूं कि आने वाले भविरुय में दुनिया की कॉर्पोरेट आर्थिक शक्ति वाले देशों के दुनिया को लूटने के चार महत्वपूर्ण माध्यम हैं। पहला-हथियार और यह स्थापित तथ्य है कि अभी तक हथियारों पर दुनिया के ताकतवर देश या अमेरिका का लगभग एकाधिकार है। दूसरा-दवा बाजार जो शोरुण और लूट का बड़ा और स्थायी बाजार है। इस पर अमेरिका और अन्य संपन्न देशों का एकाधिकार है। मुझे याद है जब नेल्सन मंडेला दक्षिण अफ्रीका के रारुट्रपति थे तब उन्होंने दुनिया के संपन्न दवा बाजार के नियंत्रकों से अपील की थी कि अफ्रीकी समुदाय को एड्स की बीमारी से बचाने के लिए मदद करें, क्योंकि मात्र दस हजार रुपए में बनने वाली दवा पेटेंट कानून के कारण एड्स पीड़ित देश न बना सकते न खरीद सकते थे। एड्स के एक किट का दाम उस समय पन्द्रह लाख रूपए था। तीसरा-बात यह कि दुनिया को लूटने और नियंत्रित करने का हथियार तेल और खनिज हैं। दुनिया के तेल व्यापार को लगभग 80 -90 वर्रुाों से अमेरिका अमेरिकी डॉलर के माध्यम से अपने नियंत्रण में रखे हुए है। अगर किसी ने इसके खिलाफ खड़े होने का प्रयास किया तो उसे सद्दाम हुसैन बनाकर खत्म कर दिया गया या किया जायेगा। दुनिया को स्थाई रूप से लूटने व अपनी संप्रभुता बनाए रखने के लिए। चौथा-महत्वपूर्ण चीज खाद्यान्न है। दुनिया की आबादी जिस प्रकार बढ़ रही है ,उसकी खाद्यान्न जरूरतें जिस प्रकार बढ़ रही है वे बढ़ती ही जाएंगी।

आधी आबादी सशक्त होगी, तभी राष्ट्र पूर्ण होगा

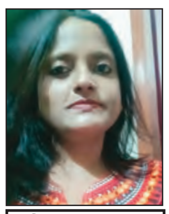

अम्बिका कुशवाहा अम्बी

लेकिन फिर भी सदियों से संसार की स्त्रियां उपेक्षित रही है। यह दोहरी प्रवृति हमारे समाज की सबसे बड़ी विडंबना है, जो आज के वैज्ञानिक युग में भी व्याप्त है। एक ओर जहां हमारे देश में स्त्रियों को मौखिक रूप से देवी का स्थान दिया गया है, वही पितृसत्तात्मक व्यवस्था ने आज भी स्त्रियों को बंधनों से जकड़े रखा। इसके पूर्व ही सती प्रथा, बाल विवाह और कन्या भ्रूण हत्या जैसी अनेकों कुरीतियों द्वारा शोषण किया गया और आज भी देश में शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में महिलाएं पिछड़ी हुई हैं, और महिलाओं के साथ बलात्कार एवं हिंसा की खबरें तो रोज की बात हो गई है। वर्तमान आंकड़े इस कड़वी हकीकत को और स्पष्ट करते हैं। वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट 2025 के अनुसार भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है, शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति होने के साथ महिलाओं की साक्षरता दर बढ़ी है और उच्च शिक्षा में नामांकन लगभग 46% तक पहुंच गया है, लेकिन परिवार और देश की अर्थव्यवस्था में भागीदारी काफी कमजोर है। महिला श्रम बल भागीदारी दर थोड़ा बढ़ा, परंतु पुरुषों की तुलना में अभी भी बहुत ज्यादा कमजोर है। महिलाएं घरेलू कामों में अधिक समय बिताती हैं, जिससे उनकी वेतन वाली नौकरियों में भागीदारी सीमित रहती है।

देश में महिलाओं के साथ उत्पीड़न एवं हिंसा अधिक चिंता का विषय है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार महिलाओं के खिलाफ अपराधों में निरंतर वृद्धि हो रही है। कार्यस्थल पर उत्पीड़न, साइबर क्राइम और घरेलू हिंसा आज भी लाखों महिलाओं की आजादी छीन रही है।

अक्सर सुनने को मिलता है महिलाओ को नौकरी में आरक्षण मिला, यात्रा में भी सुविधा मिली, शिक्षा में साइकिल एवं पोशाक की सुविधा मिल तो गई, अब और कितनी बराबरी चाहिए? यह तंज करने से पहले चिंतन करने की आवश्यकता है कि, क्या ये सुविधाएं और आरक्षण ने महिलाओं को परिवारिक - सामाजिक स्तर पर पुरुषों के बराबर अधिकार और स्वतंत्रता दे रही है? अगर लैंगिक बराबरी मिल रही है, तब देश में ही असुरक्षित कैसे है? ना आजादी से कही आ-जा सकती, ना आजादी से पढ़ लिख सकती, ना आजादी से कमा सकती और ना ही आजादी से जी सकती है। आजकल एक और तंज कसे जा रहे है कि 'स्त्रियों को थोड़ी आजादी क्या मिली संस्कारहीन बनती जा रही है।' इस तंज पर एक सवाल की 'क्या संस्कारहीन होने के पैमाने एवं जेंडर निर्धारित होता है?' सदियों से नशे की लत, जुआ, झूठ, धोखा, हिंसा, व्यभिचार जैसी आदतें पुरुषों में भी रही हैं, लेकिन उन्हें 'संस्कारहीन' कहकर समाज ने कभी इतना तीखा तंज नहीं कसा जितना आज एक लड़की को खुलकर बोलने, देर रात बाहर रहने, करियर चुनने या अपनी पसंद की शादी करने पर कसता है। यह दोहरा मापदंड संस्कार को परिभाषित नहीं करता है।

संस्कार असल में नैतिकता, ईमानदारी, सम्मान, जिम्मेदारी और मानवता का नाम है, जो नैतिकता और मर्यादा की सीमा से घिरी है। महिलाओं की बढ़ती आजादी ने समाज को संस्कारहीन नहीं बनाया, बल्कि हिंसा और असमानता को कम करने की कोशिश की है। बाकी अपवाद यहां भी मौजूद है, जहां कुछ स्त्रियां अपनी आज़ादी और कानूनों का दुरुपयोग कर रही है, जैसे- नशे की लत में पड़ना, परिवार की जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ना या अनैतिक रिश्तों में उलझना। लेकिन ये अपवाद समस्त स्त्री प्रजाति को परिभाषित नहीं करते है। पुरुष की महत्वाकांक्षा को प्रगति कहना और महिलाओं की महत्वाकांक्षा को संस्कारहीन बन रहीं₹ कहकर स्त्रियों पर नियंत्रण रखने की साजिश मात्र है।देश का प्रत्येक बच्चा चाहे वो किसी भी जाति, धर्म या समुदाय का हो, लड़का हो या लड़की हो समता का अधिकार, शिक्षा का अधिकार और एक समान स्वतंत्रता और परवरिश का हकदार है। लेकिन आधुनिक युग में भी, यह दुर्भाग्यपूर्ण है की यहां जन्म से पूर्व ही लड़का लड़की में भेदभाव शुरू हो जाता है।बच्चों के जन्म के साथ ही लड़का - लड़की में भेदभाव वाला अलग-अलग प्रशिक्षण शुरू हो जाता है। लड़कियों को लड़को की तुलना में कम स्वतंत्रता और अधिकार मिलते है। लड़कियों को जहां घर संभालने और रसोई के काम में लगाया जाता है और उनके खेलने की चीजें घरों के अंदर गुड्डे-गुड़ियां होती है वही लड़के को घर से बाहर शारीरिक गतिविधियों वाले खेलो और सामाजिक वातावरण में रहने की छूट होती है। इस तरह लड़के शारीरिक- मानसिक रूप से मजबूत बनते जाते है जबकि लड़कियां भावनात्मक और शारीरिक रूप से कमजोर बनती चली जाती है।

लड़कियों पर अनेक बंदिशे होती है जिसका असर उनकी पढ़ाई ,कैरियर,सामाजिक अवस्था पर पड़ता है। सिर्फ महिला सशक्तिकरण की नीतियों और योजनाएं लागू करने से महिलाओं पर शोषण, अत्याचार और भेदभाव बंद नही होगा बल्कि इसके लिए जरुरी है, महिलाओं को मजबूत बनाने वाले योजनाओं के साथ समाज के लोगो के बीच लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता, लड़का - लड़की में भेद मिटाने के लिए प्रोत्साहना, स्कूल कॉलेज स्तर पर लैंगिक समानता का सिलेबस, सह-शिक्षा को बढ़ावा देना, स्त्री विरोधी विज्ञापनों पर रोक, टीवी सीरियल, फिल्मों और रंगमंचों पर महिलाओं की प्रेरणादायक मजबूत छवि यानी सुपर वूमेन की तरह दिखाना।

अपने बच्चो खासकर लड़को को 'लड़कियों उनके जैसी ही है' की सम्मान करने की शिक्षा देना, राज्य स्तर पर लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता का कार्यक्रम। सोशल मीडिया हो या बाहरी वातावरण महिला विरोधी शब्दो और प्रवचनों पर सीधे करवाई होनी चाहिए। अपने देश में प्रत्येक महिला को हिंसामुक्त वातावरण में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का हक है। पुरुषो के बराबर अधिकार और आज़ादी तब कही जा सकती है जब आधी रात को भी एक महिला बेफिक्र बिना किसी खौफ के अपने देश की सड़को पर सुरक्षित हो। साथ ही, उन्हें हर जगह उन्हे पुरुषों के बराबर अधिकार और सम्मान प्राप्त हो सके और बिना किसी भय के जी सके। लैंगिक समानता एकाधिकार नहीं, बल्कि बराबर का अधिकार एवं सम्मानपूर्वक जीवन मांगता है। जो देश या समाज की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है, क्योंकि जब तक आधी आबादी सुरक्षित और सशक्त नहीं होगी, तब तक राष्ट्र का पूर्ण विकास अधूरा रहेगा।

नेपाल में बदलाव की बयार बही

बीपी आचार्य

नेपाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ सामने आया है। रैपर और इंजीनियर से राजनेता बने 35 वर्षीय बालेंद्र शाह का उभार केवल एक व्यक्ति की जीत नहीं, बल्कि उस राजनीतिक बदलाव का संकेत है जिसकी मांग नेपाल की जनता, खासकर युवाओं, के बीच लंबे समय से उठ रही थी। 8 मार्च 2026 को घोषित चुनाव परिणामों में उनकी पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की बड़ी जीत ने यह स्पष्ट कर दिया कि नेपाल की जनता अब पारंपरिक राजनीतिक दलों और पुराने नेतृत्व से आगे बढ़कर एक नई राजनीतिक दिशा चाहती है।

बालेंद्र शाह का राजनीतिक सफर असाधारण रहा है। राजनीति में आने से पहले वे एक प्रसिद्ध रैपर और स्ट्रक्चरल इंजीनियर के रूप में जाने जाते थे। 2022 में उन्होंने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में काठमांडू के मेयर का चुनाव जीतकर पहली बार राजनीतिक सुर्खियां बटोरी थीं। उस आकांक्षाओं को समझता है। चुनाव परिणामों में शाह की पार्टी द्वारा दिग्गज नेताओं को हराना इस बदलाव की गहराई को दिखाता है। झापा-5 सीट से पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को लगभग 50,000 वोटों से हराना केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि नेपाल की पारंपरिक राजनीतिक व्यवस्था को मिला बड़ा झटका माना जा रहा है। यह परिणाम बताता है कि जनता अब केवल बड़े नामों या पुराने अनुभव के आधार पर वोट देने के बजाय नए विचार और नई ऊर्जा को प्राथमिकता दे रही है।

हालांकि, चुनाव जीतना एक बात है और देश को स्थिरता तथा विकास की दिशा में आगे बढ़ाना दूसरी। बालेंद्र शाह के सामने अब असली चुनौती शुरू होती है। नेपाल की अर्थव्यवस्था अभी भी कई चुनौतियों से जूझ रही है। बेरोजगारी, आधारभूत ढांचे की कमी और राजनीतिक अस्थिरता जैसी समस्याओं का समाधान आसान

जीत ने यह संकेत दे दिया था कि नेपाल की जनता पारंपरिक नेताओं से हटकर नए और साफ-सुथरे चेहरों को मौका देने के लिए तैयार है। अब राष्ट्रीय स्तर पर मिली इस सफलता ने उस धारणा को और मजबूत कर दिया है।

दरअसल, नेपाल की राजनीति लंबे समय से अस्थिरता, गठबंधन की खींचतान और भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी रही है। पिछले दो दशकों में कई बार सरकारें बदलीं, लेकिन आम जनता के जीवन में अपेक्षित सुधार नहीं दिखा। आर्थिक चुनौतियां, बेरोजगारी और युवाओं का विदेशों की ओर पलायन लगातार बढ़ता रहा। इन परिस्थितियों में खासकर 'Gen-Z' और युवा वर्ग के भीतर पुरानी राजनीतिक व्यवस्था के प्रति असंतोष गहराता गया।

सितंबर 2025 में हुए व्यापक विरोध प्रदर्शनों ने इस असंतोष को खुलकर सामने ला दिया। युवाओं ने सड़कों पर उतरकर पारंपरिक राजनीतिक दलों पर भ्रष्टाचार, अक्षम नेतृत्व और जनहित की उपेक्षा के आरोप लगाए। इन आंदोलनों ने नेपाल की राजनीति को झकझोर दिया और इसी माहौल में बालेंद्र शाह जैसे नए चेहरे उम्मीद के प्रतीक बनकर उभरे। उनकी छवि एक ऐसे नेता की रही है जो पारंपरिक राजनीति से अलग है और जो युवाओं की नहीं होगा। इसके अलावा पड़ोसी देशों भारत और चीन के साथ संतुलित कूटनीतिक संबंध बनाए रखना भी उनके लिए महत्वपूर्ण होगा।

नेपाल भौगोलिक और रणनीतिक रूप से दक्षिण एशिया की राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसलिए नई सरकार की विदेश नीति और आर्थिक नीतियां केवल नेपाल ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण होंगी। यदि शाह अपनी लोकप्रियता को प्रभावी नीतियों और पारदर्शी शासन में बदलने में सफल रहते हैं, तो यह नेपाल के लिए एक नए राजनीतिक युग की शुरुआत हो सकती है।

लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि जनता की उम्मीदें जितनी तेजी से बनती हैं, उतनी ही तेजी से टूट भी सकती हैं। इसलिए बालेंद्र शाह को यह समझना होगा कि उनकी जीत केवल एक अवसर है और इस अवसर को स्थायी बदलाव में बदलना ही उनकी असली परीक्षा होगी।

नेपाल की जनता ने बदलाव का जनादेश दिया है, अब यह देखना बाकी है कि यह जनादेश देश को नई दिशा देता है या फिर राजनीति की पुरानी चुनौतियों में उलझ कर रह जाता है।

(लेखक तेलंगाना के स्पेशल चीफ सेक्रेटरी रह चुके हैं)

संस्थागत संस्कृति के सामने खड़ा सियासी व्यवहार का प्रश्न

आरके जैन

लोकतंत्र केवल चुनावों और सत्ता परिवर्तन की औपचारिक प्रक्रिया का नाम नहीं है; यह सम्मान, मर्यादा और संस्थागत गरिमा की उस सूक्ष्म परंपरा पर आधारित व्यवस्था है जो शासन को स्थायित्व और विश्वसनीयता प्रदान करती है। जब इस परंपरा में जरा-सी भी दरार पड़ती है, तब कोई सामान्य-सी घटना भी राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बन जाती है। पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से जुड़ा हालिया विवाद इसी प्रकार का प्रसंग है, जिसने भारतीय लोकतंत्र के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है-क्या तीव्र होती राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच संवैधानिक पदों के प्रति सम्मान धीरे-धीरे केवल औपचारिकता बनकर रह गया है? राष्ट्रपति के मंच से व्यक्त हुए कुछ भावुक शब्दों ने पूरे देश को यह सोचने पर विवश कर दिया कि प्रोटोकॉल महज़ नियमों का संकलन नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा और उसकी गरिमा को सुरक्षित रखने वाला आवश्यक अनुशासन है।

संविधान की सबसे गहरी शक्ति उसकी संस्थाओं की गरिमा में निहित होती है और उन संस्थाओं में राष्ट्रपति का पद राष्ट्र की सर्वोच्च मर्यादा और एकता का जीवंत प्रतीक माना जाता है। इसलिए राष्ट्रपति को केवल एक औपचारिक पद के रूप में देखना संविधान की भावना को सीमित कर देना होगा। जब इस पद पर आसीन व्यक्ति सार्वजनिक मंच से यह अनुभव व्यक्त करे कि उसे उसके पद के अनुरूप सम्मान नहीं मिला, तो यह महज़ व्यक्तिगत असहजता का प्रसंग नहीं रह जाता। यह उस संवैधानिक संस्कृति की परीक्षा बन जाता है जिस पर भारत जैसे विशाल लोकतंत्र की नींव टिकी है। किसी भी राज्य की सरकार, चाहे वह किसी भी दल की क्यों न हो, उसके लिए यह अनिवार्य है कि वह राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्र की संस्थाओं का सम्मान बनाए रखे। क्योंकि जब संस्थाओं के प्रति आदर कम होने लगता है, तब अंततः लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता भी धीरे-धीरे क्षीण पड़ने लगती है। आदिवासी समाज की संवेदनशीलता इस घटना का उतना ही महत्वपूर्ण पक्ष है। भारत के आदिवासी समुदाय सदियों से अपनी पहचान और सांस्कृतिक सम्मान के लिए संघर्ष करते रहे हैं। ऐसे में जब देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति किसी सांस्कृतिक आयोजन में पहुंचती हैं, तो वह केवल एक कार्यक्रम नहीं रहता, बल्कि प्रतीकात्मक रूप से पूरे समुदाय के आत्मसम्मान का उत्सव बन जाता है।

यदि उस अवसर पर किसी प्रकार की प्रशासनिक लापरवाही या प्रोटोकॉल की कमी का आरोप लगे, तो स्वाभाविक है कि यह पीड़ा अधिक गहरी महसूस होती है। इसलिए राष्ट्रपति के शब्दों में जो भावुकता दिखाई दी, वह केवल व्यक्तिगत अनुभव नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक संवेदनशीलता का प्रतिबिंब भी थी जो आदिवासी समाज से जुड़ी है।

आज की राजनीति की एक बड़ी विडंबना यह बन गई है कि लगभग हर घटना को तुरंत राजनीतिक दृष्टि से परखा जाने लगता है। राष्ट्रपति की टिप्पणी सामने आते ही राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का तूफान उठना स्वाभाविक था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे गंभीर विषय बताते हुए संवैधानिक गरिमा का प्रश्न बताया, जबकि दूसरी ओर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इन आरोपों को राजनीतिक षड्यंत्र करार दिया। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक होते हैं, लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब संवैधानिक संस्थाएं भी राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का हिस्सा बनने लगती हैं। तब वास्तविक मुद्दा-संस्थाओं की प्रतिष्ठा-पृष्ठभूमि में चला जाता है और चर्चा केवल दलगत हितों तक सीमित रह जाती है।

बफ़े की प्लेट में धर्मनिरपेक्षता

डॉ. सुरेश कुमार

भारतीय विवाहों में 'शांति' केवल उसी क्षण तक रहती है जब तक पंडित जी मंत्र पढ़ते हैं। जैसे ही लाउडस्पीकर पर घोषणा होती है- भोजन शुरू हो चुका है, शांति का स्थान वह 'गृहयुद्ध' ले लेता है जिसे सभ्य भाषा में 'डिनर' कहा जाता है। यह वह समय होता है जब मनुष्य अपनी सभ्यता की केंचुल उतारकर सीधे प्रागैतिहासिक काल के शिकारी मोड में आ जाता है।

हमारे परिचित हैं-पंडित राधेलाल। राधेलाल वैसे तो बड़े संयमी हैं, लेकिन बफ़े के काउंटर पर पहुँचते ही उनकी आत्मा में कोई 'सिविल इंजीनियर' जाग जाता है। उनके लिए प्लेट केवल एक बर्तन नहीं, बल्कि एक 'प्लॉट' है जिस पर उन्हें बहुमंजिला इमारत खड़ी करनी है।बफ़े की शुरुआत 'स्टार्टर' से होती है। नियम कहता है कि पहले पनीर टिक्का उठाइए, फिर मुख्य भोजन की ओर बढ़िए। पर राधेलाल का अपना 'वास्तु शास्त्र' है। वे प्लेट के ठीक बीचों-बीच चावल की एक विशाल टेकरी खड़ी करते हैं। यह टेकरी 'नींव' का काम करती है। फिर उस पर पनीर की सब्जी का 'लेंडर' पड़ता है। बगल में दाल मखनी की एक 'झील' बनाई जाती है, जिसका बाँध केवल एक 'नान' के टुकड़े से रोका जाता है। राधेलाल की प्लेट देखना किसी अजूबे से कम नहीं। नीचे नूडल्स की घास उगी होती है, जिसके ऊपर मंचूरियन के पत्थर पड़े होते हैं, और सबसे ऊपर रसमलाई का झंडा लहरा रहा होता है। उनकी प्लेट में 'धर्मनिरपेक्षता' का ऐसा अद्भुत संगम होता है कि शाही पनीर और दही-बड़ा एक ही 'पिन कोड' पर साथ-साथ रहते हैं। वे इस कला में इतने निपुण हैं कि अगर वे गलती से प्लेट हिला भी दें, तो गुरुत्वाकर्षण का नियम भी हार मान जाए, पर एक भी बूंद रायता नीचे न गिरे। जब वे प्लेट लेकर महफ़िल के बीच पहुँचते हैं, तो लोग उन्हें सम्मान से रास्ता देते हैं। उन्हें डर होता है कि अगर राधेलाल जी से कोई टकराया, तो रसमलाई का वह 'टॉप फ्लोर' सीधे किसी के रेशमी कुर्ते पर 'लैंड' करेगा। राधेलाल जी बड़े गर्व से अपनी उस 'प्लेट रूपी प्रदर्शनी' को निहारते हुए ऐसे चलते हैं जैसे सम्राट अशोक कलिंग विजय के बाद लौटे हों। वे कोने में खड़े होकर खाना शुरू करते हैं। उनका लक्ष्य स्वाद लेना नहीं, बल्कि उस 'पहाड़' को ढहाकर अपने पेट के गड्ढे को भरना है। वे खाते कम हैं और आस-पास की प्लेटों का 'ऑडिट' ज्यादा करते हैं। अगर उन्हें दिख जाए कि किसी की प्लेट में उनसे ज्यादा बड़ा गुलाब जामुन है, तो उनके चेहरे पर वही तनाव आ जाता है जो किसी नेता के चेहरे पर विपक्षी दल की बढ़त देखकर आता है।जब राधेलाल जी अपना 'पहाड़' पूरी तरह साफ कर चुके होते हैं और तृप्ति की एक ऐसी डकार लेते हैं जिसकी गूंज पास के डीजे तक सुनाई देती है, तभी मेजबान (लड़के का पिता) उनके पास आता है। मेजबान ने बड़े विनम्र भाव से कहा, ₹पंडित जी, आपने तो कुछ खाया ही नहीं! प्लेट तो बिल्कुल कोरी लग रही है।

राधेलाल जी ने अपनी मूछों पर हाथ फेरते हुए कहा, अरे भाई, बस जरा सा चख लिया। आजकल वैसे भी मेरा पेट खराब चल रहा है, इसलिए परहेज पर हूँ! इतना कहकर उन्होंने अपने कुर्ते की जेब की ओर हाथ बढ़ाया। जैसे ही उन्होंने रुमाल निकाला, उनकी जेब से 'खच' की आवाज के साथ तीन उबले हुए आलू और दो लिपटे हुए परांठे नीचे जा गिरे। पूरा पंडाल सन्न रह गया! राधेलाल जी ने बिना पलक झपकाए कहा-अरे, ये तो वो शगुन के आलू हैं जो रास्ते में किसी भिखारी के लिए उठाए थे, देखो... साले जेब में ही घुस गए!₹ अब मोहल्ले वाले यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि राधेलाल जी 'परहेजी' हैं या चलता-फिरता 'कोल्ड स्टोरेज'।

'इंश्योरेंस सेक्टर' में रोजगार के अवसर

इंश्योरेंस सैक्टर उन फील्ड्स में एक है जो पिछले कुछ वर्षों से तेजी से विस्तार कर रहा है। इसमें रोजगार के कई अवसर हैं। अगर आप भी इस सैक्टर में करियर बनाने की सोच रहे हैं तो यह अच्छा समय है। खास कर कोरोना के बाद इंश्योरेंस के हैल्थ सैक्टर में काफी बूस्ट आया है। हालांकि, आज लगभग हर परिस्थिति से निपटने के लिए बीमा कम्पनियों के पास पॉलिसी हैं।

जीवन बीमा, यात्रा बीमा, वाहन बीमा, स्वस्थ्य बीमा तथा गृह बीमा इनमें सबसे ज्यादा प्रचलित हैं। सरकारी कम्पनियों जैसे जीवन बीमा निगम, राष्ट्रीय बीमा कम्पनी के अलावा कितनी ही निजी इंश्योरेंस कम्पनियां भी इस क्षेत्र में कार्यरत हैं।

ग्रैजुएशन के बाद छात्र इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। हालांकि, इंश्योरेंस सैक्टर में 12वीं के बाद भी प्रवेश कर सकते हैं। आजकल कई कम्पनियां ग्रैजुएट छात्रों को पार्ट-टाईम जॉब का ऑफर भी देती हैं। फिर भी विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए कॉलेज के बाद इंश्योरेंस मैनेजमैंट में मास्टर्स डिग्री लेना श्रेयस्कर रहेगा।

यदि आपमें सेलिंग स्किल, पीपल स्किल हैं तथा आप लोगों की परेशानियों को समझते व उन्हें वित्तीय मदद भी देने को सदैव तैयार रहते हैं तो इंश्योरेंस सैक्टर आपके लिए बेहतर होगा। वास्तविक दुनिया में इंश्योरेंस का महत्व शुरूआत में ही समझा जाना चाहिए।

इस तरह करें शुरूआत

आप किसी लोकप्रिय इंश्योरेंस कम्पनी के इंश्योरेंस एजेंट या सेल्स एग्जीक्यूटिव इंश्योरेंस के रूप में करियर शुरू कर सकते हैं। इसके लिए आपको इरडा (भारतीय बीमा नियामक प्राधिकरण) द्वारा

संचालित एजैंट परीक्षा पास करनी होगी। कुछ सालों तक इस तरह काम करने के बाद आप इंश्योरेंस मैनेजर भी बन सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

इंश्योरेंस को करियर बनाने के लिए दो तरह की स्किल्स की आवश्यकता होती है- पहला, लोगों को आसानी से दोस्त बनाना और दूसरा, उनकी परेशानी को सही ढंग से पहचान कर उन्हें इंश्योरेंस के महत्व को समझाना। आप उन्हें समझा सकते हैं कि भविष्य में होने वाली किसी दुर्घटना से इंश्योरेंस कैसे सुरक्षा प्रदान करता है। इंश्योरेंस कम से कम वित्तीय रूप से लोगों को सुरक्षा तो प्रदान कर ही सकता है।

इंश्योरेंस प्रोफैशनल्स के लिए रोजगार की सम्भावनाएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। आप एक इंश्योरेंस एजैंट के रूप में करियर शुरू कर सकते हैं जहां आपको लोगों को बीमा पॉलिसी बेचनी होती है। इसके लिए आपको निश्चित टार्गेट दिया जाता है जिसे आपको प्रीमियम के रूप में कम्पनी के लिए कमाकर पूरा करना होता है।

इसके बदले में आपको कमीशन दिया जाता है। इसके अलावा सेल्स मैनेजर इंश्योरेंस का पद भी महत्वपूर्ण होता है जहां आपको इंश्योरेंस एजेंटों की एक टीम को संभालना होता है। आप इंश्योरेंस अंडरराईटर के रूप में भी अपने करियर की शुरूआत कर सकते हैं।

एक्कुरियल साइंस में मौके

इंश्योरेंस सैक्टर में बतौर एक्कुरियल प्रोफैशनल भी करियर बनाने के अच्छे मौके हैं। इस क्षेत्र में जाने के लिए आप 12वीं व ग्रैजुएशन के बाद भी जा सकते हैं, लेकिन विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए एक्कुरियल साइंस से संबंधित कोर्सेस में स्नातक डिग्री के लिए मैथ्स या स्टैटिस्टिक्स में 55 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं पास होना आवश्यक है जबकि पी.जी. डिप्लोमा, मास्टर्स डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मैथ्स स्टैटिस्टिक्स, इकोनॉमैट्रिक्स सब्जैक्ट से स्नातक जरूरी है। छात्र इंस्टीच्यूट ऑफ एक्चुरीज ऑफ इंडिया को मैम्बर के तौर पर भी ज्वाइन कर सकते हैं।

एक्चुरी प्रोफैशनल बनने के लिए छात्रों को एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया का फैलो मैम्बर होना जरूरी है। यह संस्थान इसमें कोर्सेस भी कराता है।

कार्य क्षेत्र

एक्चुरियल प्रोफैशनल मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स के मैथड्स का इस्तेमाल करके इंश्योरेंस और फाइनांस इंडस्ट्री में जोखिम का अनुमान लगाते हैं। वे यह हिसाब लगाते हैं कि किसी पॉलिसी होल्डर को प्रीमियम के तौर पर कितनी राशि का भुगतान करना होगा या किसी कम्पनी को पैंशन या रिटर्न पर कितना खर्च करना होगा। प्रोफैशनल का काम अचानक घटी घटना के आर्थिक प्रभाव का अंदाजा लगाने का भी होता है। आज इस क्षेत्र से जुड़े प्रोफैशनल्स को इंश्योरैंस इंडस्ट्री का बैकबोन भी कहा जाने लगा है।

योग्यता : अपनी योग्यता के आधार पर आप एडमिनिस्ट्रेटिव अफसर, असिस्टैंट डिवैल्पमैंट अफसर, इंश्योरेंस सर्वेयर, एक्कुरी मैनेजर, रिस्क मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं। इस फील्ड में भारत में संभावनाएं इसलिए भी अधिक हैं, क्योंकि यहां की कम्पनियां वैश्विक ग्राहकों को कम संसाधन और न्यूनतम लागत में अच्छी सुविधाएं मुहैया करा रही हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स या इलेक्ट्रिकल में समझें अंतर

इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग दोनों ही क्षेत्र इलेक्ट्रिक सिस्टम से संबंधित हैं। लेकिन इन दोनों के कार्य एक दूसरे से अलग होते हैं। इसलिए इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले अधिकतर छात्रों के बीच स्नातक पूरा करने के बाद यह दुविधा रहती है कि किस ब्रांच में करियर बनाएं।

ऐसे में अगर आप भी इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे है और आपको भी यह निर्णय लेने में कठिनाई आ रही है कि इंजीनियरिंग का कौन-सा क्षेत्र आपके लिए बेहतर है। तो आज इस लेख के जरिये हम आपको दोनों के बीच एक बारीक अंतर बताएंगे। साथ ही आपको यह भी बताएंगे कि इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग दोनों में से कौन-सा क्षेत्र आपके करियर को एक नई उड़ान दे सकता है।

क्या है इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंगः

इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स दोनों ही क्षेत्र इंजीनियरिंग के लिए होते हैं। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पावर प्लांट, ट्रांसफॉर्मर और हाई वोल्टेज वाले सिस्टम को ऑपरेट किया जाता है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में कंप्यूटर हार्डवेयर और मोबाइल संचार क्षेत्रों में काम किया जाता है।

कौन-सा क्षेत्र आपके लिए बेहतरः

इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स दोनों ही क्षेत्र आपकी रुचि पर पूरी तरह से निर्भर करता है। अगर आपको बड़ी मशीनें जैसे पावर सिस्टम क्षेत्र में रुचि है, तो आप इलेक्ट्रिकल इंजीनिरिंग की ओर रुख कर सकते हैं। लेकिन अगर आपको संचार जैसे गैजेट और नई-नई टेक्नोलॉजी को जानने व समझने में दिलचस्पी है, तो आप इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में करियर बना सकते हैं।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग का स्वरूपः

अगर आप इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग कोर्स का चयन करते हैं, तो आपको इस कोर्स के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन, डिजिटल संचार प्रणाली, ट्रांसफॉर्मर, जनरेटर, ट्रांसमिशन लाइन, वायरिंग और इंस्टॉलेशन जैसे विषयों से परिचित किया जाएगा। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरा करने के बाद आप बिजली विभाग, रेलवे और पावर प्लांट में नौकरी कर सकते हैं। साथ ही साथ आप सरकारी नौकरी की भी तैयारी कर सकते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग पर भी एक नजरः

इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विषय गैजेट व टेक्नोलॉजी से संबंधित है। इस कोर्स के अंतर्गत आपको मोबाइल नेटवर्क, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, सेमीकंडक्टर जैसे विषयों से परिचित किया जाता है। इस कोर्स को पूरा करने के बाद आप आईटी कंपनी, सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री, टेलीकॉम कंपनी और रोबोटिक्स के क्षेत्र में अपना एक सुनहरा भविष्य बना सकते हैं। बता दें, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में न केवल नौकरी की अपार संभावनाएं मौजूद है, बल्कि इस कोर्स को पूरा करने बाद कुशल पेशेवरों का ज्यादा पैकेज वाली सैलरी पर भी रखा जाता है।

इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में अंतरः

इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हाई वोल्टेज और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर लॉ वोलटेज वाली मशीनों को ऑपरेट करते हैं। इलेक्ट्रिकल इंजीनियर में ट्रांसफॉर्मर, जनरेटर और ट्रांसमिशन लाइन पर काम किया जाता हैं, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग मोबाइल, कंप्यूटर आदि को ऑपरेट करते हैं। इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हाई करंट और ऊर्जा पर काम करते हैं, जबकि एक इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर सिग्नल और डाटा पर काम करते हैं। एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर बिजली विभाग पर अपनी सेवाएं देते है और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर टेलीकॉम एवं इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों में काम करते हैं।

आज शिक्षा मंत्रालय का पोस्ट-बजट वेबिनार
पीएम करेंगे शिक्षा-स्किल समेत कई मुद्दों पर चर्चा

शिक्षा मंत्रालय 9 मार्च को केंद्रीय बजट 2026-27 में की गई प्रमुख घोषणाओं के क्रियान्वयन पर एक पोस्ट-बजट वेबिनार आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इस वेबिनार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे।

आधिकारिक बयान के अनुसार, इस वेबिनार का उद्देश्य बजट में घोषित योजनाओं को जमीन पर लागू करने के लिए रणनीति तैयार करना, समय-सीमा तय करना, विभिन्न मंत्रालयों के बीच समन्वय स्थापित करना और कार्यान्वयन के स्पष्ट रास्ते तय करना है।

'सबका साथ, सबका विकास' थीम पर होगा वेबिनार

वेबिनार की थीम 'सबका साथ, सबका विकासः लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना' रखी गई है। इसमें शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट, क्रिएटिव इंडस्ट्री, समावेशी क्षमता निर्माण और संस्थागत ढांचे से जुड़ी बजट घोषणाओं पर चर्चा की जाएगी।

तीन चरणों में होगा कार्यक्रम

यूजीसी के अनुसार, कार्यक्रम तीन भागों में आयोजित किया जाएगा। ओपनिंग सेशनः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे। ब्रेकआउट सेशनः बजट में घोषित प्रमुख विषयों पर अलग-अलग चर्चा होगी।

क्लोजिंग सेशनः चर्चा के निष्कर्ष और आगे की कार्ययोजना साझा की जाएगी।

कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्र भी जुड़ सकेंगे

यूजीसी ने देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों (HEIs) से अपील की है कि वे अपने छात्रों और शिक्षकों को इस वेबिनार में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। संस्थानों से कहा गया है कि वे ओपनिंग, ब्रेकआउट और समापन सत्रों में सक्रिय रूप से शामिल हों।

इन प्लेटफॉर्म पर देख सकेंगे वेबिनार

छात्र और शिक्षक इस वेबिनार को ऑनलाइन विभिन्न प्लेटफॉर्म पर देख सकेंगे, जोकि इस प्रकार हैंः वेबएक्स यूट्यूब फेसबुक

यूजीसी ने कहा है कि वेबिनार के माध्यम से शिक्षा और कौशल विकास से जुड़े बजट प्रस्तावों को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाने पर जोर दिया जाएगा।

यूपी जूनियर इंजीनियर भर्ती परीक्षा की तारीख घोषित, मई में होगा एग्जाम

यूपीएसएसएससी ने जूनियर इंजीनियर (JE सिविल) भर्ती 2024 से जुड़ा महत्वपूर्ण अपडेट जारी किया है। आयोग ने इस भर्ती की परीक्षा तिथि घोषित कर दी है, जो अभ्यर्थी इस भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले हैं, वे आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर जारी किया गया नोटिफिकेशन देख सकते हैं और परीक्षा से संबंधित पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

इस भर्ती के तहत कुल 4612 पदों पर योग्य उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। सामान्य वर्ग के लिए 1761 पद, EWS के लिए 368 पद, अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के लिए 1514 पद, अनुसूचित जाति (SC) के लिए 924 पद और अनुसूचित जनजाति (ST) के लिए 45 पद निर्धारित किए गए हैं। इस प्रकार सभी श्रेणियों को मिलाकर कुल 4612 पदों पर भर्ती की जाएगी।

पोस्ट कुल 4612

कब होगा एग्जाम?

आयोग के निर्णय के अनुसार इस भर्ती की लिखित मुख्य परीक्षा 03 मई 2026 (रविवार) को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक होगी, इसलिए इस भर्ती के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को अब परीक्षा की तैयारी तेज कर देनी चाहिए।

कैसे होगा चयन?

जूनियर इंजीनियर (सिविल) भर्ती में चयन के लिए उम्मीदवारों को सबसे पहले लिखित (मुख्य) परीक्षा में शामिल होना होगा। इस परीक्षा में उम्मीदवारों से संबंधित विषयों और सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी अभ्यर्थियों का मूल्यांकन उनके द्वारा लिखित परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा।

लिखित परीक्षा के परिणाम के बाद आयोग द्वारा अंतिम मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी। यह मेरिट लिस्ट उम्मीदवारों के प्रदर्शन और प्राप्त अंकों के आधार पर बनाई जाएगी। जिन उम्मीदवारों का नाम इस अंतिम मेरिट सूची में शामिल होगा, उन्हें दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद खाली पदों पर नियुक्ति दी जाएगी।

इन गाइडलाइंस का जरूर करें पालन

परीक्षा में उम्मीदवारों को समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा।

परीक्षा में प्रवेश के लिए एडमिट कार्ड और एक वैध फोटो पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य है। मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर या अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस परीक्षा केंद्र में ले जाना प्रतिबंधित रहेगा।

परीक्षा के दौरान निरीक्षकों द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का पालन करना जरूरी होगा।

किसी भी प्रकार की नकल या नियमों का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

इंडियन एयरफोर्स में अग्निवीर वायु भर्ती के लिए आवेदन शुरू

इंडियन एयरफोर्स ने अविवाहित महिला और पुरुष युवाओं के लिए अग्निवीर वायु INTAKE 01/27 के लिए फिर से रजिस्ट्रेशन विंडो ओपन की है। जिन उम्मीदवारों ने 1 फरवरी तक अग्निवीर वायु के लिए फॉर्म नहीं भरा था, वे ऑफिशियल वेबसाइट iafrecruitment.edcil.co.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए रिटन एग्जाम 30-31 मार्च 2026 को होगा।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

इंटरमीडिएट (12वीं) मैथ्स, फिजिक्स और अंग्रेजी में मिनिमम 50% नंबरों के साथ

या मिनिमम 50% अंकों के साथ मैकेनिकल / इलेक्ट्रिकल / इलेक्ट्रॉनिक्स / ऑटोमोबाइल / कंप्यूटर साइंस / इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्नोलॉजी /आईटी में इंजीनियरिंग का 3 वर्षीय डिप्लोमा

या किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से फिजिक्स और मैथ्स के साथ 2 साल का वोकेशनल कोर्स जिसमें कुल 50% अंक और अंग्रेजी में 50% अंक हों।

एज लिमिट :अधिकतम 22 साल

सिलेक्शन प्रोसेस : लिखित परीक्षा पीएसटी/पीईटी डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन मेडिकल टेस्ट मेरिट लिस्ट

एग्जाम पैटर्न : एग्जाम मोड : ऑनलाइन टाइप : ऑब्जेक्टिव

सब्जेक्ट : इंग्लिश, फिजिक्स, मैथमेटिक्स, रीजनिंग एंड जनरल अवेयरनेस

ऑफिशियल वेबसाइट agnipathvayu.cdac.in पर जाएं।

न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें। नाम, पासवर्ड के साथ लॉग इन करें।

फॉर्म में पासपोर्ट साइज फोटो, सिग्नेचर और अन्य डॉक्यूमेंट्स अटैच करें। फीस का भुगतान करके फॉर्म सब्मिट करें।

इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

ऑनलाइन आवेदन लिंक ऑफिशियल नोटिफिकेशन लिंक

अग्निवीर वायु भर्ती के लिए एज लिमिट बढ़ने का नया नोटिफिकेशन लिंक

अग्निवीर वायु भर्ती के आवेदन फिर से शुरू होने का नया नोटिफिकेशन

'इंटरव्यू' से पहले

आप जब किसी कम्पनी में इंटरव्यू के लिए जाते हैं तो आपको पहले उस कम्पनी के बारे में जानकारी होना आवश्यक है कि वह कम्पनी क्या काम करती है उसके उत्पाद, विजन, मिशन के बारे में जानकारी होनी चाहिए। इससे आप खुद को इंटरव्यू के लिए बेहतर ढंग से तैयरा कर सकते हैं।

आप इंटरव्यू में उपस्थित होने के लिए पहले से ही तैयारी करें। अपने दोस्तों से परामर्श करें। साथ ही साथ इंटरव्यू से संबंधित जानकारी हासिल करें। वैसे अक्सर कुछ इस तरह के सवाल पूछे जाते हैं :

अपने बारे में बताओ ? अपने सी.वी. के बारे में विस्तार

से जानकर ट्रो अपना इंट्रोडक्शन दो ?

क्या आप इस कम्पनी के बारे में कुछ जानते हैं?

आप इस कम्पनी से क्यों जुड़ना चाहते हैं?

आप इस इंडस्ट्री से क्यों जुड़ना चाहते हैं?

अपनी कमजोरियों और ताकत के बारे में कुछ बताएं?

हमेशा एक सकारात्मक सोच रखें, इंटरव्यू को लेकर घबराएं न, सफलता और असफलता जीवन के दो पहलू हैं तो इनसे डरने की बात नहीं। आप तैयारी के साथ जाएं-सफल और असफल होने तो हर किसी के साथ होता है। बस अपना अच्छा प्रयास करें और मेहनत के साथ अपने पथ पर चलते रहे, एक न एक दिन अपनी मंजिल को पा ही लेंगें।

ऐसे बनिए एक 'अच्छे मैनेजर'

किसी भी बिजनैस में सफलता के लिए जरूरी है कि आप एक अच्छे मैनेजर साबित हों। अच्छा मैनेजर वही कहलाएगा जो अपने तहत काम करने वाले कर्मचारियों को खुश रखने के साथ ही उनसे बेहतरीन ढंग से काम ले सकता हो।

अच्छे मैनेजरों के तहत काम करने वाले कर्मचारियों की रुचियां कम्पनी की प्राथमिकताओं के अनुरूप होती हैं। यदि आपके साथ ऐसा नहीं है तो यहां दिए 3 तरीकों को आजमाएं, जिनसे यह तालमेल बैठाना सुनिश्चित हो जाएगा कि आपकी कम्पनी कर्मचारियों से जो करवाना चाहती है, वे उसी तरह से काम करें।

अपने कर्मचारियों की सभी प्राथमिकताएं जानें

समीक्षा के समय का इंतजार न करें बल्कि नियमित रूप से अपने कर्मचारियों से पूछते रहें कि वे व्यक्तिगत रूप से किस चीज की सबसे ज्यादा परवाह करते हैं। मैनेजर के रूप में आपको यह जानने की जरूरत है कि कौन- सी चीज उन्हें प्रेरित करती है।

कम्पनी की प्राथमिकताएं व्यक्त करें

अपने कर्मचारियों को बता दें कि कम्पनी को अगले सप्ताह महीने और वर्ष में क्या हासिल करने की जरूरत है। प्राथमिकताओं में हेर-फेर न करें। उन्हें यह बात स्पष्टता से और बार-बार बताएं।

रूचियों को जिम्मेदारियों के तालमेल में लाएंः जब दोनों चीजें स्पष्ट हो जाएं तो कर्मचारियों की रुचि को कम्पनी की प्राथमिकताओं के अनुरूप बनाने की अधिकतम कोशिश करें।

बिहार में एपीओ के 300 पदों पर निकली भर्ती

खास खबर पटना। बिहार में सहायक अभियोजन अधिकारी (एपीओ) के 300 पदों पर भर्ती निकली है। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवा इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। बीपीएससी की ओर से अपनी के पदों पर आनलाइन आवेदन प्रक्रिया को शुरू कर दिया गया है। जो युवा इस नौकरी के लिए पात्र वे आफिशियल वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार 20 मार्च, 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। इतने पदों पर होगी भर्तीः

इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से कुल 300 उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा, जिसमें अनारक्षित के लिए 129 पद, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 29 पद, अनुसूचित जाति के लिए 42 पद, अनुसूचित जनजाति के लिए 7 पद, अत्यन्त पिछड़ा वर्ग के लिए 64 पद, पिछड़ा वर्ग के लिए 25 पद और पिछड़े वर्ग की महिलाओं के लिए 4 पद आरक्षित किए गए हैं।

ये युवा कर सकते हैं आवेदनः

आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। उम्मीदवारों की आयु की गणना 01 अगस्त, 2026 के आधार पर की जाएगी। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और अधिकतम आयु 37 वर्ष निर्धारित की गई है। इसके साथ ही विशेष वर्ग के उम्मीगदवारों को आईयु-सीमा में छूट भी प्रदान की जाएगी।

ऐसे होगा चयनः

उम्मीदवारों का चयन प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। प्रारंभिक परीक्षा में दो पेपर होंगे। पहले पेपर में उम्मीदवारों से 100 अंकों के प्रश्न और पेपर-2 से 150 अंकों के सवाल पूछे जाएंगे। इस परीक्षा में सफल किए गए उम्मीदवारों को मुख्य परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा।

ऐसे करें आवेदनः

आवेदन करने के लिए सबसे पहले बीपीएससी की आफिशियल वेबसाइट www.bpsc.bihar.gov.in पर जाकर विजिट करें। अब वेबसाइट के होमपेज पर BPSC APO Recruitment 2026 पर क्लिक करके मांगी गई जानकारी को ध्यान से दर्ज कर लें। इसके बाद जरूरी दस्तावेजों की स्कैन कॉपी को अपलोड करें। फार्म भरने के बाद दर्ज की गई सभी जानकारी को ध्यान से दर्ज कर लें। अंत में इसका एक प्रिंट आउट भी अवश्य निकाल लें।

पिता के हॉस्पिटलाइजेशन के बाद सलमान की पहली पब्लिक अपीयरेंस

पिता सलीम खान के हॉस्पिटलाइज होने के बाद सलमान खान ने लंबे समय बाद पब्लिक अपीयरेंस दी है। एक्टर शनिवार को ट्रेड एनालिस्ट और फिल्म क्रिटिक कोमल नहाटा के बेटे मोहक नहाटा के प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन के हिस्सा बने हैं। सलमान के अलावा भी कई बॉलीवुड सेलेब्स भी प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन में शामिल हुए हैं।

सिंगर हिमेश रेशमिया भी पत्नी सोनिया कपूर के साथ इसमें शामिल हुए हैं। सिंगर ने ब्लैक शर्ट के साथ ब्लू ब्लेजर पहना था, जबकि उनकी वाइफ ने मैटेलिक साड़ी पहनी थी। तारक मेहता का उल्टा चश्मा एक्टर दिलीप जोशी भी प्री-वेडिंग में शामिल हुए। इनके अलावा जावेद अख्तर, विद्या बालन, फराह खान समेत कई सेलेब्स भी इस सेलिब्रेशन में चार चांद लगाने पहुंचे हैं।

शाहिद कपूर ने शुरू की 'फर्जी 2' की शूटिंग

एक्टर ने पहले दिन के शूट की फोटो शेयर कर अपना लुक दिखाया

शाहिद कपूर की वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन की शूटिंग शुरू हो गई है। एक्टर ने शनिवार को इंस्टाग्राम स्टोरी पर पहले दिन की शूटिंग की तस्वीर शेयर की। इसके साथ उन्होंने अपने किरदार के लुक को भी दिखाया।

शाहिद ने लिखा, फर्जी 2 का पहला दिन... वापस शुरू!

बता दें कि फरवरी में शाहिद कपूर ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की थी कि 'फर्जी' का दूसरा सीजन बन रहा है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर सीरीज के क्रिएटर्स राज निदिमोरू और कृष्णा डी.के. के साथ एक तस्वीर शेयर की थी और लिखा था, नकली काम करने वाले फिर से लौट आए हैं।

तलाक विवाद पर थलपति विजय का पहला रिएक्शन

कहा- जो दिक्कत है, उसकी चिंता मत करिए, मैं इसे संभाल लूंगा

साउथ एक्टर और राजनेता थलपति विजय इन दिनों तलाक के चलते विवादों में हैं। उनकी पत्नी ने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाते हुए तलाक की अर्जी दी है और अब एलीमनी की भी चर्चा है। इसी बीच एक्टर ने पहली बार इस पूरे विवाद पर पब्लिकली बात की है। उन्होंने फैंस से कहा है कि उनकी निजी जिंदगी में चल रहीं समस्याएं वो खुद हल कर लेंगे, इसमें समय बर्बाद करने की जरुरत नहीं है।

थलपति विजय हाल ही में चेन्नई में अपनी पॉलिटिकल पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम के महिला दिवस इवेंट में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद सभी फैंस को संबोधित करते हुए तलाक के विवाद पर कहा, "हाल ही में मेरे आसपास जो समस्याएं चल रही हैं, प्लीज उनकी चिंता मत कीजिए।

वे बातें आपके समय के लायक नहीं हैं। मैं उन्हें खुद संभाल लूंगा।" आगे एक्टर ने कहा, "मुझे सबसे ज्यादा दुख तब होता है जब मैं देखता हूं कि मेरी वजह से आप उदास या परेशान हो जाते हैं। कृपया मेरी समस्याओं का बोझ अपने ऊपर मत लीजिए।"

स्कूल में कमजोर थीं प्रियंका मां ने पेजेंट्स में भेजा

एक्ट्रेस बोलीं- पापा को पसंद नहीं था फैसला मम्मी को लगा इससे जिंदगी आसान होगी

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक अपनी पहचान बनाने वाली प्रियंका चोपड़ा ने अपने शुरुआती करियर को लेकर एक दिलचस्प खुलासा किया है। प्रियंका ने बताया कि वह स्कूल में पढ़ाई में बहुत अच्छी नहीं थीं। यही वजह थी कि उनकी मां ने सोचा कि उनके लिए ब्यूटी पेजेंट की दुनिया ज्यादा आसान हो सकती है।

प्रियंका ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान बताया कि जब उन्होंने ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लेने का फैसला किया, तब उनके पिता इस फैसले से पूरी तरह सहमत नहीं थे। हालांकि उनकी मां इस फैसले को लेकर काफी उत्साहित थीं और उन्होंने ही पिता को मनाया था।

मां ने कहा- पढ़ाई में ठीक नहीं, पेजेंट ट्राई करो

प्रियंका ने बताया कि उस समय वह कॉलेज में नई-नई दाखिल हुई थीं और पढ़ाई में उनका प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं था। इसी वजह से उनकी मां ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि शायद उनका अकादमिक करियर ज्यादा आगे नहीं बढ़ेगा, इसलिए उन्हें ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लेना चाहिए।

प्रियंका के मुताबिक, उनकी मां का मानना था कि अगर वह पेजेंट की दुनिया में जाएंगी तो उनके लिए आगे का रास्ता आसान हो सकता है। हालांकि उनके पिता इस फैसले से खुश नहीं थे। बाद में उनकी मां ने उन्हें डिनर पर ले जाकर इस बारे में लंबी बातचीत की और तब जाकर उन्होंने अनिच्छा के साथ प्रियंका को पेजेंट में हिस्सा लेने की अनुमति दी।

अजय देवगन ने दिखाई पत्नी काजोल, सास तनुजा, अपनी मां और बेटी की तस्वीर, कहा- शेरनियों के बिना सिंघम कुछ नहीं

अजय देवगन ने अपने घर की औरतों की फोटो दिखाई है और महिला दिवस के मौके पर उन सबको शेरनियां कहा है। अजय ने पत्नी काजोल, सासू मां तनुजा और बेटी सहित अपनी मां की भी फोटो दिखाई। उनके प्यारे से कैप्शन ने फैंस का दिल जीत लिया है।

अजय देवगन ने अपने जीवन की महिलाओं के लिए एक इमोशनल पोस्ट शेयर करके सोशल मीडिया पर सबका दिल जीत लिया। एक्टर ने अपनी पत्नी काजोल, बेटी नीसा देवगन, सासु मां तनुजा और परिवार के बाकी सदस्यों की कुछ खास तस्वीरें शेयर करते हुए उन्हें अपनी 'शेरनियां' बताया। उनके कैप्शन में लिखा था, 'यह सिंघम अपनी शेरनियों के बिना कुछ भी नहीं है,' इस एक लाइन पर ही उनके चाहने वाले फिदा हो गए हैं।

पहली तस्वीर में काजोल, तनीषा मुखर्जी, तनुजा और अजय की मां वीना देवगन के साथ एक प्यारा फैमिली मोमेंट दिखाया गया है। सभी महिलाएं सजी-धजी कैमरे के सामने पोज दे रही हैं, जिनमें प्यार प्यार दिख रहा है। यह तस्वीर परिवार की पीढ़ियों के बीच मजबूत बंधन को दिखाती है। एक फोटो में, अजय अपनी बेटी नीसा के साथ एक प्यारा पल शेयर करते नजर आ रहे हैं। पिता-बेटी की जोड़ी एक-दूसरे के करीब बैठी है, कैमरे के लिए मुस्कुरा रही है, और अजय ने प्यार से नीसा को पकड़ा हुआ है।

पवन सिंह ने पहली पत्नी की डेथ एनिवर्सरी पर किया भावुक पोस्ट कहा- आपके बिना अधूरा हूं, अधूरा ही रहूंगा

भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह ने 8 मार्च को एक भावुक पोस्ट किया है। दूसरी पत्नी ज्योति सिंह से विवाद के बीच उन्हें पहली पत्नी नीलम की याद सता रही है। उनकी पुण्यतिथि पर कहा कि वह उनके बिना अधूरे हैं।

भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह अपनी निजी जिंदगी से लेकर प्रोफेशनल लाइफ तक के लिए सुर्खियों में रहते हैं। पवन सिंह की निजी जिंदगी को लेकर कई तरह की बातें की जाती हैं। उन पर हमेशा महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगता रहा है, लेकिन उसके जीवन में एक ऐसी महिला भी थी, जिसके जाने का दुख पवन सिंह आज तक मना रहे हैं। उन्होंने अपनी पहली पत्नी को याद किया है। एक भावुक पोस्ट किया है।

पवन सिंह ने अपनी पहली पत्नी नीलम देवी को उनकी पुण्यतिथि पर याद किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर नीलम की फोटो पोस्ट कर श्रद्धांजलि अर्पित की और लिखा, 'आपके बिना अधूरा हूं, अधूरा ही रहूंगा।' नीलम सिंह और पवन सिंह की शादी 2014 में हुई थी और शादी के तीन महीने बाद ही नीलम ने आत्महत्या कर ली थी। उस वक्त पवन सिंह पर कई आरोप लगे कि एक्टर की अनदेखी की वजह से नीलम डिप्रेशन का शिकार हो गई थीं और उन्होंने अकेले रहने के बजाय जान देना सही समझा।

विजय देवरकोंडा ने शादी में नहीं बुलाया तो नाराज हुई नन्ही फैन, एक्टर ने लंच पर बुला लिया घर

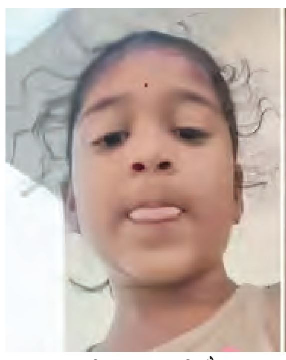

हाल ही एक नन्ही फैन विजय देवरकोंडा से इसलिए नाराज हो गई क्योंकि एक्टर ने उसे न तो शादी में बुलाया और ना ही रिसेप्शन में। उसने एक वीडियो पोस्ट पर विजय से शिकायत की। एक्टर की नजर पड़ी तो नन्ही फैन को लंच पर घर बुला लिया और कहा कि अपनी फेवरेट चीजें बताओ। उन्हें पकाकर घर पर खाएंगे।

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने 26 फरवरी को शादी की थी, जिसके बाद उन्होंने 4 मार्च को हैदराबाद में ग्रैंड वेडिंग रिसेप्शन रखा था। इसमें साउथ से लेकर बॉलीवुड तक के सितारे शामिल हुए थे। यही नहीं, शादी के बाद विजय और रश्मिका ने कई शहरों में न सिर्फ मिठाइयां बंटवाईं, बल्कि मंदिरों में भी अन्नदान किया। लेकिन विजय देवरकोंडा की एक नन्ही फैन उनसे नाराज है और वो भी इसलिए क्योंकि एक्टर ने उसे अपनी शादी में नहीं बुलाया। नन्ही फैन ने नाराजगी सोशल मीडिया पर जाहिर की। विजय देवरकोंडा की नजर जब फैन पर पड़ी, तो उन्होंने उसे अपने घर लंच पर बुला लिया और साथ ही उसकी फेवरेट डिशेज के बारे में पूछा। एक्टर के इस जेस्चर ने फैंस का दिल जीत लिया है।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने वेडिंग रिसेप्शन में करीबी दोस्तों को भी बुलाया था, पर एक नन्ही फैन को बुरा लग गया क्योंकि उसे नहीं बुलाया गया।

उसने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह विजय देवरकोंडा से शिकायत करती दिखी। उसने एक्टर से पूछा कि उसे शादी में क्यों नहीं बुलाया गया। वीडियो में वह बोली, 'विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना, क्या मैं आपकी फैन नहीं? हमारा क्या?'

बॉलीवुड में 8 घंटे की शिफ्ट को लेकर छिड़ी बहस करीना और अनन्या ने भी दिया बड़ा बयान

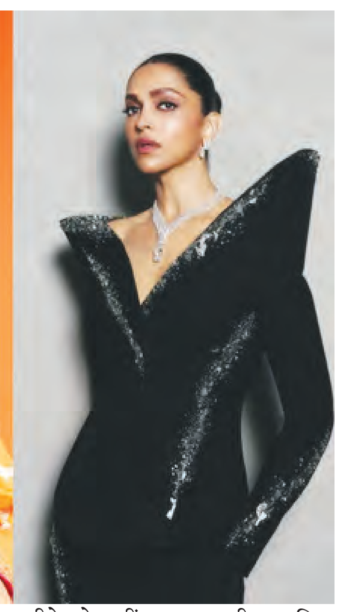

बॉलीवुड में शिफ्ट टाइमिंग को लेकर अब नए बयान सामने आ रहे हैं। बीते दिनों एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने सोशल लाइफ और वर्क लाइफ बैलेंस करने के लिए 8 घंटे की शिफ्ट की मांग की थी। अब करीना कपूर खान और अनन्या पांडे भी उनके समर्थन में सामने आई हैं।

शिफ्ट टाइमिंग पर क्या बोलीं करीना

द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में करीना कपूर ने कहा, 'अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे हैं, और एक महिला के तौर पर आप उन्हें समय देना चाहती हैं, तो आपको यह कहने का अधिकार होना चाहिए कि आप कितने घंटे काम कर सकती हैं। फिल्म शुरू होने से पहले ही यह साफ कर देना बिल्कुल ठीक है। सबसे जरूरी बात है ईमानदारी।'

करीना ने यह भी माना कि हर चीज हमेशा प्लान के मुताबिक नहीं चलती। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी कुछ दिन ऐसे भी आते हैं जब चीजें योजना के अनुसार नहीं होतीं। ऐसे में थोड़ा लचीलापन भी जरूरी होता है। हर चीज बिल्कुल तय तरीके से नहीं चल सकती, इसलिए आपसी समझ होना बहुत जरूरी है।' वहीं 27 साल की अनन्या पांडे ने भी दीपिका का समर्थन करते हुए कहा कि उन्होंने दीपिका के साथ काम किया है और पहले कभी उन्होंने इस तरह की कोई मांग नहीं की थी।

अनन्या ने कहा, 'मैंने दीपिका के साथ काम किया है। मां बनने से पहले ऐसा कुछ नहीं था। वह समय पर आती थीं, वर्कशॉप में हिस्सा लेती थीं और कभी शिकायत नहीं करती थीं।

लेकिन अब वह मां बन चुकी हैं और अपने बच्चे के शुरुआती दो वर्षों में उसके साथ रहना चाहती हैं।'उन्होंने आगे कहा कि इस तरह की स्थिति में प्रोड्यूसर के साथ बातचीत कर संतुलन निकाला जा सकता है। 'मुझे लगता है कि प्रोड्यूसर के साथ बैठकर काम और परिवार के बीच बैलेंस निकाला जा सकता है। यह ऐसी चीज है जिसे आपसी समझ से संभाला जा सकता है।'

एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी को दुबई में शख्स ने मारा थप्पड़

सड़क में रोते-बिलखते सुनाई आपबीती, बोलीं- मेरा पीछा किया जा रहा है, पुलिस मदद नहीं कर रही

अपने बोल्ड कपड़ों और बयानों से विवादों में रहने वालीं एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी को हाल ही में दुबई में एक शख्स ने थप्पड़ मार दिया। ये घटना दुबई की एक सड़क में हुई, जिसके बाद एक्ट्रेस ने रोते हुए एक वीडियो जारी कर पूरी आपबीती सुनाई है।

खुशी मुखर्जी ने शनिवार को ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो जारी करते हुए लिखा है, ;कुछ लोग बिना किसी वजह के पुरानी दुश्मनी निकाल रहे हैं। इस बार ऐसा लग रहा है जैसे मैं अकेली हूं और पूरी दुनिया मेरे खिलाफ है। पुलिस भी कोई मदद नहीं कर रही। थाना खाली रहता है, लेकिन महिला अधिकारी भी कार्रवाई करने से हिचक रही हैं। खैर, दुबई भी अलग नहीं है। लगता है पूरी दुनिया हमें शरिया कानून मानने के लिए दबा रही है।'

वीडियो में खुशी रोते हुए कह रही हैं, 'ऐसा लग रहा है जैसे सड़क में चलना कोई जुर्म हो। बाइक पर जाते हुए उसने मुझे बहुत जोर से मारा। पुलिस स्टेशन में जाकर भी क्या होगा। रोड पर कैमरा तो लगे नहीं हैं। मैं जिंदगी से तंग आ चुकी हूं। कहीं पर भी जाती हूं, लोग मेरा पीछा करते हैं। क्रिमिनल जैसे दिखने वाले लोग।'

अल्लू अर्जुन ने पत्नी स्नेहा को 15वीं एनिवर्सरी पर तोहफे में दी 1.81 करोड़ की लग्जरी कार

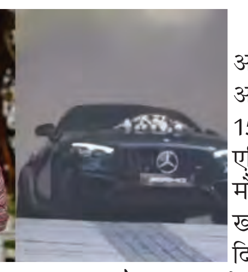

'पुष्पा' एक्टर अल्लू अर्जुन ने अपनी पत्नी को 15वीं वेडिंग एनिवर्सरी के मौके पर एलग खास तोहफा दिया है। जिसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर दी है। 6 मार्च को कपल ने अपनी शादी की सालगिरह मनाई और एक-दूसरे को प्यार-भरी शुभकामनाएं भी दी। एक्स हैंजल पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्होंने पत्नी को लग्जरी कार गिफ्ट में दी है। इस दौरान दोनों बच्चे भी दिखाई दे रहे हैं और सभी के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिल रही है।

अल्लू अर्जुन ने जो वीडियो एक्स हैंडल पर शेयर किया है, उसमें उनके धर के गैराज में एक काली रंग की मर्सिडीज सजी-धजी खड़ी दिखाई देती है। इसके बाद एक्टर अपनी पत्नी को कार की चाबी देते हैं और पिता अल्लू अरविंद के साथ बच्चे अयान-अरहा भी खुशी से झूमते दिखते हैं। स्नेहा इस सरप्राइज से एकदम शॉक्ड हो जाती हैं। और एक्साइटमेंट में पति के गाल पर किस कर देती हैं। बताया जा रहा है कि इस कार की कीमत 1.81 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

सिंगर श्रेया घोषाल ने पंजाबी गानों का मजाक उड़ाया

बोलीं- इनमें सिर्फ कार-बंगला और लड़कियां, दिखावा ज्यादा; हाथ के इशारे भी फनी बताए

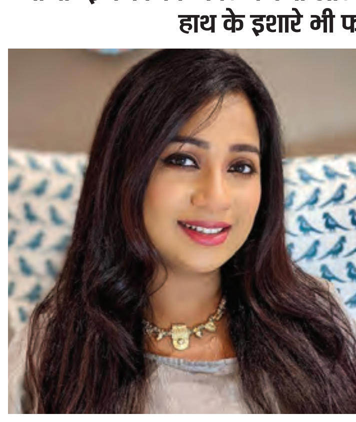

मशहूर बॉलीवुड सिंगर श्रेया घोषाल ने एक पॉडकास्ट में पंजाबी गानों का मजाक उड़ाया है। श्रेया ने कहा कि पंजाबी गानों में कार, बंगला और लड़कियों की बात ही होती है। इसके अलावा श्रेया घोषाल ने हाथ से इशारे कर सिंगरों के स्टाइल का भी मजाक बनाया। श्रेया ने कहा कि ज्यादातर पॉपुलर गानों का सब्जेक्ट भी एक जैसा ही होता है। श्रेया का यह वीडियो सामने आते ही वह पंजाबियों के टारगेट पर आ गईं। सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल करते हुए पंजाबियों ने कहा कि उनके सॉन्ग नहीं चल रहे तो इसकी वजह से वह ऐसा कह रही हैं। पंजाबियों ने मेहनत कर कार-बंगले बनाए हैं। जब बराबरी नहीं होती तो बदनामी शुरू कर दो।

एक ही परिवार में 2 बच्चों की हार्ट अटैक से मौत

कम उम्र में धड़कन क्यों छोड़ रही साथ - डॉक्टर्स क्या कहते हैं

बांसवाड़ा, 8 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 23 फरवरी 2026 को नागौर में 9 साल की मासूम दिव्या स्कूल में दूसरे बच्चों के साथ खेल रही थी। अचानक जमीन पर गिरी। हॉस्पिटल ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। दिव्या को दिल का दौरा पड़ा था। 5 दिन बाद बांसवाड़ा के सज्जनगढ़ में 12वीं क्लास में पढ़ने वाली पूजा मीणा बोर्ड परीक्षा देने जाते समय अचानक रास्ते में बेहोश होकर गिर गई। उसकी मौत हो गई। बताया गया कि उसकी मौत भी हार्ट अटैक से ही हुई थी।

इन घटनाओं ने हर घर में बेचैनी बढ़ा दी है। दो सवाल मन में उठ रहे हैं- कम उम्र में दिल कमजोर क्यों हो रहा है? मासूमों को हार्ट अटैक से बचाने के लिए क्या किया जा सकता है? इन सवालों के जवाब जानने के लिए भास्कर ने दोनों बच्चियों के घरवालों से बात की। उनकी मेडिकल हिस्ट्री, डेली रूटीन के बारे में जाना। साथ ही राजस्थान और दिल्ली के टॉप कार्डियोलॉजी एक्सपर्ट्स से बात की। नागौर के गोटन कस्बे के पास ही टालनपुर गांव के रहने वाले किसान राजेंद्र बापेडिया की 9 साल की बेटी दिव्या गोटन प्राइवेट स्कूल में पांचवीं क्लास की स्टूडेंट थी। 23 फरवरी की सुबह वो रोज की तरह स्कूल आई थी।

प्रेयर शुरू होने में समय था। ऐसे में दिव्या भी दूसरे बच्चों के साथ ग्राउंड में खेल रही थी। खेलते समय अचानक दिव्या बेहोश होकर गिर पड़ी। स्कूल स्टाफ ने परिवार वालों को सूचना देने के साथ ही दिव्या को बिना देर किए गोटन के राजकीय हॉस्पिटल पहुंचाया गया। वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गोटन हॉस्पिटल के प्रभारी डॉक्टर सुखराम बेरवाल ने बताया कि दिव्या के शरीर पर किसी प्रकार की बाहरी चोट के निशान नहीं थे। बच्ची को पहले से कोई बीमारी भी नहीं थी। प्राइमरी इन्वेस्टिगेशन में सामने आया कि कार्डियक अरेस्ट से उसकी मौत हुई थी। परिजनों ने पोस्टमॉर्टम नहीं करवाया था। हमें बाद में पता चला कि 4 महीने पहले इसी तरह दिव्या के भाई अभिषेक की भी मौत हुई थी। ऐसे में हो सकता है कि ये जेनेटिक मेडिकल प्रॉब्लम हो। हमने पूरे परिवार को कार्डियोलॉजी की जांचें करवाने को कहा है।

ताऊ ने बताया दोनों बच्चों की नहीं थी मेडिकल हिस्ट्री

डॉक्टर से बात करने के बाद रिपोर्टर ने दिव्या के ताऊ विनोद बापेडिया से बात की। उन्होंने बताया कि 4 महीने में उनके भाई राजेंद्र के 2 बच्चों की हार्ट अटैक से मौत हो गई। 9 सितंबर 2025 को दिव्या के बड़े भाई 16 साल के अभिषेक की नींद में हार्ट अटैक से मौत हो गई थी।

विनोद ने बताया कि दिव्या और अभिषेक का रूटीन आम बच्चों की तरह ही था। दोनों कहीं से कमजोर नहीं थे। आम तौर पर होने वाले वायरल बुखार और सर्दी-जुकाम के अलावा कोई मेडिकल हिस्ट्री नहीं थी। जहां तक डाइट की बात है तो घर में बनने वाली गेहूं और बाजरे की रोटी व सब्जियां ही खाते थे। ज्यादा जंक फूड या बाहरी आइटम भी नहीं खाते थे। बांसवाड़ा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सागवा की 12वीं की स्टूडेंट 18 साल की पूजा मीणा प्रतापगढ़ के नया खेड़ा गांव की रहने वाली थी। सागवा में हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। 28 फरवरी 2026 को उसका कृषि विज्ञान का पेपर था। सहेलियों के साथ एग्जाम सेंटर जा रही थी।

रास्ते में पूजा को चक्कर आया और वह बेहोश हो गई। सज्जनगढ़ हॉस्पिटल ले जाया गया। डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि उसे हार्ट अटैक आया था। इस बारे में हमने सज्जनगढ़ एसएचओ धनपत सिंह से बात की। उन्होंने बताया कि प्राइमरी तौर पर डॉक्टर्स ने इसे हार्ट अटैक ही माना है। हालांकि मेडिकल टीम ने पोस्टमॉर्टम किया है। ज्यादा डिटेल्स रिपोर्ट आने पर पता चलेगी। इसके बाद हमने पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर सुनील माइडा से बात की। उन्होंने बताया कि कार्डियक अरेस्ट हुआ था। इसी वजह से मौत हो गई। हालांकि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा कि अचानक कार्डियक अरेस्ट की वजह क्या थी।

पिता बोले- 2 साल पहले खून की कमी हुई थी, जो ठीक भी हो गई

हॉस्टल वार्डन प्रियंका चरपोटा ने बताया कि पूजा 2 साल से उनके हॉस्टल में थी। छुट्टियों में अपने गांव जाती थी। उसकी कभी भी कोई मेडिकल हिस्ट्री सामने नहीं आई। न ही कभी तबीयत खराब हुई। वो भी दूसरे बच्चों की तरह ही हॉस्टल में बना सिंपल खाना खाती थी। एग्जाम के चलते रात 10-11 बजे सो जाती थी और सुबह 5 बजे उठ जाती थी। डेली रूटीन और डेली डाइट प्लान नॉर्मल ही था। पूजा के पिता बंशीलाल मीणा ने बताया कि उनके परिवार में कभी किसी को हार्ट प्रॉब्लम नहीं हुई। पूजा की भी कोई मेडिकल हिस्ट्री नहीं रही। हालांकि उसे दसवीं क्लास में पढ़ने के दौरान एक बार शरीर में खून की कमी की प्रॉब्लम हुई थी, जो ट्रीटमेंट के बाद ठीक हो गई थी। इसके अलावा कोई प्रॉब्लम नहीं हुई थी।

सीकर में टिफिन खोलते बच्ची की मौत

16 जुलाई 2025 को सीकर जिले के दांतारामगढ़ में उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर स्कूल में चौथी कक्षा में पढ़ने वाली 9 वर्ष की प्राची कुमावत इंटरवल में टिफिन खोलते समय जमीन पर गिर गई थी। उसे सरकारी हॉस्पिटल ले गए। इलाज के कुछ समय बाद बच्ची नॉर्मल हो गई थी। डॉक्टर ने उसे सीकर हॉस्पिटल ले जाने की सलाह दी। सीकर ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। उस समय दांतारामगढ़ सीएचसी प्रभारी डॉ. आर के जांगिड़ ने बताया था कि प्राची को बेहोशी की हालत में लाया गया था। उसे कार्डियक अरेस्ट आया था। प्राथमिक इलाज के बाद उसे सीकर रेफर किया गया था। प्राची के दादा रामेश्वर कुमावत ने तब बताया था कि उनकी पोती को कोई बीमारी नहीं थी। कुछ दिनों से सर्दी-जुकाम था। वह रोजाना स्कूल जाती थी।

हार्ट अटैक के केसेज को लेकर मेडिकल एक्सपट्र्स की राय

कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ डॉक्टर हरिमोहन मीणा कहते हैं- बच्चों में अचानक कार्डियक अरेस्ट के मामले दुर्लभ होते हैं, लेकिन पूरी तरह असंभव नहीं हैं। कई मामलों में अस्थमेटिक अटैक भी अचानक सांस रुकने या बेहोशी जैसी स्थिति पैदा कर सकता है। ऐसे में शुरुआत में लोगों को यह हार्ट अटैक या कार्डियक अरेस्ट जैसा लग सकता है। अस्थमा के तेज अटैक के दौरान फेफड़ों की नलियां अचानक सिकुड़ जाती हैं। इससे सांस लेने में गंभीर दिक्कत, सीने में जकड़न और ऑक्सीजन की कमी होने लगती है। ऐसे मामलों में सही कारण का पता लगाने के लिए पोस्टमॉर्टम और मेडिकल जांच बेहद जरूरी होती है। कई बार यह समस्या जन्मजात दिल की बीमारी, दिल की मांसपेशियों की कमजोरी या हार्ट रिदम से जुड़ी गड़बड़ी की वजह से भी हो सकती है, जिसका पहले से पता नहीं चल पाता।

कई बार बच्चों में दिल से जुड़ी कुछ समस्याएं जन्म से ही मौजूद होती हैं, लेकिन उनके कोई स्पष्ट लक्षण सामने नहीं आते। ऐसे मामलों में अचानक अत्यधिक शारीरिक गतिविधि, दौड़ना या खेलते समय दिल की धड़कन अनियमित हो सकती है, जिससे अचानक कार्डियक अरेस्ट का खतरा बढ़ जाता है। कई मामलों में यह समस्या दिल की मांसपेशियों की बीमारी (कार्डियोमायोपैथी), दिल की धड़कन की अनियमितता या जन्मजात हृदय रोग के कारण भी हो सकती है। डॉ. मीणा का कहना है कि यदि किसी बच्चे को खेलते समय अचानक चक्कर आए, बेहोशी हो, सांस लेने में तकलीफ या सीने में दर्द महसूस हो तो इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और तुरंत मेडिकल जांच करानी चाहिए। नियमित हेल्थ चेकअप और हार्ट स्क्रीनिंग से कई गंभीर जोखिमों को समय रहते पहचाना जा सकता है।

लाइफ स्टाइल में बदलाव भी बड़ी वजह

लोकसभा स्पीकर के वेलफेयर ऑफिसर डॉक्टर सौरभ शर्मा का कहना है कि बच्चों में कार्डियक अरेस्ट के रेयर केस होते हैं। हाल में जो सामने आया है उसकी मुख्य वजह तो लाइफस्टाइल में आया बदलाव ही है। दरअसल आज-कल हर बच्चे के खाने में जंक फूड व हाई साल्टेड के साथ ही हाई ऑयल्ड खाना शामिल हैं। इसके चलते ही न सिर्फ उनका ब्लड गाढ़ा हो रहा है, बल्कि फैट भी बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा पोस्ट कोविड के बाद इंफेक्शन और वायरल की वजह से भी कई बार ब्लड के गाढ़ा पड़ने व ब्लड सप्लाई में दिक्कत की बातें सामने आई हैं। कम उम्र के लोगों में ये एक पोस्ट कोविड इफेक्ट का ट्रेंड बना है।

इसकी वजह से दिल जोर-जोर से धड़कने लगता है। हार्ट बीट कभी बढ़ जाती है तो कभी इसकी रिदम थम जाती है। इसी वजह से अचानक कार्डियक अरेस्ट होने के मामले सामने आते हैं। हालांकि कार्डियक अरेस्ट की दूसरी वजहें भी हो सकती हैं।

लखपति दीदी अभियान से छत्तीसगढ़ की महिलाएं लिख रहीं आत्मनिर्भरता की नई कहानी : सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर, 8 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रायपुर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'लखपति दीदी संवाद' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं और लखपति दीदियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की महिलाएं आज मेहनत, आत्मविश्वास और नवाचार के बल पर नई पहचान बना रही हैं और राज्य सरकार उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है।

कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई हजारों महिलाएं शामिल हुईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है और जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है। उन्होंने कहा कि पहले महिलाएं घरों तक सीमित रहती थीं, लेकिन अब स्व-सहायता समूहों के माध्यम से वे आर्थिक रूप से मजबूत बन रही हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर छत्तीसगढ़ में 10 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से करीब 8 लाख महिलाएं पहले ही इस मुकाम तक पहुंच चुकी हैं। अब राज्य में 10 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य तय किया गया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गांवों में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कर चुकी है और इनके निर्माण में बिहान से जुड़ी महिलाएं भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन योजना के तहत लगभग 70 लाख माताओं-बहनों को 24 किश्तों में 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है, जबकि इस वर्ष के बजट में इसके लिए 8,200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लखपति दीदी योजना के माध्यम से प्रदेश की लाखों महिलाएं आत्मनिर्भर बनी हैं और अब लखपति दीदी भ्रमण योजना के तहत उन्हें देश-प्रदेश के प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों और शक्ति पीठों का भ्रमण कराया जाएगा। इसके अलावा पंचायत विभाग द्वारा 250 महतारी सदनों के निर्माण तथा आंगनबाड़ी और पोषण योजनाओं के लिए भी बजट में प्रावधान किया गया है। बालिकाओं को आर्थिक सुरक्षा देने के उद्देश्य से रानी दुर्गावती योजना शुरू करने की भी घोषणा की गई, जिसके तहत 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर 1.5 लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे।

होटल में बाइक सवार अपराधियों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग, वेटर की मौत

रांची, 8 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी रांची में अपराधियों का दुस्साहस एक बार फिर सामने आया है। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के कुतियातु चौक स्थित होटल टीटॉस में बाइक सवार अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस घटना में होटल का वेटर मनीष गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो बाइक पर सवार हथियारबंद अपराधी अचानक होटल के पास पहुंचे और परिसर में घुसकर करीब तीन से चार राउंड फायरिंग कर दी। गोलीबारी की आवाज सुनते ही होटल में मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

घटना के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही एयरपोर्ट थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल वेटर मनीष को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल से गोली के खोखे बरामद किए हैं और मामले की जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके।

पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में एक मुख्य संदिग्ध की पहचान कर ली गई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है, वहीं पुलिस ने क्षेत्र में नाकेबंदी कर अपराधियों की तलाश तेज कर दी है।

टाटा स्टील गेट के पास खड़ी तीन बाइकों में लगी आग, मची अफरा-तफरी

जमशेदपुर, 8 मार्च (एजेंसियां)। जमशेदपुर में टाटा स्टील के डब्ल्यूएसओ गेट के समीप अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गयी . इस घटना में वहां खड़ी तीन बाइकें जलकर पूरी तरह राख हो गयी. गनीमत यह रही कि समय रहते टाटा स्टील के अग्निशमन दस्ते ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया. जिससे पास ही खड़े दर्जनों अन्य वाहन इसकी चपेट में आने से बच गये. जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) कार्यालय की ओर जाने वाले मार्ग पर टाटा स्टील का नया गेट खुला है. कंपनी के कर्मचारी अक्सर अपने वाहनों को गेट के बाहर पार्क कर ड्यूटी पर जाते हैं. शनिवार को अचानक पार्क किये गये वाहनों में आग की लपटें उठने लगीं.

महिला दिवस स्पेशल: 25 साल में जो नहीं बदला

उसे बदलने में 250 साल और लगेंगे

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। बतौर पत्रकार मुझे नौकरी करते हुए 25 साल हो चुके हैं। पच्चीस साल किसी भी समाज को बदलने के लिए कम वक्त नहीं होता। इस दौरान मैंने महिलाओं के लिए समाज को बदलते भी देखा है और कई जगह बिल्कुल ज्यों का त्यों जमे हुए भी। कुछ दरवाजे खुले हैं, कुछ खिड़कियां भी खुली हैं, लेकिन कई दीवारें आज भी उसी मजबूती से खड़ी हैं जैसे पहले थीं। कई ऐसे काम थे, जिन्हें करने की पहले महिलाओं को 'इजाज़त' नहीं थी। अब वे काम वे कर रही हैं, उसमें आगे भी बढ़ रही है। नए रास्ते खुले हैं, नई आकांक्षाएं जन्मी हैं और नई पीढ़ी की लड़कियां उन सपनों को जी भी रही हैं। लेकिन इसके साथ ही कुछ चीजें ऐसी हैं जो मानो समय के किसी कोने में फाइल बनकर रख दी गई हों। सदियों से पड़ी हैं और कोई उन्हें खोलने की जल्दी में नहीं है।

'महिलाओं की स्थिति में कई बड़े बदलाव आए'

पिछले पच्चीस साल में भारतीय महिलाओं की स्थिति में कई बड़े बदलाव आए हैं। अगर आंकड़ों की भाषा में बात करें तो तस्वीर काफी चमकदार लगती है। आज भारत में एसटीईएम यानी विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित की पढ़ाई करने वालों में 43 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह दुनिया में सबसे अधिक है। एक समय था जब इंजीनियरिंग कॉलेजों में लड़कियों की गिनती ऐसे की जाती थी जैसे किसी दुर्लभ प्रजाति की गिनती हो रही हो। आज वही लड़कियां लैब में रिसर्च कर रही हैं, पेटेंट ले रही है और टेक कंपनियों में बड़े पदों पर बैठी है।

'पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी 46 प्रतिशत तक पहुंच गई'

राजनीति में भी बदलाव आया है। पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी 46 प्रतिशत तक पहुंच गई है। गांव की चौपालों में जहां कभी महिलाओं की आवाज़ सुनाई नहीं देती थी, आज वहां वे सरपंच और पंच के रूप में फैसले ले रही हैं। लोकतंत्र की इस तस्वीर को

देखकर लगता है कि बदलाव सचमुच हो रहा है। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में भी बहुत कुछ बदला है। पहले लड़कियों की पढ़ाई को अक्सर शादी तक का इंतज़ाम समझा जाता था। अब वे पीएचडी कर रही हैं, विदेशों में पढ़ रही हैं, स्टार्टअप शुरू कर रही हैं और कॉरपोरेट बोर्डरूम तक पहुंच रही हैं। पत्रकारिता, सेना, खेल, अंतरिक्ष, पुलिस, टेक्नोलॉजी, लगभग हर क्षेत्र में महिलाओं की मौजदगी बढ़ी है।

'इंटरनेट ने महिलाओं की आवाज को मंच दिया'

तकनीक ने भी उन्हें नई ताकत दी है। इंटरनेट ने आवाज को मंच दिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने कमाई के रास्ते खोले है। घर बैठे कारोबार खड़ा करने की कहानियां अब अपवाद नहीं रहीं। बहुत-सी महिलाएं आज आर्थिक रूप से स्वतंत्र हैं। अगर इन सबको देखें तो लगेगा कि समाज ने आखिरकार समझ लिया है कि आधी आबादी को आधा मौका देना ही पड़ेगा। लेकिन यहीं पर कहानी में एक छोटा सा ट्विस्ट आता है। वही ट्विस्ट जिसे इकॉनमिस्ट मॉर्गन हाउसेल अपनी किताब 'Same as Ever' में बताते हैं। दुनिया बदलती है, लेकिन कुछ चीजें अजीब जिद्दी होती हैं। वे बदलने से इनकार कर देती हैं।

'घर के काम की कोई सैलेरी नहीं होती'

महिलाओं के मामले में भी यही सच सामने आता है। सबसे पहले बात करते हैं घर के उस काम की जो दुनिया का सबसे बड़ा उद्योग है लेकिन जिसकी कोई सैलरी नहीं होती। आंकड़े बताते हैं कि भारतीय महिलाएं घरेलू कामों पर पुरुषों की तुलना में औसतन 577 प्रतिशत अधिक समय खर्च करती है यानी अगर घर एक कंपनी होता तो महिलाएं उसकी फुल टाइम सीईओ, मैनेजर, वर्कर और सपोर्ट स्टाफ सब कुछ होतीं और उनकी सैलरी होती शून्य।

पच्चीस साल पहले भी यही हाल था और आज भी लगभग यही सीन है। फर्क बस इतना है कि अब महिलाएं ऑफिस भी जाती है और घर लौटकर वही अनपेड ओवरटाइम भी करती है। मतलब काम डबल हो चुका है। वर्कप्लेस यानी ऑफिसों में भी बराबरी की कहानी पूरी नहीं हुई है। भारत में लिंग वेतन अंतर आज भी लगभग 27 प्रतिशत के आसपास बना हुआ है।

इसका मतलब यह है कि एक जैसी काबीलियत, एक जैसे काम और बराबर घंटे देने के बावजूद महिलाओं की तनख्वाह में कहीं न कहीं वह अदृश्य कैंची चल ही जाती है जो पुरुषों की सैलरी स्लिप तक नहीं पहुंचती। और फिर आती है 'ग्लास सीलिंग'। वह अदृश्य छत जो महिलाओं को ऊपर तक जाते देखते हुए अचानक कह देती है कि बस, यहां तक। इससे आगे नहीं। लेकिन असली कहानी इन आंकड़ों से भी ज्यादा रोजमर्रा की जिंदगी में दिखाई देती है।

एक कामकाजी महिला सुबह ऑफिस जाने से पहले घर का काम निपटाती है। शाम को लौटती है तो दूसरा शिफ्ट शुरू हो जाता है। समाज इसे बड़ी आसानी से मंजूर करता है। मानो यह कोई नेचुरल प्रोसेस हो। किसी पुरुष से यह शायद ही पूछा जाता है कि वह घर और ऑफिस के काम में कैसे बैलेंस बनाते हैं। लेकिन महिलाओं से यह सवाल लगभग हर इंटरव्यू का हिस्सा होता है। सुरक्षा की चिंता भी अब तक खत्म नहीं हुई।

नैशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के आंकड़े बताते है कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों की रिपोर्टिंग बढ़ी है। इसे कुछ लोग जागरूकता का संकेत बताते हैं और यह सही भी है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि डर अब भी सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा है। आज भी कई घरों में लड़कियों के लिए एक अदृश्य टाइम टेबल होता है। कितने बजे घर लौटना है, कहां जाना है, किसके साथ जाना है।

आजादी की लिमिट आज भी अक्सर सुरक्षा के नाम पर तय कर दी जाती है। पितृसत्ता की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह केवल कानूनों में नहीं रहती, वह आदतों में रहती है। वह भाषा में रहती है। वह उम्मीदों में रहती है। आज भी कई घरों में बेटी की कामयाबी पर गर्व तो होता है, लेकिन फैसले का अधिकार किसी और के पास रहता है।

महिलाओं से उम्मीद की जाती है कि वे कामयाब भी हों और पारंपरिक भी रहें। महत्वाकांक्षी हों लेकिन बहुत ज्यादा नहीं। स्वतंत्र हों लेकिन इतनी भी नहीं कि सिस्टम हिल जाए। ऑफिस तो जाए, कमाए, लेकिन घर आकर खाना भी बनाए, बच्चे भी देखे। यानी बदलाव हुआ है और काफी हुआ है लेकिन समाज की कुछ बेड़ियां अभी भी ढीली होकर खनकती भर हैं, टूटी नहीं है।

कभी-कभी यह असमानता इतनी रोजमर्रा की होती है कि हमें दिखती ही नहीं। एक साधारण-सा उदाहरण लीजिए। अगर किसी दफ्तर में देर तक काम करने वाला पुरुष दिख जाए तो लोग कहते हैं, 'बहुत मेहनती है।' वही काम कोई महिला कर दे तो अगला सवाल तैयार रहता है, 'घर कैसे संभालती होगी?' मानो मेहनत करना पुरुष का गुण है और संतुलन बनाना महिला की जिम्मेदारी।

जगदलपुर में शराब के लिए मांगे 7 हजार: पैसे देने से मना करने पर युवक पर हमला, दो मामलों में चार आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर, 8 मार्च (एजेंसियां)। जगदलपुर के बोधघाट इलाके में तीन आरोपियों ने शराब पीने के लिए 7 हजार रुपये की मांग कर दी। पीड़ित ने जब पैसे देने से मना किया तो आरोपियों ने एकजुट होकर उस पर जानलेवा हमला कर दिया। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं एक अन्य मामले में भी एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। बोधघाट थाना प्रभारी लीलाधर राठौर ने बताया कि 7 मार्च को दो अलग मामलों में प्रार्थियों द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई। पहली शिकायत में बताया गया कि आरोपी आनंद नाग, रितेश विश्वकर्मा और अब्बू उर्फ छबीलाल ने प्रार्थी से शराब पीने के लिए 7 हजार रुपये मांगे। जब प्रार्थी ने पैसे देने से मना किया तो तीनों आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। इसी तरह एक अन्य मामले में प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी विक्रम नाग ने नशे की हालत में गाली-गलौज करते हुए चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आनंद नाग, रितेश विश्वकर्मा और अब्बू उर्फ छबीलाल निवासी मेटगुड़ा जवाहर नगर वार्ड तथा विक्रम नाग निवासी दंतेश्वरी वार्ड को पकड़कर हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने घटना को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल किया गया धारदार हथियार चाकू भी जब्त कर लिया।

चाईबासा में स्वास्थ्य व्यवस्था कागजों तक सीमित

नवजात का शव डब्बे में भरकर लाने को विवश हुए परिजन

रांची, 8 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली एक बार फिर उजागर हुई है। पश्चिमी सिंहभूम जिले में कुछ दिन पहले मृत बच्चे को झोले में ले जाने की घटना से विभाग की किरकिरी हुई थी। अब ताजा मामला चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल से सामने आया है, जहां नवजात शिशु की मौत के बाद परिजनों को उसका शव डब्बे में भरकर घर ले जाने को मजबूर होना पड़ा। जानकारी के अनुसार, कराइकेला थाना क्षेत्र के बंगरासाई निवासी रामकृष्ण हेम्ब्रम ने तीन दिन पूर्व अपनी पत्नी रीता तिरिया को चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया था। रीता तिरिया ने एक बच्चे को जन्म दिया, लेकिन जन्म के कुछ ही समय बाद नवजात की मौत हो गई।

परिजनों का आरोप है कि बच्चे की मौत के बाद अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मियों ने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया और बार-बार रामकृष्ण हेम्ब्रम पर बच्चे का शव घर ले जाने का दबाव बनाने लगे। अस्पताल की ओर से न तो एंबुलेंस की व्यवस्था की गई और न ही शव को सुरक्षित तरीके से ले जाने के लिए कोई अन्य विकल्प बताया गया। मजबूरी में रामकृष्ण हेम्ब्रम अपने नवजात शिशु के शव को एक कूट के डब्बे में रखकर घर ले गए। ग्रामीणों का कहना है कि गांव-देहात से आने वाले मरीजों के साथ अस्पताल कर्मियों का व्यवहार अक्सर ठीक नहीं रहता, जिसके कारण परिजनों को इस तरह की अपमानजनक स्थिति का सामना करना पड़ता है। गौरतलब है कि इससे पहले चाईबासा सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मृत एक बच्चे के शव को नोवामुंडी झोले में ले जाने की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। यह मामला झारखंड हाईकोर्ट तक पहुंचा था, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू की थी।

1000 किलो तक गोल्ड सप्लाई करेगा वेनेजुएला

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच सोने को लेकर एक अहम समझौता हुआ है। इस डील के तहत वेनेजुएला की सरकारी खनन कंपनी मिनरवेन अमेरिकी बाजार के लिए सोने की सप्लाई करेगी। जानकारी के मुताबिक कंपनी 650 किलो से लेकर करीब 1,000 किलो तक गोल्ड बार कमोडिटी ट्रेडर ट्रैफिगुरा को उपलब्ध करवाएगी।

इस विषय में विस्तार से। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच हुए इस डील से उम्मीद की जा रही है कि, अमेरिका तेल के साथ वेनेजुएला के खनिज पर भी अपनी कंट्रोल बढ़ा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार इस समझौते में सोने के बदले वेनेजुएला को डॉलर में भुगतान किया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस सौदे से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल देश के विकास कार्यों में किया जा सकता है।

इस समझौते के तहत सप्लाई किए जाने वाले गोल्ड बार में करीब 98 प्रतिशत तक शुद्ध सोने की मात्रा होने की शर्त रखी गई है। मिनर्वेन से यह सोना मिलने के बाद कमोडिटी ट्रेडिंग कंपनी इसे अमेरिका तक पहुंचाने की जिम्मेदारी संभालेगी। ट्रैफिगुरा इस सोने को एक अलग व्यवस्था के तहत अमेरिका की रिफाइनरियों तक भेजेगी। जिसके लिए अमेरिकी सरकार के साथ विशेष व्यवस्था की गई है। यह समझौता वेनेजुएला और अमेरिका के बीच बढ़ते व्यापारिक रिश्तों की ओर भी इशारा करता है।

जानकारी के मुताबिक अमेरिका ने वेनेजुएला के सबसे अहम संसाधन तेल पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित कर लिया है। कमोडिटी ट्रेडिंग कंपनी ट्रैफिगुरा वेनेजुएला में 1 अरब डॉलर से ज्यादा के तेल कॉन्ट्रैक्ट से भी जुड़ी हुई है।

तेल-गैस के लिए क्या कदम उठाए गए?

नई दिल्ली,8 मार्च(एजेंसियां)। इस्राइल-अमेरिका की तरफ से ईरान पर हमला बोले जाने के बाद से ही पश्चिम एशिया में स्थितियां नाजुक बनी हुई हैं। इस पूरे घटनाक्रम में 4 मार्च (बुधवार) को एक बड़ा मोड़ तब आया, जब अमेरिकी सबमरीन ने हिंद महासागर में ईरान के एक युद्धपोत पर टॉरपीडो से हमला कर दिया और उसे डुबा दिया। इस घटना के चलते संघर्ष का दायरा दक्षिण एशिया तक पहुंच गया, जो कि आमतौर पर पश्चिम एशिया में हुए पिछले सभी संघर्षों से अछूता रहा था। इस घटना ने भारत को भी प्रभावित किया है और भारतीय नौसेना को मामले में बयान जारी करना पड़ा। इस्राइल और अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद तेहरान की तरफ से भी पलटवार किया गया। ईरान ने इस्राइल के साथ-साथ पश्चिम एशिया में उन सभी देशों को निशाना बनाया, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। इनमें संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, बहरीन, सऊदी समेत कई देश शामिल हैं।

इस संघर्ष के दौरान ईरान ने न सिर्फ सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें दागीं, बल्कि ड्रोन्स के जरिए इन देशों में मौजूद तेल रिफाइनरियों, गैस उत्पादन प्लांट्स और समुद्र में आवाजाही के लिए इस्तेमाल होने वाले तेल टैंकरों को भी तबाह किया गया। नतीजतन यूरोप से लेकर भारत-चीन समेत एशिया के बड़े देशों में ऊर्जा संकट पैदा हुआ है। कतर, सऊदी समेत कई देशों ने अपने तेल-गैस के भंडारों पर हमला होने की वजह से इनका संचालन ठीक ढंग से न हो पाने का हवाला दिया है। इसी एवज में भारत को भी फोर्स मैज्योर का नोटिस दिया गया है, जिसके तहत भारत से गैस खरीद के समझौते को अस्थायी रूप से रोकने की बात कही गई है। इसके अलावा ईरान ने हाल ही में दुनियाभर की 20 फीसदी तेल की आवाजाही के लिए जिम्मेदार होर्मुज जलडमरूमध्य को भी बंद कर दिया, जिसका असर यह हुआ कि यहां से ईंधन के टैंकरों को निकलने से रोक दिया गया। नतीजतन भारत के लिए तेल-गैस का एक स्रोत प्रभावित हुआ है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत अपनी जरूरत का लगभग 50% (करीब 26 लाख बैरल प्रतिदिन) कच्चा तेल इसी जलमार्ग के जरिए आयात करता है।

संघर्ष में अब तक क्या रही भूमिका

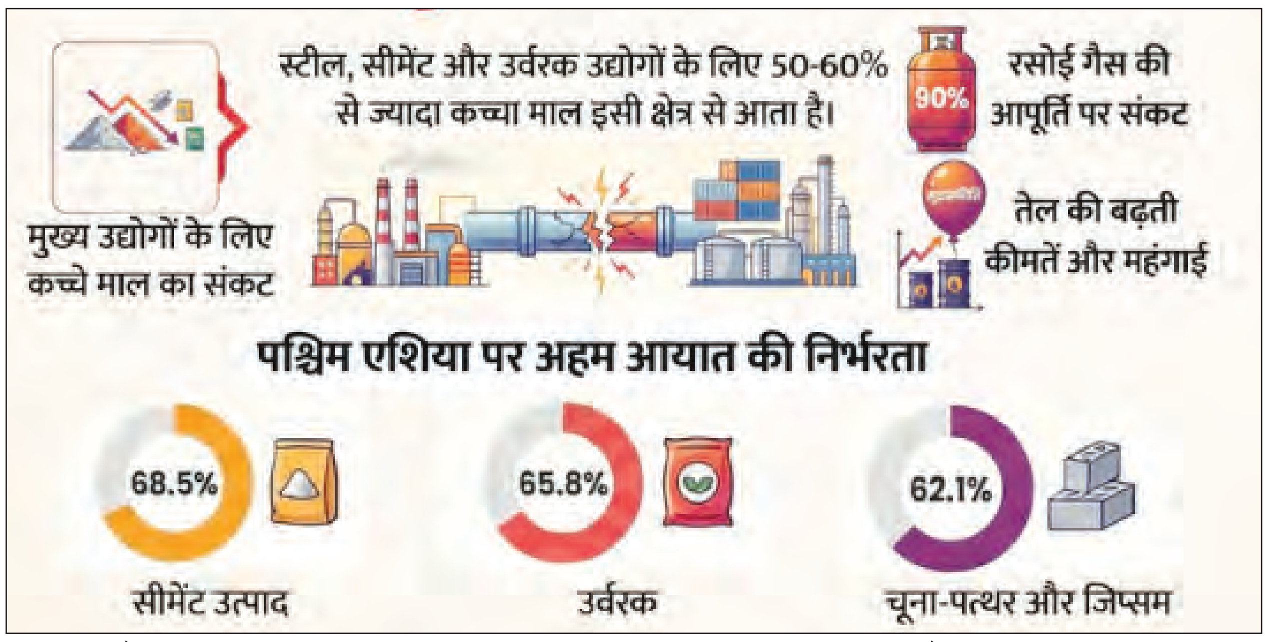

भारतीयों के लौटने का संकट

पश्चिम एशिया के अधिकतर देशों में भारतीय या तो पढ़ाई, रोजगार, व्यापार या फिर पर्यटन के मकसद से जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक, इस पूरे क्षेत्र में करीब 97 लाख भारतीय बसे हैं। इनमें करीब 40 फीसदी तो अकेले संयुक्त अरब अमीरात में ही रह रहे हैं। वहीं, सबसे कम यमन में बसे हैं। युद्ध के कारण इस क्षेत्र में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा खतरे में आई है। संघर्ष के चलते अधिकतर एयरलाइन कंपनियों ने अपनी सेवाओं को कुछ समय के लिए रोक दिया है। इसके अलावा कुछ देशों में लगातार होते हमलों की वजह से लोगों को सुरक्षित क्षेत्र में जाने के लिए कहा गया है। इसके चलते लाखों भारतीय वहां फंस गए हैं। क्या असर और क्योंः भारत अपनी खपत का 90% तेल आयात करता है, और इसके आयातित कच्चे तेल का लगभग आधा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। इसके अलावा, भारत अपनी रसोई गैस (एलपीजी) की 80-85% जरूरत और बिजली व उद्योगों के लिए जरूरी लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) का एक बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों (कतर, सऊदी अरब, यूएई, आदि) से आयात करता है। संघर्ष के कारण इस समुद्री मार्ग से आपूर्ति बाधित होने का गंभीर खतरा है। क्या असर और क्योंः सीमेंट उत्पादन और निर्माण सामग्री के लिए भारत बड़े पैमाने पर पश्चिम एशिया पर निर्भर है। भारत अपने कुल आयात का 68.5% चूना पत्थर और 62.1% जिप्सम इसी क्षेत्र से मंगाता है।

आपूर्ति में किसी भी तरह की बाधा से सीमेंट की कीमतें बढ़ सकती हैं। इसका सीधा असर भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर पड़ सकता है, जो कि बढ़ी हुई दरों के साथ-साथ, परियोजनाओं में देरी से जूझ सकते हैं। इसके अलावा आम लोगों को भी महंगाई का दंश झेलना पड़ सकता है।

पीएनबी की शिकायत पर अनिल अंबानी के खिलाफ एक और केस दर्ज, 1085 करोड़ के फ्रॉड का आरोप

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। अनिल अंबानी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने पीएनबी की शिकायत पर अनिल अंबानी, रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और कंपनी की पूर्व डायरेक्टर के खिलाफ एक और केस दर्ज किया है।

1,085 करोड़ रुपये से ज्यादा के बैंक फ्रॉड के सिलसिले में यह क्रिमिनल केस दर्ज हुआ है।

यह केस 5 मार्च को पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की कम्प्लेंट के बाद दर्ज किया गया। इसमें कर्ज लेने वालों पर 2013 से 2017 के बीच दो पब्लिक सेक्टर लेंडर्स के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया। शिकायत के अनुसार, इस फ्रॉड से पीएनबी और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) को कुल

मिलाकर लगभग 1,085.19 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। यूबीआई का अब पीएनबी में मर्जर हो चुका है। यह एफआईआर मुंबई में पीएनबी की स्ट्रेस्ड एसेट्स मैनेजमेंट ब्रांच के चीफ मैनेजर संतोषकृष्ण अन्नावरपु की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के लिए क्रेडिट फैसिलिटी हासिल करने की साजिश रची। बाद में लोन के पैसे को दूसरी जगह इस्तेमाल किया या उसका गलत इस्तेमाल किया। इस केस में अनिल अंबानी, रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड और इसकी पूर्व डायरेक्टर मंजरी अशोक कक्कड़ को आरोपी बनाया गया है। एफआईआर के मुताबिक, नुकसान में पंजाब नेशनल बैंक को 621.39 करोड़ रुपये और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया को 463.80 करोड़ रुपये का नुकसान शामिल है। एजेंसी को शक है कि कर्ज लेने वालों ने बैंकों से लोन लिया। बाद में लोन की शर्तों और फाइनेंशियल डिसिप्लिन का उल्लंघन किया। इससे अकाउंट्स को नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स के तौर पर क्लासिफाई कर दिया गया। कर्ज लेने वाले की ओर से कथित तौर पर क्रेडिट सुविधाओं की शर्तों का पालन न करने के बाद 2017 में लोन अकाउंट्स को एनपीए घोषित कर दिया गया था।

शेयर बाजार की 'सुनामी' में बहे 2.81 लाख करोड़

एसबीआई को सबसे बड़ा नुकसान, रिलायंस को जबरदस्त फायदा

नई दिल्ली,8 मार्च(एजेंसियां)। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण देश की टॉप कंपनियों को बड़ा नुकसान हुआ। टॉप-10 मूल्यवान कंपनियों में से 8 का संयुक्त मार्केट कैप 2.81 करोड़ रुपये गिर गया। इससे इन कंपनियों के निवेशकों की बड़ी रकम डूब गई।

इस दौरान देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को सबसे ज्यादा घाटा हुआ।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के रिसर्च एसवीपी अजीत मिश्रा के अनुसार पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के कारण बाजार पर बुरा असर पड़ा। पिछले हफ्ते बीएसई सेंसेक्स में 2,368.29 अंकों (2.91%) की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को ही सेंसेक्स 1097 अंक गिरकर 78,918.90 पर बंद हुआ था। पिछले हफ्ते देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से दो ऐसी भी रहीं जिनके

मार्केट कैप में तेजी आई। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंफोसिस शामिल हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 14,750.39 करोड़ रुपये बढ़कर 19,01,583.05 करोड़ रुपये हो गया। वहीं इंफोसिस के मार्केट कैप में 3,459.99 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ और यह 5,30,546.54 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी टॉप पर बनी हुई है। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल,एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो , इंफोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान आता है।

भारत के पास 25 करोड़ बैरल तेल

संकट में कितने दिन चलेगा, ईरान युद्ध खिंचा तो बैकअप प्लान

नई दिल्ली,8 मार्च(एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट के तनाव ने दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया है। यह बढ़ते हुए दूसरे हफ्ते में पहुंच गया है। ऐसे में इस बात को लेकर टेंशन बढ़ गई है कि क्या भारत की एनर्जी सप्लाई काफी है। हाल ही में आई एक सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, देश के पास 25 करोड़ बैरल से ज्यादा क्रूड (कच्चा तेल) और पेट्रोलियम प्रोडक्ट रिजर्व में हैं। ये लगभग दो महीने की डिमांड पूरी करने के लिए काफी हैं। कम्बाइंड रिजर्व देश की एनर्जी सप्लाई चेन में सात से आठ हफ्ते तक कवरेज देता है। इसका अनुमान लगभग 4,000 करोड़ लीटर का है।

ये रिजर्व कई स्टोरेज पॉइंट पर फैले हुए हैं। इसमें मैंगलोर, पादुर और विशाखापत्तनम में मौजूद अंडरग्राउंड स्ट्रैटेजिक गुफाएं शामिल हैं। एएनआई के हवाले से एक रिपोर्ट में बताया गया है कि ज्यादा मात्रा में तेल बड़े डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के हिस्से के तौर पर जमीन के ऊपर स्टोरेज टैंक, पाइपलाइन और ऑफशोर जहाजों में रखा जाता है। रिपोर्ट ने उन दावों को भी खारिज किया कि देश के पास सिर्फ लगभग 25 दिनों का रिजर्व है। कहा कि बड़ी सप्लाई चेन का स्टॉक देश के बफर को काफी बढ़ाता है।

बैकअप प्लान पहले से है रेडी

इसमें कच्चे तेल के इंपोर्ट के तरीके में एक बड़े बदलाव पर भी जोर दिया गया है। अब क्रूड ऑयल की खरीद 40 देशों में अलग-अलग तरह से हो रही है। वहीं, एक दशक पहले यह 27 देशों में होती थी। इस स्ट्रैटेजी को देश के हित में बताया गया है।

भारत होर्मुज स्ट्रेट पर कितना निर्भर?

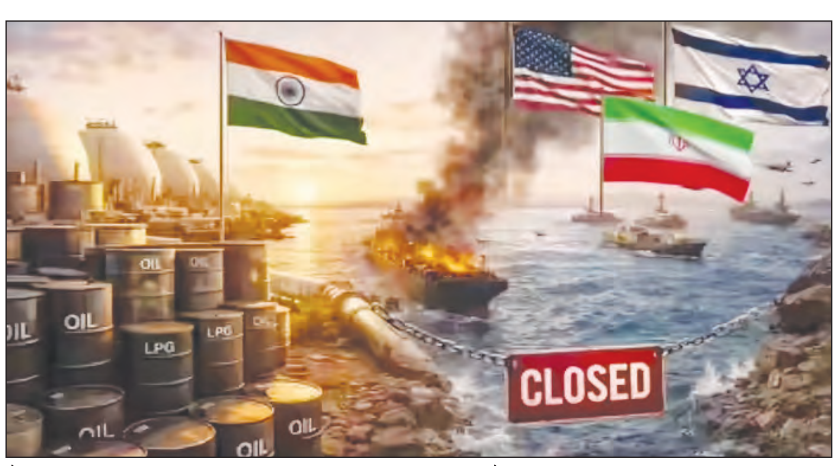

वैसे तो होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे जरूरी तेल ट्रांजिट रूट में से एक है। लेकिन, रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का लगभग 40% क्रूड ऑयल इंपोर्ट इस पतले पानी के रास्ते से होकर गुजरता है। ज्यादातर यानी लगभग 60% दूसरे रास्तों से भारत पहुंचता है। इसमें रूस, पश्चिम अफ्रीका, अमेरिका और मध्य एशिया से सप्लाई आती है।डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि वे दिन गए जब भारत की एनर्जी सिक्योरिटी एक ही समुद्री चोकपॉइंट की स्थितियों से बढ़ती और घटती थी। एक कॉरिडोर में कोई भी रुकावट "मैनेज्ड सोर्सिंग एडजस्टमेंट की ओर ले जाएगी। सप्लाई इमरजेंसी की ओर नहीं।

रूस बना हुआ है सबसे बड़ा सप्लायर

फरवरी 2026 तक रूस भारत का सबसे बड़ा क्रूड ऑयल सप्लायर बना हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि हाल के सालों में जियोपॉलिटिकल दबाव के बावजूद भारत ने जी7 प्राइस कैप नियमों का पालन करते हुए खरीदारी जारी रखी है।डॉक्यूमेंट के अनुसार, भारत रूसी तेल खरीदने के लिए कभी किसी देश की इजाजत पर निर्भर नहीं रहा है। भारत फरवरी 2026 में भी रूसी तेल इंपोर्ट कर रहा था। रूस अभी भी भारत का सबसे बड़ा क्रूड ऑयल सप्लायर है।

ग्लोबल एनर्जी मार्केट में भारत का बड़ा रोल

इसमें हाल ही में अमेरिका से मिली 30-दिन की छूट का भी जिक्र है। इससे रूसी तेल की खरीद जारी रखने की इजाजत मिली है। कहा गया है कि इस कदम से एक ऐसी रुकावट दूर होती है जिसे बनाए रखना कभी किसी के हित में नहीं था। ग्लोबल एनर्जी मार्केट को स्थिर करने में भारत के योगदान को माना गया है।घरेलू मोर्चे पर भारत के इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम ने भी क्रूड ऑयल के इंपोर्ट पर निर्भरता कम की है। 20% ब्लेंडिंग पहल अब हर साल लगभग 4.4 करोड़ बैरल क्रूड ऑयल की जगह लेती है।इस बीच देश की रिफाइनिंग कैपेसिटी बढ़कर 25.8 करोड़ टन प्रति वर्ष हो गई है। यह घरेलू खपत के अनुमानित 21 करोड़ और 23 करोड़ टन प्रति वर्ष के लेवल से ज्यादा है।

भारत ने बनाए रखी फ्यूल सप्लाई

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस कैपेसिटी ने भारतीय रिफाइनरियों को यूरोप को फ्यूल सप्लाई करने में मदद की। यह तब हुआ जब रूसी क्रूड ऑयल पर बैन से उस मार्केट में कमी हो गई थी। इसमें कहा गया है कि भारतीय रिफाइनर किसी फिक्स्ड जगह से फिक्स्ड स्लेट पर निर्भर नहीं हैं जो इस सेक्टर की क्रूड ऑयल सोर्सिंग में फ्लेक्सिबिलिटी को दिखाता है।

भारत को कैसे मिला अपनी स्ट्रैटेजी का फायदा?

पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल से मिले डेटा से इसका पता चलता है।

देश में रिटेल फ्यूल की कीमतें पिछले चार सालों में काफी हद तक स्थिर रही हैं।फरवरी 2022 और फरवरी 2026 के बीच दिल्ली में पेट्रोल की कीमतों में 0.67% की गिरावट आई।इसी दौरान पाकिस्तान में कीमतों में 55% और जर्मनी में 22% की बढ़ोतरी हुई।कीमतें स्थिर रखने के लिए पब्लिक सेक्टर की तेल कंपनियों ने काफी फाइनेंशियल नुकसान उठाया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन फर्मों को पेट्रोल और डीजल पर 24,500 करोड़ रुपये और एलपीजी पर लगभग 40,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसका निष्कर्ष है कि सेक्टर में फैसले अफोर्डेबिलिटी, अवेलेबिलिटी और सस्टेनेबिलिटी के आधार पर लिए जाते हैं। साथ ही यह भी बताया गया है कि पिछले 12 सालों में देश में कोई भी फ्यूल पंप आउटलेट खाली नहीं हुआ है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	कुंभ	मे
चंद्र	तुला	मे
मंगल	कुंभ	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मीन	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
कुंभ....	05-12	बजे
मीन....	06-50	बजे
मेष.....	08-26	बजे
वृष....	10-11	बजे
मिथुन..	12-12	बजे
कर्क...	14-24	बजे
सिंह---	16-36	बजे
कन्या--	18-43	बजे
तुला----	20-48	बजे
वृश्चिक..	22-58	बजे
धनु.....	01-12	बजे
मकर...	03-17	बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-33
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 18-20
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष सोमवार 09 March 2026
तिथि - षष्ठी 23-27 तक उपरान्त सप्तमी
नक्षत्र - विशाखा 16-11 तक उप अनुराधा
योग - व्याघात 07-35 तक उप हर्षण
करण - गर 10-17 तक. वणिज
एकनाथ षष्ठी
सर्वार्थसिद्ध योग 16-11

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-59 से 09-28 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
अमृत	06-33 - 07-59	शुभ
काल	07-59 - 09-28	अशुभ
शुभ	09-28 - 10-58	शुभ
रोग	10-58 - 12-27	अशुभ
उत्पात	12-27 - 13-56	अशुभ
चंचल	13-56 - 15-25	शुभ
लाभ	15-25 - 16-54	शुभ
अमृत	16-54 - 18-20	शुभ

रात का चौघड़िया		
चंचल	18-20 - 19-54	शुभ
रोग	19-54 - 21-25	अशुभ
काल	21-25 - 22-56	अशुभ
लाभ	22-56 - 00-26	शुभ
उत्पात	00-26 - 01-57	अशुभ
शुभ	01-57 - 03-28	शुभ
अमृत	03-28 - 04-59	शुभ
चंचल	04-59 - 06-33	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यवसायिक जिंदगी में क्या चल रहा है । आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
अब आपका हर काम और पूरा ध्यान अपने करियर के लिए है । आप इस पर बिलकुल अपना पूरा ध्यान और समय लगा रहे हैं । आपको थोड़ी सी राहत की जरुरत है और अच्छी बात यह है कि आप तब भी अपना लक्ष्य हासिल कर पायेंगे । अपने काम के जाल से बाहर निकलकर परिवार को भी समय दें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
दूसरों के विश्वास का सम्मान करें और नम्र बने रहें । आप सफलता हासिल करने की राह पर बढ़ रहे हैं लेकिन हमेशा अंतिम समय पर सावधानी नही रखते । जीवन अप्रत्याशित होता ही है,इसीलिए इन परेशानियों की अधिक चिंता ना करें । जीवन के पथ पर उत्साह और जोश से आगे बढ़ते रहें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नजरिये से साफ़ झलक रही है । आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे । महत्वपूर्ण बिज़नेस बैठकों में आपके मुताबिक़ निर्णय होंगे । अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें । अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें । अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें । यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगे । सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें । आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे । आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं । आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
सामान्यत आप काफी स्पष्ट सोच रखते हैं ,लेकिन आज आप अपनी निजी समस्याओं और अपनी असुरक्षाओं से घिरे होने के कारण स्पष्ट नही सोच पायेंगे । इसलिए आज का दिन किसी नए काम को हाथ में लेने या नयी साझेदारी के लिए उपयुक्त नही है । आपके आज के फैसले गलत हो सकते हैं।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप नए दोस्त बना सकते हैं और नए काम हाथ में ले सकते हैं । हमेशा की तरह अपने आप में यकीन बनाये रखें । इससे आप अपने लिए हर तय मंजिल तक पहुच पायेंगे । भविष्य की योजनायें बनाने के लिए बहुत अच्छा समय है,लेकिन वित्तीय स्थिति का ध्यान रखें ,जरुरत पड़ने पर ही खर्च करें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप अपने आसपास के लोगों से अच्छी खासी सहायता और पहचान की उम्मीद रख सकते हैं ।आप मजबूत आधार और आशावादिता से भरपूर हैं और नयी परियोजनाओं के लिए बिलकुल तैयार हैं लेकिन आपमें अभी भी अच्छी परियोजना को पहचानने की क्षमता बरक़रार है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

नगर निकाय चुनाव को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का बड़ा बयान

अल्पसंख्यक को प्रताड़ित करना ठीक नहीं, नीतिगत विरोध होना चाहिए

जोधपुर, 8 मार्च (एजेंसियां)। कोर्ट जब कहेगा, हम चुनाव कराने के लिए तैयार है। यह बात भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कहीं। जोधपुर पहुंचे राठौड़ ने एयरपोर्ट पर निकाय चुनाव को लेकर कहा कि भाजपा सरकार कोर्ट के आदेशों की पालना करेगी। हम तो कोर्ट के आदेशों की पालना कराएंगे। बोल्डोजर एक्शन को लेकर राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में जहां जिस प्रकार की स्थिति होती है। वहां अनुशासन का पालना करने के लिए भय होना जरूरी है।

राठौड़ ने विपक्ष के आरोपों पर कहा कि एसआइआर लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए हुआ है।

पंचायत और निकायों के चुनावों में एसआइआर नहीं हुआ है। उन्होंने विधानसभा में लाए गए डिस्टर्ब एरिया बिल को लेकर कहा कि इस बिल की बहुत जरुरत थी। जहां सामाजिक संतुलन नहीं रहेगा ओर ऐसे क्षेत्र जहां हमारे लोग कम संख्या में है।

डिस्टर्ब एरिया बिल के विरोध में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और गोविन्द सिंह डोटासरा को लेकर कहा कि ये बिल केवल उन लोगों को संरक्षण देने का काम है, जो लोग वहां पर अल्पसंख्यक हो गए हैं। अल्पसंख्यक को प्रताड़ित करना ठीक नहीं है। इसलिए वहां पर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद करेंगे। इसलिए उन्हें विरोध नहीं करना चाहिए।

विधानसभा में विपक्ष के विरोध पर उन्होंने कहा कि लोकसभा हो या विधानसभा उनके पास कोई मुद्दा नहीं है। वह केवल हंगामा कर सुर्खियों में बने रहना चाहते हैं। विधानसभा में अमर्यादित भाषा के प्रयोग को लेकर कहा कि यह ठीक नहीं है। नीतिगत विरोध होना चाहिए, लेकिन शब्दों में कटुता ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के विधानसभा में मर्यादा नहीं रखने पर उनके नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को भी माफी मांगनी पड़ी।

हवाई मार्ग से विकास के नए द्वार खुलेंगे

कोटा को आईटी का बड़ा हब बनाएंगे : बिरला

बूंदी/कोटा, 8 मार्च (एजेंसियां)। कसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने शंभूपुरा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का विधिवत भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। इस दौरान हाड़ौती अंचल में पेयजल समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए दो बड़ी परियोजनाओं, नौनेरा वृहद और परवन-अकावद पेयजल परियोजना का भी शिलान्यास किया गया। इन महत्वाकांक्षी योजनाओं पर 4600 करोड़ रुपए से अधिक के काम होंगे, जिससे कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ जिलों के हजारों गांवों के लाखों परिवारों को 'हर घर जल' मिशन के तहत शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

शम्भूपुरा शिलान्यास समारोह के लिए बड़ा सभा स्थल बनाया गया था। इस मौके पर बिरला ने कहा कि आज क्षेत्र की जनता की दशकों पुरानी मांग पूरी हो रही है। प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि 2023 में किया गया वादा आज

संकल्प से सिद्धि तक पहुंचा है।

वहीं मुख्यमंत्री ने भी एयरपोर्ट की हर बाधा को दूर करने का जो भरोसा दिलाया था, उसे आज पूरा कर दिखाया है। इस एयरपोर्ट को देश के अधिकतम राज्यों से हवाई कनेक्टिविटी से जोड़ा जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि रीको की ओर से एयरपोर्ट के पास ही 600 हेक्टेयर जमीन पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा, जिससे आईटी सेक्टर और प्रोसेङ्क्षसग यूनिट्स के नए द्वार खुलेंगे। कोटा को आईटी सेक्टर का बड़ा हब बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हम विकास के सपने देखते हैं और उन्हें पूरा भी करते हैं।

पीएम ने कोटा की खूबियां बताई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि कोटा ऊर्जा का भी एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां ऊर्जा के लगभग सभी स्रोतों से बिजली का उत्पादन होता है। हाड़ौती की धरती अपनी सांस्कृतिक और आर्थिक धरोहरों के लिए भी प्रसिद्ध है। कोटा की कचौरी, कोटा डोरिया साड़ी, सैंडस्टोन की चमक, यहां का धनिया और बूंदी के बासमती चावल की पहचान विदेशों तक है। उन्होंने कहा कि कोटा की यह धरती आस्था का भी बड़ा केंद्र है। सदियों से देश-दुनिया के श्रद्धालु यहां श्री मथुराधीश जी पावन पीठ, श्री खड़े गणेश जी महाराज एवं श्री गोदावरी धाम के बालाजी जैसे पवित्र स्थलों के दर्शन के लिए आते रहे हैं। हवाई कनेक्टिविटी मिलने से धार्मिक पर्यटकों को भी लाभ मिलेगा।

अब दिल्ली तक भी पहुंचेगी गर्मागर्म कोटा कचौरी : सीएम

सीएम भजन लाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में सरकार आते ही सिर्फ तीन महीने में एयरपोर्ट के रास्ते में आ रही सारी अड़चनें खत्म कर दीं। आगे भी किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं आने देंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान तेजी से विकसित हो रहे राज्यों में शामिल है और बुनियादी ढांचे के मजबूत होने से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलती है। सीएम बोले, कोटा की कचौड़ी जिसका नाम सुनकर मुंह में पानी आ जाता हैज्अब वो बिरला जी के पास दिल्ली में गर्मा-गर्म पहुंचेगी।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि एयरपोर्ट का काम काफी पहले शुरू हो जाता, लेकिन केंद्र सरकार जितनी तेजी से निर्णय ले रही थी, तत्कालीन राजस्थान सरकार उतना ही डिले कर रही थी। भजनलाल शर्मा जब मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने तीन महीने में सारी क्लीयरेंस दिलवा दी। अब हमारा लक्ष्य है कि किसी भी सूरत में कोटा बूंदी एयरपोर्ट का काम दो साल में पूरा करवाएंगे। कई एयरलाइंस कोटा से उड़ान भरने के लिए तैयार बैठी हैं। पुराने हवाई अड्डे की जमीन पर फ्लाइंग ट्रेङ्क्षनग सेंटर खोलेंगे।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कांग्रेस सरकार की कार्यप्रणाली पर प्रहार करते हुए कहा कि कोटा एयरपोर्ट और पेयजल परियोजनाएं क्षेत्र की पुरानी मांग थी। जिन्हें कांग्रेस सरकार ने 5 साल तक रोके रखा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में चार बार टेंडर हुए और 40 प्रतिशत तक 'अबोव रेट' आई थी, लेकिन भजनलाल सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के कारण इस बार टेंडर 9 से 15 प्रतिशत की वाजिब रेट पर हुए हैं।

महिला दिवस पर सीएम भजनलाल ने खोला विकास का पिटारा, हनुमानगढ़ को 1008 करोड़ की सौगात

हनुमानगढ़, 8 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हनुमानगढ़ जिले को विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी है। हनुमानगढ़ जंक्शन की धानमंडी में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए मुख्यमंत्री ने 1008 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस दौरान उनके साथ उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी और जिला प्रभारी मंत्री सुमित गोदारा भी मौजूद रहे।

सुरक्षा के बीच भव्य आयोजन

मुख्यमंत्री का यह कार्यक्रम भूमि विकास बैंक के पास प्रस्तावित था, लेकिन सुरक्षा कारणों और वीआईपी मूवमेंट को देखते हुए अंतिम समय में इसे जाट भवन के सामने मंडी के बी ब्लॉक (प्लेटफॉर्म नंबर दो) पर शिफ्ट किया गया। मंच पर जाने से पहले

सीएम ने विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का बारीकी से अवलोकन किया और महिला सशक्तिकरण के प्रयासों की सराहना की।

इन बड़ी परियोजनाओं की रखी गई आधारशिला

मुख्यमंत्री ने क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाने वाली नहरों और ऊर्जा क्षेत्र के लिए भारी बजट आवंटित किया-

सोलर क्रांति: पीएम कुसुम योजना के तहत 546 करोड़ रुपये की लागत से सोलर संयंत्रों की स्थापना की आधारशिला रखी गई।

नहरी सुदृढ़ीकरण: इंदिरा गांधी मुख्य नहर की वितरिका प्रणाली और क्षतिग्रस्त खालों के पुनर्निर्माण के लिए 172 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए।

पुलों का कायाकल्प: इंदिरा गांधी नहर और फीडर के पुलों के नवीनीकरण एवं जीर्णोद्धार के लिए करीब 52 करोड़ रुपये के कार्यों का शिलान्यास हुआ।

शिक्षा: छात्राओं की सुविधा के लिए 2.80 करोड़ रुपये की लागत से सावित्री बाई फुले बालिका छात्रावास का निर्माण शुरू होगा।

क्षेत्र को समर्पित हुए ये प्रमुख कार्य

मुख्यमंत्री ने कई पूर्ण हो चुके प्रोजेक्ट्स का फीता काटकर जनता को समर्पित किया-

कनेक्टिविटी: भटिण्डा-सूरतगढ़ रेलवे सेक्शन पर 50 करोड़ की लागत से बना फोरलेन आरओबी और भादरा-साहवा सड़क विकास कार्य (20.18 करोड़)।

कृषि एवं ऊर्जा: 7.46 करोड़ की लागत से बना राजकीय कृषि महाविद्यालय और 40.81 करोड़ की लागत से तैयार 132 केवी जीएसएस खुईया का लोकार्पण।

स्वच्छता: नगरपालिका रावतसर में 6 करोड़ की लागत से बने एफएसटीपी प्लांट की शुरुआत।

आधी आबादी का सम्मान

समारोह का मुख्य आकर्षण महिलाओं का सम्मान रहा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली जिले की महिलाओं को सम्मानित किया। संबोधन के दौरान सीएम ने कहा कि हमारी सरकार महिलाओं के उत्थान और प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए संकल्पबद्ध है। कार्यक्रम के समापन के बाद सीएम ने जनता का अभिवादन स्वीकार किया और हेलीपैड के लिए रवाना हुए।

1000 बुजुर्गों की आस्था की यात्रा शुरू

मदार से तिरुपति के लिए रवाना हुई विशेष ट्रेन

अजमेर, 8 मार्च (एजेंसियां)। राज्य सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना-2025 के तहत मदार (अजमेर) रेलवे स्टेशन से तिरूपति के लिए विशेष ट्रेन को राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर तीर्थयात्रियों के चेहरे पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तीर्थयात्रा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के मानसिक और आध्यात्मिक विकास का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस तरह की योजनाएं समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं और लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का काम करती हैं। वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना इसी दिशा में राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल है। देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त गिरीश कुमार बचानी ने बताया कि योजना के अंतर्गत मदार रेलवे स्टेशन से तिरूपति के लिए विशेष ट्रेन रवाना हुई। यह ट्रेन भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ होते हुए तिरूपति पहुंचेगी, जहां यात्रियों को प्रसिद्ध मंदिर तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि इस विशेष ट्रेन से कुल 1000 वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थयात्रा पर भेजा गया है। इनमें अजमेर संभाग से 600 और उदयपुर संभाग से 400 यात्री शामिल हैं। अजमेर संभाग के मदार रेलवे स्टेशन से 376 तथा भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन से 224 यात्रियों ने यात्रा शुरू की।

यह यात्रा कुल 6 दिनों की होगी। यात्रा के दौरान भोजन, आवास और अन्य सभी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। देवस्थान विभाग की ओर से यह पूरी व्यवस्था भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम के माध्यम से की जा रही है।

रणथंभौर नेशनल पार्क में मादा बाघिन टी-94 का शव मिला

सवाई माधोपुर, 8 मार्च (एजेंसियां)। रणथंभौर टाईगर रिजर्व के खंडार वन क्षेत्र से दुखद खबर सामने आई है। मादा बाघिन टी-94, जिसकी उम्र लगभग 11 वर्ष थी, का मृत शरीर घोड़ा घाटी के नीचे देखा गया। बाघिन का विचरण क्षेत्र ओंदी खोह, मूड घुसा, इंडाला, खटोला, कासेरा, बालाजी, घोड़ा घाटी, विंध्यकड़ा और फरिया जैसे वन क्षेत्रों तक फैला हुआ था।बाघिन का शव सुबह गश्त के दौरान स्टाफ ने पाया। खुशकिस्मती से बाघिन के सभी अंग सुरक्षित पाए गए। उपवन संरक्षक मानस सिंह ने बताया कि प्रोटोकॉल के अनुसार बाघिन का पोस्टमार्टम किया जाएगा। टी-94 रणथंभौर टाईगर रिजर्व में लंबे समय से विभिन्न वन क्षेत्रों में विचरण कर रही थी और वन्य जीवन के लिए महत्वपूर्ण बाघिन मानी जाती थी। उनके अचानक निधन से वन क्षेत्र में शोक का माहौल है। वन्यजीव विभाग ने इस घटना की गंभीरता को देखते हुए पोस्टमार्टम और आगे की जांच की कार्रवाई शुरू कर दी है।

शादी समारोह से पहले बड़ा हादसा

दुल्हन सहित 15 लोग घायल; बस पलटते ही मच गई चीख पुकार

नागौर, 8 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले में शादी समारोह से पहले बड़ा सड़क हादसा हो गया। बासनी के निकट रविवार को मिनी बस पलटने से दुल्हन सहित 15 लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार नायक समाज के लोग बापोड़ से स्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए नागौर आ रहे थे। तभी सुबह करीब 9 बजे बासनी से पांच किलोमीटर पहले मिनी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुंरत घायल लोगों को बस से बाहर निकाला।

सूचना मिलते ही कुछ ही देर में पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। 15 घायलों में से 5 को बासनी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, 10 घायलों को नागौर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया। जेएलएन अस्पताल में भर्ती घायलों में पांच महिलाएं और चार बच्चे भी शामिल हैं। सभी का उपचार जारी है। हादसे की खबर मिलते ही घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए और उनकी स्थिति की जानकारी ली। हादसे में घायल सभी लोग आपस में रिश्तेदार हैं ओर शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। लेकिन, इससे पहले ही बड़ा हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि सड़क पर अचानक आवारा पशु जाने के कारण ड्राइवर घबरा गया और वाहन अनियंत्रित हो गया। ऐसे में तेज रफ्तार मिनी बस पलटी खा गई। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई।

दो लाख की फिरौती के लिए युवक का अपहरण

पुलिस की सक्रियता से बची जान

अलवर, 8 मार्च (एजेंसियां)। अलवर शहर के सदर थाना क्षेत्र में दो लाख रुपये की फिरौती के लिए एक युवक का अपहरण होने का मामला सामने आया। झाहारखेड़ा निवासी 21 वर्षीय शहबाज ने सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। शहबाज ने बताया कि वह अपने साथी इमरान के साथ बाइक से बाजार जा रहा था। इसी दौरान जब वे डबल फाटक के पास पहुंचे, तो चार युवक बोलेरो गाड़ी में सवार होकर आए और उसे जबरन गाड़ी में डालकर अपने साथ ले गए। आरोपियों ने रास्ते में शहबाज के साथ मारपीट की और उसे धमकाया। पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने उसके मोबाइल फोन से उसके भाई को कॉल किया और दो लाख रुपये की फिरौती की मांग की। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत हरकत में आई और आरोपियों का पीछा किया। पुलिस की सक्रियता देखकर आरोपी घबरा गए और युवक को सुरक्षित छोड़कर मौके से फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने शहबाज को अपने कब्जे में लेकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। सदर थाना पुलिस ने इस मामले में गौरव, लोकेश, कुलदीप और हितेष के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

एमडीएस यूनिवर्सिटी के सहायक कुलसचिव का मोबाइल हैक, 'एक्सीडेंट' का बहाना बना मांगे हजारों रुपए

अजमेर, 8 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के प्रशासनिक हलके में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब सहायक कुलसचिव सूरजमल राव का मोबाइल और सोशल मीडिया अकाउंट हैकर्स के निशाने पर आ गया। शातिर हैकर्स ने राव की पहचान का इस्तेमाल कर विश्वविद्यालय के कार्मिकों और उनके परिचितों से 'इमरजेंसी' का झांसा देकर पैसों की मांग शुरू कर दी। हैकर्स ने सूरजमल राव के नाम और फोटो का इस्तेमाल कर एक फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाई या उनके मौजूदा अकाउंट में सेंधमारी की। इसके बाद हैकर ने उनके संपर्क सूची में मौजूद लोगों को संदेश भेजने शुरू किए। मैसेज में बेहद चालाकी से लिखा गया-

कुछ हेल्प चाहिए 40 हजार की अर्जेंट है। मेरा यूपीआई नंबर काम नहीं कर रहा है, कल पक्का रिटर्न कर दूंगा। प्लीज, फैमिली मेंबर का एक्सीडेंट केस है। इतना ही नहीं, हैकर ने किसी से 40 हजार तो किसी से 36 हजार रुपए की मांग की। भरोसे के लिए एक मोबाइल नंबर भी दिया गया और निर्देश दिया गया कि रुपए भेजने के बाद उसका स्क्रीनशॉट इसी नंबर पर साझा करें।

जब विश्वविद्यालय के कई कार्मिकों के पास एक साथ इस तरह के संदेश पहुंचे, तो उन्हें संदेह हुआ। कुछ जागरूक परिचितों ने तुरंत इसकी जानकारी यूनिवर्सिटी के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप में साझा कर दी। जैसे ही सूरजमल राव को इस बारे में पता चला, वे दंग रह गए। उन्होंने तुरंत स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी से कोई पैसा नहीं मांगा है और उनका अकाउंट हैक हो चुका है। इसके बाद ग्रुप में सभी को सावधान रहने और किसी भी तरह का ट्रांजेक्शन न करने की चेतावनी दी गई। अपनी छवि का दुरुपयोग होते देख सहायक कुलसचिव सूरजमल राव ने तत्काल साइबर क्राइम हेल्पलाइन पर मामले की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को उन नंबरों और चैट के स्क्रीनशॉट भी उपलब्ध कराए हैं, जिनके जरिए ठगी का जाल बुना जा रहा था। यह मामला एक बार फिर साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहने की याद दिलाता है। साइबर विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि यदि आपका कोई परिचित सोशल मीडिया पर अचानक पैसों की मांग करे, तो तुरंत भुगतान करने के बजाय एक बार उन्हें फोन कॉल कर असलियत जरूर जान लें।

भ्रूण हत्या के लिए बदनाम था जिला, अनपढ़ मां की पांचों बेटियों ने आरएएस अफसर बनकर रच दिया इतिहास

हनुमानगढ़, 8 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले का एक छोटा सा गांव भेरूसरी आज पूरे प्रदेश में प्रेरणा की मिसाल बन चुका है। कभी कन्या भ्रूण हत्या और बाल विवाह जैसी कुरीतियों के कारण बदनाम रहे इस राज्य में इसी गांव की पांच बेटियों ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा यानी आरएएस परीक्षा पास कर इतिहास रच दिया। आज लोग इस गांव को पांच अफसर बहनों का गांव कहकर पहचानते हैं।

इन पांचों बहनों की सफलता की कहानी बताती है कि यदि संकल्प मजबूत हो तो सीमित संसाधन भी सपनों को रोक नहीं सकते। किसान परिवार से निकलकर प्रशासनिक सेवा तक का सफर तय करने वाली इन बेटियों की उपलब्धि आज हजारों लड़कियों के लिए प्रेरणा बन गई है। भेरूसरी गांव के रहने वाले सहदेव सहारण एक छोटे किसान हैं। वे और उनकी पत्नी लक्ष्मी दोनों ही पढ़.लिखे नहीं हैं, लेकिन उन्होंने शिक्षा की अहमियत को अच्छी तरह समझा। आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने बेटियों की पढ़ाई कभी नहीं रुकने दी। सहदेव सहारण का कहना है कि वे खुद पढ़ नहीं पाए, लेकिन हमेशा चाहते थे कि उनकी बेटियां पढ़.लिखकर आगे बढ़े। कई बार ऐसा भी समय आया जब घर की आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि स्कूल की फीस भरना भी मुश्किल

हो जाता था। खेत की सीमित आमदनी और फसल की अनिश्चितता के बीच भी परिवार ने हिम्मत नहीं हारी। बेटियों ने भी पिता की मेहनत और संघर्ष को समझते हुए पूरी लगन से पढ़ाई जारी रखी। बंट में दूसरों के खेत लेकर पिता ने काम किया और प्रयास करते रहे। परिवार की बड़ी बेटी रोमा ने सबसे पहले राजस्थान प्रशासनिक सेवा को अपना लक्ष्य बनाया और वर्ष 2010 में आरएएस परीक्षा पास कर अफसर बनीं। इसके बाद 2017 में दूसरी बहन मंजू ने भी आरएएस परीक्षा पास कर परिवार का नाम रोशन किया। दोनों बहनों की सफलता से प्रेरित होकर छोटी बहनों ने भी प्रशासनिक सेवा में जाने का फैसला किया। घर में पढ़ाई का माहौल पहले से था और बड़ी बहनों का मार्गदर्शन भी मिला।

छोटी बहनें अंशु और सुमन ने वर्ष 2018 में आरएएस परीक्षा पास कर ली। इसके बाद 2021 में सबसे छोटी बहन ऋतु ने भी आरएएस परीक्षा में सफलता हासिल कर परिवार के इस अद्भुत सफर को पूरा किया। आज एक ही किसान परिवार की पांचों बेटियां प्रशासनिक सेवा में हैं। महिला दिवस पर यह कहानी बताती है कि शिक्षा और संकल्प के बल पर बेटियां किसी भी मुकाम तक पहुंच सकती हैं और समाज की सोच को भी बदल सकती है।

पांचों बहनों की कहानी इसलिए भी सबसे ज्यादा प्रेरणा देने वाली है क्योंकि उनकी मां ने कभी स्कूल का मुंह तक नहीं देखा। उसके बाद भी बेटियों को पढ़ने के लिए स्कूल भेजा और उनकी लगातार मदद करती रहीं। उधर पिता भी बेहद ही कम पढ़े लिखे हैं। वे सिर्फ कक्षा पांच तक पढ़े और उसके बाद पिता के साथ किसानी और अन्य कामों में जुट गए। परिवार ही नहीं अब पूरे खानदान में ही पांचों बहनों ने सबसे ज्यादा पढ़ाई की है। गांव की अन्य बेटियां भी पढ़ाई संबंधी मदद के लिए इन अफसर बहनों के संपर्क में रहती हैं।

हाईकोर्ट ने मार्क ज़करबर्ग की मेटा कंपनी से कहा, 'फ़ौरन डिलीट करें पोस्ट'

जयपुर, 8 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने एक नाबालिग बालिका की याचिका पर सुनवाई करते हुए सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम) को एक विवादित और भ्रामक पोस्ट को तुरंत ब्लॉक करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने माना कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रही गलत जानकारी के कारण एक मासूम बच्ची और उसकी मां की सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। न्यायाधीश अनूप कुमार ढंड की अदालत में पेश हुई याचिका के अनुसार, याचिकाकर्ता एक 7 साल की बच्ची है जो अपनी मां के साथ रह रही है। भ्रामक पोस्टः सोशल मीडिया पर बच्ची के दादा-दादी के नाम से एक पोस्ट वायरल की गई, जिसमें दावा किया गया कि बच्ची अहमदाबाद से लापता हो गई है। इनाम का लालचः पोस्ट में यह भी लिखा गया कि जो कोई भी इस बच्ची को खोज कर लाएगा, उसे 1 लाख रुपए कानकद इनाम दिया जाएगा। अंजामः जैसे ही यह पोस्ट वायरल हुई, अनजान लोगों और 'इनाम' के लालचियों ने बच्ची के घर पर धावा बोलना शुरू कर दिया। इससे परिवार में डर का माहौल पैदा हो गया और बच्ची की सुरक्षा खतरे में पड़ गई।

कौशल, धैर्य और सफलता महिलाओं की विशेषताएं : मंत्री सीतक्का

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीतक्का ने रविवार को कहा कि कौशल, धैर्य और सफलता महिलाओं की विशिष्ट विशेषताएं हैं। उन्होंने बताया कि महिलाएं लक्ष्य निर्धारित करके और कठिन परिश्रम करके सफलता प्राप्त कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कोमरम भीम आदिवासी भवन, बंजारा हिल्स में सीतक्क ने राज्य चिकित्सा और स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनारसिम्हा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर तेलंगाना डायग्नोस्टिक्स के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की सदस्याओं के लिए 30 प्रकार के स्वास्थ्य परीक्षण शुरू किए गए। मंत्री सीतक्क ने बताया कि एसईआरपी परिवार के सदस्यों के लिए 30 प्रकार के स्वास्थ्य परीक्षण की योजना लागू की गई है और इसके लिए उन्होंने चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग का धन्यवाद किया। उन्होंने याद दिलाया कि संयुक्त राष्ट्र ने 1975 में महिलाओं के लिए एक दिन मान्यता दी थी। उन्होंने बताया कि पहले जर्मनी की समाजवादी नेता क्लारा ज़ेटकिन ने महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष किया था। उस समय महिलाओं को फैक्ट्रियों में कम वेतन मिलता था और उन्हें मतदान का अधिकार भी नहीं था। उन्होंने संघर्ष करके अपने अधिकार प्राप्त किए। मंत्री सीतक्क ने कहा कि यदि अवसर मिले तो महिलाएं अंतरिक्ष तक पहुंच सकती हैं और वे परिवार, कृषि, शिक्षा और विज्ञान सहित सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं।

उन्होंने यह भी याद दिलाया कि खेतों में 80 प्रतिशत काम महिलाएं करती हैं। मंत्री सीतक्क ने कहा कि इंदिरम्मा राज्यम् योजना के तहत सरकार महिलाओं के कल्याण को उच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि सरकार का लक्ष्य एक करोड़ महिलाओं को आर्थिक रूप से समर्थ बनाना है। उन्होंने महिला समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाले अभिनव व्यवसायों की सराहना की और कहा कि ये समूह तेलंगाना की महिलाओं के लिए आदर्श बन रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि स्वास्थ्य परीक्षण महिलाओं के लिए आयोजित किए जा रहे हैं ताकि वे स्वस्थ रहकर कार्य कर सकें। साथ ही, राज्य सरकार महिला सुरक्षा, दुर्घटना बीमा और ऋण बीमा जैसी सुविधाएं प्रदान कर रही है। महिलाओं के समूहों के माध्यम से गरीबों के लिए इंदिरम्मा घरों का निर्माण किया जा रहा है और हाईटेक सिटी में सौ करोड़ रुपये के बाजार महिला समूहों को सौंपे गए हैं।

मंत्री ने कहा कि फूलों की लड्डू बनाने से लेकर चावल मिलों, आरटीसी रेंटल बसों और सोलर प्लांट के संचालन तक महिलाएं उद्यमिता की मिसाल बन रही हैं। बस स्टेशनों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में स्तनपान कक्ष स्थापित किए जा रहे हैं, जिनका उद्घाटन मंत्री सीतक्क और दामोदर राजनारसिम्हा ने किया। किशोरियों के लिए एचपीवी टीकाकरण केंद्र का भी उद्घाटन किया गया, जिससे गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इस कार्यक्रम में राज्य महिला विकास निगम की अध्यक्ष बंडारू शोभारानी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

महिला खेल एवं उत्सव कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मेला युवा भारत हैदराबाद ने एएसएमआईटीए लीग के तहत सिकंदराबाद के जिमखाना मैदान में भव्य खेल एवं उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया।

इस आयोजन में खेल प्राधिकरण, खेलो इंडिया और जिला खेल प्राधिकरण तेलंगाना के सहयोग से 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में 13 वर्ष से कम, 13-18 वर्ष और 18 वर्ष से ऊपर की आयु श्रेणियों में दौड़ प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर दौड़ में प्रतिभागियों ने अपनी खेल प्रतिभा और प्रतिस्पर्धी उत्साह दिखाया। डॉ. कविता रेड्डी, सीमा कुमारी, सौंदर्य, बी. माधवी, गीतांजलि और नंदकिशोर गोकुल जैसे गणमान्य अतिथियों ने महिला खेल प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया और उन्हें खेल के माध्यम से आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। विजेताओं और रनों को प्रमाण पत्र और पदक प्रदान किए गए।

हैदराबाद एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय खेल मंच का साक्षी बना

गच्चीबावली में महिला हॉकी वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स का भव्य उद्घाटन

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय खेल मंच का साक्षी बन गया। गच्चीबाली हॉकी स्टेडियम में 'महिला हॉकी वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स-2026' का मुकाबला रविवार को भव्य तरीके से शुरू हुआ। यह मेगा इवेंट अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) और तेलंगाना सरकार के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कुल आठ देशों की टीमें भाग ले रही हैं। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के मार्गदर्शन में खेल विभाग ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार सभी तैयारियां पूरी की हैं। पहले दिन के मैचों में साइबराबाद पुलिस कमिश्नर डॉ.एम. रमेश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं शहर में आयोजित करने से युवाओं को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने बताया कि मैचों के लिए कड़े सुरक्षा बंदोबस्त किए गए हैं। कार्यक्रम में तेलंगाना स्पोर्ट्स अथॉरिटी (एसएटीजी) की वाइस चेयरमैन एवं एमडी डॉ.ए. सोनिबाला देवी भी मौजूद रहीं। कुल आठ टीमें दो पूल में बंटी हुईं और लीग चरण में आमने-सामने होंगी। रविवार दोपहर 12:45 बजे इंग्लैंड और इटली के बीच पहला मैच हुआ। इसके बाद कोरिया-ऑस्ट्रिया और स्कॉटलैंड-वेल्स की टीमें मुकाबला करती दिखीं। रात 7:30 बजे होने वाले भारत-उरुग्वे मैच पर दर्शकों की नजरें टिकी थीं। स्वदेशी मैदान पर भारतीय महिला टीम की शानदार खेल प्रदर्शन की उम्मीद है। स्टेडियम में आधुनिक आस्ट्रो टर्फ, हाई-प्रोफाइल सुरक्षा और विदेशी खिलाड़ियों के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान की गई हैं। खिलाड़ियों को तेलंगाना की संस्कृति से परिचित कराने के लिए हेरिटेज टूर भी शामिल किए गए हैं। इस टूर्नामेंट में सफलता पाने वाली टीमें सीधे महिला हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगी। हैदराबाद एक बार फिर विश्व स्तर के खेल आयोजन के केंद्र के रूप में चमक रहा है।

टूर्नामेंट का शेड्यूल

पूल—ए: इंग्लैंड, कोरिया, इटली, ऑस्ट्रिया
पूल—बी: भारत, स्कॉटलैंड, उरुग्वे, वेल्स
लीग मैच: 8, 9 और 11 मार्च
नॉकआउट मैच: 13 मार्च को सेमीफाइनल, 14 मार्च रात 7:30 बजे फाइनल
विश्राम दिवस: 10 और 12 मार्च

महिला से चेन और मोबाइल छीना

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स स्थित केबीआर पार्क के पास शनिवार रात दो बदमाशों ने एक महिला से सोने की चेन और मोबाइल फोन छीन लिया। पुलिस के अनुसार मसाब टैंक की रहने वाली के. गायत्री (32) शनिवार को केबीआर पार्क में टहलने आई थीं। रात करीब 10 बजे जब वह पार्क से घर लौट रही थीं, तभी दो अज्ञात लोगों ने उन्हें रोक लिया। बदमाशों ने महिला से करीब 16 ग्राम की सोने की चेन और मोबाइल फोन छीन लिया और वहां से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर बंजारा हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन कर जांच शुरू कर दी है।

रेलवे डिवीजन में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की भव्य शुरूआत

वरिष्ठ महिला यात्रियों को सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दक्षिण-मध्य रेलवे, हैदराबाद डिविजन ने 8 मार्च से 14 मार्च तक सप्ताह भर चलने वाले समारोह की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य महिलाओं की समाज और रेलवे में भूमिका और योगदान को पहचानना और प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर जागरूकता रैली और आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए गए। रैली में आरपीएफ के अधिकारी, महिला कर्मचारी, एनजीओ प्रतिनिधि और यात्रियों ने भाग लिया और महिलाओं के सशक्तिकरण, सम्मान और सुरक्षा पर जागरूकता फैलायी। मुख्य गतिविधियों में आरपीएफ प्रशिक्षण केंद्र मौला-अली की महिला सब इंस्पेक्टर कैडेट्स, महिला रेलवे कर्मचारी और महिला यात्रियों को फूलों के माध्यम से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही वरिष्ठ महिला यात्रियों को विशेष रूप से शॉल और गुलाब भेंट कर सम्मानित किया गया। कर्मचारियों और आम जनता से महिला समानता, गरिमा और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिज्ञा कराई गई। इस कार्यक्रम में लगभग 300 महिला यात्री और रेलवे कर्मचारी शामिल हुए और पूरे डिविजन में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का संचालन एएससी प्रॉबेशनर तमन्ना दुआ ने किया और जीआरपी, रेलवे स्टाफ और अन्य हितधारकों के सहयोग से इसे सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस आयोजन के माध्यम से रेलवे ने महिला सशक्तिकरण और समाज में उनके योगदान की सराहना करने के साथ-साथ महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा पर महत्वपूर्ण संदेश दिया।

आयुष मिशन के कर्मचारियों को 4 महीने से वेतन नहीं

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के तहत काम करने वाले संविदा कर्मचारियों को पिछले चार महीनों से वेतन नहीं मिला है, जिससे वे आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के संविदा कर्मचारियों को भी पिछले तीन से चार महीनों से वेतन नहीं मिला है। इससे राज्य में करीब 19 हजार कर्मचारियों के परिवार प्रभावित हुए हैं।

कर्मचारियों ने बताया कि राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई और जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाइयों में काम करने वाले कर्मचारियों को नवंबर से वेतन नहीं मिला है। इसके अलावा लगभग 601 अंशकालिक योग प्रशिक्षक भी चार महीने से बिना वेतन के काम कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उनसे स्वास्थ्य शिविर और अन्य कार्यक्रमों के लक्ष्य पूरे करने का दबाव डाला जाता है, लेकिन उनकी आर्थिक समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कई कर्मचारियों को घर का खर्च चलाने के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है।

महाराष्ट्र से आया बाघ आदिलाबाद के जंगलों में

आदिलाबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के तिपेश्वर वन्यजीव अभयारण्य से आया एक किशोर नर बाघ अब आदिलाबाद जिले के जंगलों में डेरा जमाए हुए है। वन विभाग के अनुसार यह बाघ करीब छह महीने पहले पेंगांगा नदी पार कर भीमपुर और थामसी मंडलों के जंगलों में पहुंचा था। अधिकारियों का कहना है कि बाघ ने करीब 2,000 से 3,000 हेक्टेयर क्षेत्र को अपना इलाका बना लिया है, जहां उसे शिकार, पानी और शांत वातावरण मिल रहा है। बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए दो टीमें तैनात की गई हैं और 14 कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं। अब तक बाघ ने जंगल में चर रही पांच गायों का शिकार किया है। पशु मालिकों को प्रति गाय लगभग 30 हजार रुपये का मुआवजा दिया गया है। हालांकि अभी तक किसी इंसान को नुकसान नहीं पहुंचा है। बाघ की मौजूदगी से आसपास के गांवों में दहशत है। वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने और शाम के बाद जंगल में न जाने की सलाह दी है।

बोराबंडा में चित्रकार की हत्या

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बोराबंडा इलाके में रविवार को एक चित्रकार की उसके परिचित ने पत्थर से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार बोराबंडा निवासी खलील सुबह काम की तलाश में मजदूर अड्डे पर आया था। इसी दौरान किसी बात को लेकर उसकी एक अन्य मजदूर से कहासुनी हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग कर दिया।

कुछ देर बाद जब खलील फुटपाथ पर सो रहा था, तभी आरोपी वहां फिर पहुंचा। उसने पास पड़ा बड़ा ग्रेनाइट का पत्थर उठाकर खलील पर कई बार वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। आरोपी को पकड़ने के लिए तीन विशेष टीमें बनाई गई हैं।

पैसों के विवाद में युवक की हत्या

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चैतन्यपुरी इलाके में शनिवार शाम पैसों के विवाद को लेकर एक युवक की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान वाई. यादगिरी उर्फ अर्जुन (27) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार यादगिरी ने कुछ साल पहले सतीश नाम के व्यक्ति से करीब 14 लाख रुपये उधार लिए थे और अब तक पैसे वापस नहीं किए थे। इसी बात को लेकर शनिवार को सतीश ने अपने दो दोस्तों के साथ यादगिरी को चैतन्यपुरी मेट्रो स्टेशन के पास बातचीत के लिए बुलाया। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों में झगड़ा हो गया। आरोप है कि सतीश और उसके साथियों ने यादगिरी पर हमला कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ब्लैकमेल से परेशान व्यवसायी ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वनस्थलीपुरम इलाके में एक 24 वर्षीय व्यवसायी ने कथित तौर पर ब्लैकमेल से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान नागरकर्नूल निवासी डी. चंद्रैया के रूप में हुई है, जो पिछले कुछ महीनों से वनस्थलीपुरम में किराए के कमरे में रह रहा था। पुलिस के अनुसार चंद्रैया की पहचान टी. श्रीजा नाम की एक महिला से हुई थी और दोनों के बीच दोस्ती हो गई थी। बताया गया है कि श्रीजा के माता-पिता को भी इस बारे में जानकारी थी।

पुलिस को कमरे से एक कथित सुसाइड नोट मिला है, जिसमें चंद्रैया ने आरोप लगाया है कि श्रीजा और उसके माता-पिता एआई से बनाई गई मॉर्फ्ड तस्वीरों के जरिए उसे ब्लैकमेल कर रहे थे। उन्होंने उससे करीब 6 लाख रुपये भी वसूल लिए थे और और पैसे की मांग कर रहे थे। वनस्थलीपुरम पुलिस ने श्रीजा और उसके माता-पिता के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांधी सरोवर परियोजना के खिलाफ अदालत जाने की तैयारी

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रस्तावित गांधी सरोवर परियोजना से प्रभावित मधु पार्क रिज के निवासियों ने परियोजना के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने का फैसला किया है। रविवार को हुई आम सभा में उन लोगों ने विरोध जताया जिनकी संपत्तियां भूमि अधिग्रहण के कारण प्रभावित हो सकती हैं। मधु पार्क रिज अपार्टमेंट्स आरडब्ल्यूए के सदस्य गिरी बाबू ने बताया कि संपत्ति मालिकों से सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करवाने और जरूरी जानकारी जुटाने की प्रक्रिया में चार से पांच दिन लग सकते हैं। उन्होंने कहा कि 13 मार्च को सरकार द्वारा परियोजना पर प्रस्तुति और विधानसभा में डीपीआर पेश होने के बाद निवासी अदालत का रुख करेंगे। निवासियों का कहना है कि महीने के अंत तक भूमि अधिग्रहण के फैसले के खिलाफ जनहित याचिका दायर की जाएगी। कई फ्लैट मालिकों ने कहा कि उन्होंने अपने घरों पर काफी खर्च किया है और किसी भी हालत में उन्हें छोड़ना नहीं चाहते।

श्रीमद् भागवत कथा के संदर्भ में बैठक

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी जागृति समिति तत्वावधान में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 9 से 15 अप्रैल तक प्रति दिन 3 बजे से सायं 7 बजे तक बाहेती भवन सिद्धअम्बर बाजार में होगा। उक्त जानकारी देते हुए समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने बताया कि बाल विदुषी सुश्री हरिप्रिया वैष्णवी श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराएंगी। उन्होंने बताया कि उक्त संदर्भ में आज बाहेती भवन सिद्धअम्बर में मीटिंग का आयोजन अशोक कुमार हिरावत जैन की अध्यक्षता में की गई। वे कथा में दैनिक यजमान रहेंगे।

अग्रसेन बैंक के शेयर होल्डर्स की जनरल बाडी मीटिंग संपन्न

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने 8 मार्च 2026 को हैदराबाद के रेड हिल्स में एफटीसीसीआई भवन के सुराणा ऑडिटोरियम में अपने शेयर होल्डर्स की दूसरी जनरल बॉडी मीटिंग की।

चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने इंटरनेशनल विमेंस डे के मौके पर सभी महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और जीवन के सभी क्षेत्रों में उनकी अहम भूमिका को पहचाना। उन्होंने कहा कि बैंक 31 जनवरी 2026 तक सभी पैरामीटर्स में डबल डिजिट में जबरदस्त ग्रोथ दर्ज कर रहा है। बैंक का टोटल बिजनेस, जिसमें डिपॉज़िट और एडवांस शामिल हैं, 31-01-2026 को 1225.94 करोड़ हो गया, जो 31-01-2025 को 901.23 करोड़ था, जो 36.03 प्रतिशत की ग्रोथ दिखाता है।

लोन और एडवांस 31-01-2026 को 503.80 करोड़ हो गए, जो 31-01-2025 को 360.18 करोड़ थे, जो 39.87 प्रतिशत की ग्रोथ दिखाता है। बैंक का टोटल डिपॉज़िट 31-01-2026 को 722.14 करोड़ हो गया, जो 31-01-2026 को 541.05 करोड़ था। 31-01-2025 को 33.47 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। बैंक का रिज़र्व और सरप्लस 58.89 करोड़ से बढ़कर 67.09 करोड़ हो गया।

उन्होंने शेयर होल्डर्स को बताया कि बैंक ने कैलेंडर साल 2025 में ही अलग-अलग जगहों पर 7 नई ब्रांच और 7 नए एटीएम खोल दिए हैं और इस महीने के आखिर तक बेगम बाजार में एक और नई ब्रांच खोलने का प्लान है।

इसके साथ ही ब्रांच की कुल संख्या 7 एटीएम के साथ 12 हो जाएगी। अग्रोहा बैंक के मर्जर के बाद एक और ब्रांच की संख्या में जुड़ जाएगी।

उन्होंने बताया कि बैंक अगले फाइनेंशियल ईयर में राज्य के आस-पास के जिलों की ब्रांचों सहित 5 नई ब्रांच खोलेगा।

सी.वी. राव जीएम/सीईओ ने कार्यवाही शुरू की और शेयर होल्डर्स से एजेंडा मंज़ूर करवाया। सीए नवीन कुमार अग्रवाल, सीनियर वाइस चेयरमैन ने शेयर होल्डर्स को बैंक के भविष्य की संभावनाओं के बारे में भी संक्षेप में बताया।

मीटिंग में डायरेक्टर सुरेश कुमार अग्रवाल, नारायण दत्त, नरसिंहदास, गोपालचंद अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, श्रीमती अंजू केडिया, श्रीमती अपूर्वा अग्रवाल, सीए पंकज कुमार अग्रवाल, बजरंगप्रसाद गुप्ता शामिल हुए। इनके अलावा सूरजमल कांकाणी, भगवान दास गांधी, सुरेश कुमार अग्रवाल, किरोड़ीमल नरसिंहपुरिया, मुन्नालाल अग्रवाल, महेश केडिया, विश्वनाथ अग्रवाल, शांतनु चौधरी वगैरह मौजूद थे। मीटिंग में आनंद अग्रवाल, डीजीएम, सभी ब्रांच के ब्रांच हेड और स्टाफ के सदस्य शामिल हुए।

अलियाबाद एवं कुन्दनपल्ली स्थित ग्रीन पार्क क्रिकेट ग्राउंड में सीरवी समाज पारसीगुटा प्रीमियर लीग-1 का चौथे लीग मैच रविवार 8 मार्च को 12 मैच खेले गये। पांचवे लीग मैच रविवार 15 मार्च को खेले जायेंगे। अवसर पर मैच का टॉस कर उपस्थित अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष रमेश पंवार, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबूराम पंवार, उपाध्यक्ष वोराराम भायल, सचिव चेलाराम भायल, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, पदाधिकारी, खिलाड़ी, व समाज बन्धु।

आगामी 29 अप्रैल को देश भर में आयोजित गो सम्मान आह्वान अभियान के लिए गुजरात के राजकोट, मोरबी आदि क्षेत्र में प्रचार किया गया। अवसर पर समाज सेवी घनश्याम पटेल, स्मिथ पटेल को लव फॉर काऊ फाउंडेशन की जानकारी देते हुए चेयरमन जसमत पटेल।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

28 मार्च से शुरू होगा आईपीएल 2026: बंगाल-तमिलनाडु समेत 5 राज्यों में चुनावों के चलते शेड्यूल बदला

चेन्नई, 8 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च को होगी। इसकी घोषणा रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले भारत-न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल से पहले ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स ने की।

पहले टूर्नामेंट 26 मार्च से शुरू होना था, लेकिन तमिलनाडु, केरल, असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में होने वाले चुनावों के कारण शेड्यूल में बदलाव किया गया है। हालांकि IPL की ओर से अभी तक टूर्नामेंट का पूरा कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है।

चेपॉक, ईडन गार्डन्स में होते हैं मैच

विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में तीन ऐसे प्रमुख स्टेडियम हैं जो IPL वेन्यू के रूप में इस्तेमाल होते रहे हैं। तमिलनाडु के चेन्नई स्थित एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) चेन्नई सुपर किंग्स का होम ग्राउंड है।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में स्थित ईडन गार्डन्स कोलकाता नाइट राइडर्स का घरेलू मैदान है, जबकि असम के गुवाहाटी में बना बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम राजस्थान रॉयल्स का सेकेंड होम वेन्यू रहा है।

चुनाव के कारण दो चरणों में आ सकता है शेड्यूल

2008 में आईपीएल शुरू होने के बाद जब भी देश में आम चुनाव (2009, 2014, 2019 और 2024) या किसी राज्य में विधानसभा चुनाव हुए हैं, टूर्नामेंट का शेड्यूल दो हिस्सों में जारी किया गया है। ऐसे में संभावना है कि इस बार भी बीसीसीआई ऐसा ही करेगा।

चुनावी राज्यों में IPL वेन्यू

राज्य	शहर	स्टेडियम
तमिलनाडु	चेन्नई	एम. ए. चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक)
असम	गुवाहाटी	बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम
पश्चिम बंगाल	कोलकाता	ईडन गार्डन्स
केरल	तिरुवनंतपुरम	ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम

कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी संतोष मेनन ने कन्फर्म किया कि बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही ओपनिंग और फाइनल मैच खेले जाएंगे। होम टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस बार अपने 5 होम मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगी।

आरसीबी के बाकी दो होम मैच छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होंगे। पिछले सीजन की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 2025 के फाइनल में अहमदाबाद में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराया था।

आईपीएल में परंपरा रही है कि टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच, क्वालिफायर-2 और फाइनल मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन टीम के होमग्राउंड पर रखा जाए। पिछले साल का ओपनिंग मैच 2024 की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के होमग्राउंड पर हुआ था। इसी तरह इस बार के मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

ऑक्शन में 26 मार्च बताया गया था

बीसीसीआई ने पिछले साल दिसंबर में अबू धाबी में हुई आईपीएल नीलामी के दौरान फ्रेंचाइजियों को बताया था कि सीजन 26 मार्च से 31 मई तक चलेगा। उस समय 26 मार्च से शुरुआत तय मानी जा रही थी। हालांकि, अगर ओपनिंग डेट आगे बढ़ती है तो फाइनल की तारीख नहीं बदलेगी। क्योंकि 31 मई को रविवार है और अक्सर बड़े स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में खिताबी मुकाबले रविवार को ही होते हैं।

तजिंदरपाल सिंह ने बढ़ाया मान
20 मीटर से अधिक के थ्रो के साथ गोला फेंक में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक तजिंदरपाल सिंह तूर ने इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता के पहले दिन गोला फेंक (शॉट पुट) स्पर्धा में 20 मीटर से अधिक का थ्रो करके स्वर्ण पदक जीता। पंजाब के 31 वर्षीय एथलीट ने सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 20.51 मीटर की दूरी के थ्रो से स्वर्ण पदक जीता।

अपने प्रदर्शन पर क्या बोले?

पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान परिसर में दो दिवसीय प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद तूर ने कहा, मैं अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हूं। तूर ने दो अन्य प्रयासों (20.02 मीटर और 20.07 मीटर) में भी 20 मीटर का आंकड़ा पार किया जिससे संकेत मिलता है कि उनका प्रशिक्षण सत्र अच्छा चल रहा था। उनके अन्य तीन प्रयास विफल रहे। तूर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 21.17 मीटर जून 2023 में बना था। इस सत्र में उनका मुख्य लक्ष्य जापान के आइची-नागोया एशियाई खेलों में अपने खिताब को बरकरार रखने के लिए साल के अंत तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। पटियाला में आयोजित हैमर थ्रो प्रतियोगिता में रिलायंस का प्रतिनिधित्व करने वाले स्वर्ण पदक विजेता दमनीत सिंह पर भी सबकी निगाहें टिकी थीं। उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 70.64 मीटर था जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड 70.73 मीटर से कम रहा।

5 गेंदों पर लगातार 5 विकेट, 30 साल के गेंदबाज ब्रेट रेंडेल का बड़ा चमत्कार, सिर्फ 9 रन पर आधी टीम आउट

वेलिंगटन, 8 मार्च (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ब्रेट रेंडेल ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट के 254 साल के इतिहास में एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. उन्होंने लगातार 5 गेंदों पर 5 विकेट चटकाकर यह उपलब्धि हासिल की, जो फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में अब तक किसी भी खिलाड़ी ने नहीं किया था. ये कारनामा न्यूजीलैंड के घरेलू टूर्नामेंट प्लंकेट शील्ड में देखने को मिला. ब्रेट रेंडेल ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से खेलते हुए नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के खिलाफ ये घातक गेंदबाजी की.

ब्रेट रेंडेल ने झटके 5 गेंदों पर लगातार 5 विकेट

30 साल के ब्रेट रेंडेल ने नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की बल्लेबाजी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया. उन्होंने न सिर्फ 5 लगातार गेंदों पर 5 विकेट लिए, बल्कि एक ही सेशन में 8 ओवर में 7 विकेट चटकाए, जिसमें यह पांच विकेट वाला जादुई स्पेल शामिल था. मैच में उन्होंने नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के टॉप ऑर्डर को तबाह करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया. बता दें, ब्रेट रेंडेल पहले नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के लिए ही खेलते थे और अब उसी टीम के खिलाफ

उन्होंने ये कमाल किया. फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में पहले हैट्रिक कई बार हुए हैं, लेकिन 5 लगातार गेंदों पर 5 विकेट का यह पहला मामला है. इससे पहले लिस्ट ए फॉर्मेट में ऐसा हुआ था.

बता दें, ब्रेट रेंडेल ने अपने दूसरे ही ओवर में पहली सफलता हासिल की. उन्होंने इस ओवर की आखिरी गेंद पर विकेट चटकाया. इसके बाद अपने अगले ओवर की शुरुआत 4 गेंदों पर 4 विकेट लेकर ये कारनामा किया. इन 5 में से 3 विकेट उन्होंने क्लीन बोल्ड करके लिए, वहीं 2 बल्लेबाज कैच आउट हुए. जिसके चलते नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की आधी टीम सिर्फ 9 रन पर पवेलियन लौट गई. उनके इस जादुई स्पेल का वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है.

82 रन पर ढेर हुए नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की पारी

इस मुकाबले में सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 373 रन बनाए थे. लेकिन इसके जवाब में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की टीम अपनी पहली पारी में सिर्फ 82 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई. इस दौरान सिर्फ 2 बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा छू सके. ब्रेट रेंडेल ने कुल 11 ओवर फेंके और 25 रन खर्च करते हुए 7 विकेट अपने नाम किए.

अमीलिया ने 44 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा
जिम्बाब्वे के खिलाफ विमेंस वनडे में 7 विकेट लिए

लोगन पार्क, 8 मार्च (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड विमेंस की कप्तान अमीलिया कर ने रविवार को डुनेडिन के यूनिवर्सिटी ओवल मैदान में इतिहास रच दिया। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे में कर ने महज 34 रन देकर 7 विकेट झटके। यह न्यूजीलैंड विमेंस के लिए वनडे क्रिकेट में अब तक की बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस है।

अमीलिया कर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 7 विकेट लेकर जैकी लॉर्ड का 44 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। जैकी ने 1982 के विमेंस वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ महज 10 रन देकर 6 विकेट लिए थे। तब से कोई भी कीवी गेंदबाज एक पारी में 7 विकेट नहीं ले पाई थीं।

न्यूजीलैंड की घातक गेंदबाजी के सामने जिम्बाब्वे की टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई। पूरी टीम 102 रन ही बना पाई। ओपनर केलिस एनध्लोवु ने 12 और विकेटकीपर मोडेस्टर मुपाचिक्वा ने 32 रन बनाकर टीम को 50 के पार पहुंचाया। वहीं औड्रे माज्विशाया ने 13 और तेंदाई माकुशा ने 12 रन बनाकर जिम्बाब्वे को किसी तरह 100 रन के पार कराया।

न्यूजीलैंड के लिए मौली पेनफोल्ड ने जिम्बाब्वे के टॉप ऑर्डर को तोड़ते हुए शुरुआती 3 विकेट लिए। इसके बाद कर ने मोर्चा संभाला और एक के बाद एक 7 विकेट लेकर जिम्बाब्वे की कमर तोड़ दी। ब्री इलिंग, रोजमेरी मेयर और नेन्सी पटेल कोई विकेट नहीं ले पाईं।

अमीलिया कर दुनिया की 7वीं ही गेंदबाज बनीं, जिन्होंने एक विमेंस वनडे में 7 विकेट लिए। इस क्लब में पाकिस्तान की साजिदा शाह, ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी, अलाना किंग, शेली निशके, वेस्टइंडीज की अनीसा मोहम्मद और इंग्लैंड की जो चेम्बरलैन शामिल हैं।

103 रन का टारगेट न्यूजीलैंड विमेंस ने 16.2 ओवर में ही चेज कर लिया। कप्तान अमीलिया कर ओपनिंग करने उतरीं और 40 गेंद पर 45 रन बनाए। विकेटकीपर इजाबेला गेज 20 रन बनाकर आउट हुईं। आखिर में मैडी ग्रीन ने 27 और ब्रूक हालिडे ने 7 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। जिम्बाब्वे से औड्रे माज्विशाया और क्रिस्टाबेल चाटोन्ज्वा ने 1-1 विकेट लिया।

सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई

न्यूजीलैंड ने दूसरा वनडे 8 विकेट से जीतकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। टीम ने पहला मैच 180 रन से जीता था। तीसरा मैच 11 मार्च को डुनेडिन में ही खेला जाएगा। इससे पहले व्हाइटफर्न्स ने टी-20 सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। अमीलिया कर प्लेयर ऑफ द सीरीज चुनी गई थीं।

3 दिन भी नहीं टिकी टीम इंडिया
ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से हराया पिंक बॉल टेस्ट, सीरीज भी गंवाई

पर्थ, 8 मार्च (एजेंसियां)। पर्थ के वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट एसोसिएशन ग्राउंड में खेला गया डे-नाइट टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने आसानी से जीत लिया. इस मुकाबले में भारतीय महिला टीम पूरी तरह फ्लॉप रही, जिसके चलते उसने मल्टी फॉर्मेट सीरीज भी गंवा दी. भारतीय महिला टीम इस मुकाबले में 3 दिन भी नहीं टिक सकी और तीसरे दिन के पहले सेशन में ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से बाजी मार ली.

मुकाबले में टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने पहले गेंदबाजी चुनी और वह पहले ही सेशन से मैच में हावी रही. भारतीय टीम पहली पारी में 62.4 ओवर में 198 रन पर ऑलआउट हो गई. जिसमें जेमिमा रोड्रिग्स ने अर्धशतक जमाया, लेकिन बाकी बल्लेबाज ज्यादा देर टिक नहीं पाईं. ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी में ऐनाबेल सदरलैंड ने सबसे ज्यादा 4 विकेट चटकाए. जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 323 रन बनाए. जिसके चलते ऑस्ट्रेलिया को 125 रनों की मजबूत बढ़त मिली.

ऐनाबेल सदरलैंड ने गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजी में भी कमाल किया और शतक जड़ते हुए 129 रनों की पारी खेली. एलिस पेरी ने भी 76 रन बनाए और इस दौरान महिला टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की ओर से टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज भी बन गईं. दूसरी ओर. भारत की सयाली सतघरे ने डेब्यू पर 4 विकेट लिए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोक नहीं पाई.

भारतीय टीम दूसरी पारी में भी कुछ खास नहीं कर की. स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा एक बार फिर जल्दी आउट हो गईं. सदरलैंड और डेब्यूटेंट लूसी हैमिल्टन ने मिलकर टॉप ऑर्डर को ध्वस्त किया. जिसके चलते भारतीय टीम इस पारी में भी 149 रन बनाकर ढेर हो गई. टीम ने ये स्कोर भी प्रतिका रावल की 63 रनों जुझारू पारी के चलते बनाया और ऑस्ट्रेलिया को 25 रनों का टारगेट दिया. जिसके ऑस्ट्रेलिया ने 4.3 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए हासिल कर लिया.

रोनाल्डो की चोट कितनी गंभीर
क्या फीफा विश्वकप में नहीं खेलेंगे?
पुर्तगाल की परेशानी बढ़ी

लिस्बन, 8 मार्च (एजेंसियां)। अल-नस्र के कोच जॉर्ज जीसस ने कहा कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो की हैमस्ट्रिंग की चोट जितना अनुमान लगाया जा रहा था उससे अधिक गंभीर है। इस चोट के कारण 41 वर्षीय रोनाल्डो का पुर्तगाल की तरफ से आगामी मैत्री मैचों में खेलना भी संदिग्ध है। यह स्टार फुटबॉलर पिछले सप्ताहांत अल-नस्र की सऊदी प्रो लीग में अल-फायहा पर 3-1 से मिली जीत के दौरान लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चला गया था। जीसस ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा, 'पिछले मैच में क्रिस्टियानो को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। अब जांच से यह स्पष्ट हो गया है कि हमने जितना अनुमान लगाया था उनकी चोट उससे अधिक गंभीर है।'

उन्होंने कहा, 'उन्हें आराम करने और उचित उपचार करने की जरूरत है। क्रिस्टियानो इलाज के लिए स्पेन जाएंगे। उन्हें अपने निजी फिजियोथेरेपिस्ट से इलाज करवाना होगा। हमें उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।'

पुर्तगाल विश्व कप की अपनी तैयारी के तहत 28 मार्च को मैक्सिको के खिलाफ मैक्सिको सिटी में और इसके बाद एक अप्रैल को अमेरिका के खिलाफ अटलांटा में मैत्री मैच खेलेगा। उन्होंने अल नस्र की तरफ से इस सत्र में 22 लीग मैच में 21 गोल किए हैं।

पृथ्वी शॉ ने की गर्लफ्रेंड आकृति अग्रवाल से सगाई

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने रविवार को लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड आकृति अग्रवाल से सगाई कर ली। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी। बता दें कि, हाल ही में सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी में पृथ्वी अपनी गर्लफ्रेंड के साथ समारोह में पहुंचे थे।

कौन हैं आकृति अग्रवाल?

आकृति अग्रवाल सोशल मीडिया की जानी-मानी पर्सनैलिटी हैं और इंस्टाग्राम पर उनके 3.2 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। हाल ही में उन्होंने तेलुगु क्राइम थ्रिलर फिल्म त्रिमुखा से एक्टिंग की दुनिया में भी कदम रखा है। आकृति का जन्म लखनऊ में हुआ था, लेकिन बाद में वो मुंबई आ गई। मुंबई के एक रेस्टोरेंट से ब्लैक आउटफिट में पृथ्वी शॉ के साथ निकलते हुए आकृति का एक वीडियो वायरल हुआ। इससे वह रातों-रात स्टार हो गईं और उनके फॉलोअर्स बढ़ने लगे। आकृति अग्रवाल सिर्फ इन्फ्लुएंसर ही नहीं, बल्कि वह फिल्मों की ओर भी कदम बढ़ा रही हैं।

पृथ्वी शॉ का करियर

दाएं हाथ के बल्लेबाज पृथ्वी शॉ लंबे वक्त से टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं। उन्हें पिछली बार भारत के लिए 2021 में खेलते देखा गया था। उन्होंने अब तक भारत के लिए पांच टेस्ट, छह वनडे और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। वहीं, 65 फर्स्ट क्लास, 71 लिस्ट ए और 124 टी20 मैचों में उनके नाम क्रमशः 5093, 3592 और 3085 रन दर्ज हैं।

स्मृति मंधाना समेत 8 क्रिकेटर, जिन्होंने भारत को पहली बार जिताया था महिला वनडे वर्ल्ड कप

मुंबई, 8 मार्च (एजेंसियां)। कहते हैं इतिहास लिखा जाता है. 2 नवंबर 2025 को भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी वनडे वर्ल्ड कप का खिताब पहली बार अपने नाम कर, वही किया. उन्होंने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले फाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका को हराकर अपने वर्ल्ड चैंपियन बनने की ऐतिहासिक कहानी लिखी. हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम ने सिर्फ भारत का ही नहीं बल्कि पूरे एशिया का नाम रोशन किया. वो महिला वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनी. भारत को महिला क्रिकेट का वर्ल्ड चैंपियन बनाने में वैसे तो पूरी की पूरी टीम का बड़ा हाथ है, लेकिन उन 8 की बात बहुत जरूरी है, जो शायद अगर ना होती तो भारतीय महिला क्रिकेट टीम की चैंपियन वाली पैंठ भी नहीं जमती.

हरमनप्रीत कौर - स्टोरी टूर्नामेंट के शुरुआती संघर्ष से शुरू होती है. भारत ने पहले दो मैच जीते, लेकिन फिर तीन हार का सामना किया. टीम पर दबाव था, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कभी हार नहीं मानी. पूरे टूर्नामेंट में 9 मैचों में उन्होंने 32.50 की औसत से 260 रन बनाए. सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 89 रनों की पारी ने भारत को 339 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने का हौसला दिया.

स्मृति मंधाना - स्मृति मंधाना तो टूर्नामेंट की सबसे चमकदार सितारा रहीं. 9 मैचों में 54.25 की औसत से 434 रन बनाकर वो भारत की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनीं. पूरे वर्ल्ड कप में उन्होंने लगातार पार्टनरशिप दी. पहले प्रतिका रावल के साथ और फिर टूर्नामेंट

के नॉक आउट में आकर शेफाली के साथ.

प्रतिका रावल - टूर्नामेट में स्मृति की शुरुआती जोड़ीदार प्रतिका रावल ने भी कमाल किया. सिर्फ 7 मैच खेलकर उन्होंने 51.33 की औसत से 308 रन बनाए. न्यूजीलैंड के खिलाफ मस्ट-विन मैच में 122 रनों की उनकी शतकीय पारी ने भारत को सेमीफाइनल की राह दिखाई.

जेमिमा रोड्रिग्स - भारत की मिडिल ऑर्डर में रक्षक बनीं जेमिमा रोड्रिग्स. 8 मैचों में 58.40 की औसत से उन्होंने 292 रन बनाए. इंग्लैंड के खिलाफ ड्रॉप होने के बाद जेमिमा ने वापसी की और न्यूजीलैंड के खिलाफ अर्धशतक जड़ा.

ऋचा घोष - विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने फिनिशर की भूमिका निभाई. उन्होंने 8 मैचों में 133.52 की स्ट्राइक रेट और 33.16 की औसत के साथ 235 रन बनाए. ऋचा की स्ट्राइक रेट पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रही, जो निचले ऑर्डर को संभालने का सबसे बड़ा हथियार साबित हुई.

दीप्ति शर्मा - अब आती है ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा की कहानी. वे टूर्नामेंट की सबसे बड़ी स्टार थी. दीप्ति को 9 मैचों में 215 रन बनाने के अलावा 22 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया.

श्री चरणी - भारतीय महिला क्रिकेट टीम के वर्ल्ड चैंपियन बनने की बात श्री चरणी के बिना अधूरी है. श्री चरणी ने टूर्नामेंट में चुपचाप अपना काम गेंद से किया. उन्होंने 9 मैचों में 14 विकेट चटकाए. मिडिल ओवर में कंट्रोल करने वाली उनकी गेंदबाजी ने कई मैच पलटे.

भारत की महिला क्रिकेट में सुनहरे युग की शुरुआत

ये आठों जांबाज—हरमनप्रीत, स्मृति, प्रतिका, शेफाली, जेमिमा, ऋचा, दीप्ति और श्री चरणी- ने मिलकर भारत को चैंपियन बनाया. सेमीफाइनल में 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराने से लेकर फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से रौंदने जैसे हर पल इनकी मेहनत का फल था. स्मृति की क्लास, शेफाली की आक्रामकता, जेमिमा का धैर्य, दीप्ति का ऑलराउंड जादू, ऋचा की पावर, प्रतिका की स्थिरता, हरमनप्रीत की नेतृत्व क्षमता और श्री चरणी का छुपा हुआ कमाल, ये कहानी सिर्फ एक वर्ल्ड कप की नहीं, बल्कि भारतीय महिला क्रिकेट के सुनहरे युग की शुरुआत की है.

न्यूजीलैंड विमेंस पेसर ली ताहूहू का वनडे क्रिकेट से संन्यास

वेलिंगटन, 8 मार्च (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड विमेंस क्रिकेट टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज ली ताहूहू ने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया। 35 साल की ताहूहू ने अपने 15 साल लंबे वनडे करियर पर ब्रेक लगाया। वे टी-20 क्रिकेट खेलना जारी रखेंगी, उन्होंने कहा कि उनका टारगेट इस साल जून में होने वाला वर्ल्ड कप है। ताहूहू ने 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था। तब से वे कीवी टीम के बॉलिंग डिपार्टमेंट को लीड कर रही हैं। उन्होंने पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना आखिरी वनडे खेला। इस मुकाबले में उन्होंने 9 रन देकर 1 विकेट लिया। सबसे ज्यादा विकेटः वे न्यूजीलैंड की ओर से वनडे में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। उन्होंने 103 मैचों में 125 विकेट झटके। 100 मैचों का क्लबः वे न्यूजीलैंड की उन चुनिंदा 12 महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने 100 से ज्यादा वनडे मैच खेले। वर्ल्ड कप का अनुभवः ताहूहू ने अपने करियर में 4 वनडे वर्ल्ड कप (2013, 2017, 2022 और 2025) खेले। संन्यास की घोषणा करते हुए ताहूहू भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा, व्हाइटफर्न्स के लिए वनडे खेलना हमेशा गर्व की बात रही। जब मैंने शुरुआत की थी, तो एक मैच खेलना भी बड़ी बात थी, लेकिन अपने देश के लिए 100 से ज्यादा मैच खेलना मेरे लिए सपने जैसा है।

महिला कल्याण के क्षेत्र में देश में अग्रणी है तेलंगाना : मंत्री पोंगुलेटी

सभी क्षेत्रों में महिलाओं को विशेष महत्व दे रही है सरकार

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजस्व, आवास तथा सूचना-जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के मामले में तेलंगाना देश के सभी राज्यों से आगे है। उन्होंने यह बात अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रजाभवन में आयोजित विशेष कार्यक्रम में कही, जिसमें वे अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार सभी क्षेत्रों में महिलाओं को विशेष महत्व दे रही है। इसी के तहत राज्य में एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने के लक्ष्य के साथ शून्य प्रतिशत ब्याज पर अब तक लगभग 23 हजार करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है। आने वाले समय में लगभग 24 से 25 हजार करोड़ रुपये और उपलब्ध कराकर महिलाओं को आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने बताया कि सौर ऊर्जा पैनल स्थापित करने, पेट्रोल पंप आवंटित करने और निजी बसों का स्वामित्व देने जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। इसके साथ ही आवास योजना के अंतर्गत घरों के पट्टे महिलाओं के नाम पर ही दिए जा रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि इस वर्ष महिला दिवस के अवसर पर महिला पत्रकारों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव मुख्यमंत्री ने दिया था, उसी के अनुसार यह अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं तथा महिला पत्रकारों को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है और मान्यता पत्र जारी करने में भी उन्हें प्राथमिकता दी जा रही है। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि भविष्य में भी पत्रकारों से अपेक्षा है कि वे जनता और सरकार के बीच समन्वय स्थापित करते हुए उत्कृष्ट पत्रकारिता के माध्यम से समाज की सेवा करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से राज्य की प्रतिष्ठा और अधिक बढ़ेगी।

महिला सशक्तिकरण से ही राज्य का विकास संभव : रेवंत रेड्डी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सीएम ने किया महिलाओं का सम्मान

मूसी नदी के पुनरुद्धार की योजना पर भी कार्य जारी

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रजाभवन, हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक शक्ति बढ़े बिना किसी भी राज्य और देश का विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को हर क्षेत्र में अवसर देकर उन्हें सशक्त बनाने के लिए अनेक कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश में महिलाओं को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री और दलाध्यक्ष जैसे सर्वोच्च पदों तक पहुंचने का अवसर दिया है।

उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी की प्रेरणा से ही तेलंगाना राज्य का गठन संभव हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रशासनिक पदों पर महिलाओं को अधिक अवसर दिए जा रहे हैं। कई महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी महिला अधिकारियों को सौंपी गई है और हैदराबाद जैसे महत्वपूर्ण जिले में भी महिला जिलाधिकारी कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि अवसर मिलने पर महिलाओं की क्षमता स्वयं सामने आती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने महिलाओं को बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी है। इसके साथ ही स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को एक हजार बसों का स्वामित्व देकर उन्हें बड़े उद्योगों से प्रतिस्पर्धा करने का अवसर दिया गया है।

स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को एक हजार मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन केंद्रों का स्वामित्व भी दिया गया है। उन्होंने बताया कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार वस्तुओं की बिक्री के लिए सरकार ने एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंच के साथ समझौता कराया है। महिलाओं की प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए उच्च प्रौद्योगिकी नगर के पास लगभग एक हजार करोड़ रुपये की लागत से साढ़े तीन एकड़ भूमि पर 150 विक्रय कक्ष स्थापित किए गए हैं, जिससे स्थानीय प्रतिभा को वैश्विक स्तर तक पहुंचाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व के कई विकसित देशों में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ने से ही विकास संभव हुआ है, जबकि भारत में अभी भी महिलाओं को अपेक्षित पहचान नहीं मिल पाई है। उन्होंने कहा कि विचारों और सिद्धांतों के बल पर बड़े परिवर्तन संभव होते हैं। महात्मा गांधी ने 'यंग इंडिया' पत्रिका के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन को दिशा दी, जबकि जवाहरलाल नेहरू ने 'नेशनल हेराल्ड' के जरिए देश की नीतियों और स्वतंत्रता संग्राम को मजबूती दी। सुरवरम प्रताप रेड्डी द्वारा संचालित 'गोलकोंडा' पत्रिका का भी उन्होंने उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक तेलंगाना को एक लाख करोड़ डॉलर के स्तर की अर्थव्यवस्था वाले राज्यों की श्रेणी में पहुंचाना है। इसके लिए राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद देश के सर्वश्रेष्ठ नगरों में से एक है और इसे विश्वस्तरीय नगर के रूप में विकसित करने के लिए प्रदूषण नियंत्रण तथा आधारभूत संरचना के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शहर में चल रही डीजल बसों को चरणबद्ध तरीके से हटाकर उनकी जगह विद्युत बसें लाई जाएंगी। साथ ही महाविद्यालयों की छात्राओं को विद्युत चालित दोपहिया वाहन उपलब्ध कराने की योजना भी शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर को स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाने के लिए मूसी नदी के पुनरुद्धार की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है। इस संबंध में 13 मार्च को विस्तृत प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा और उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सामाजिक माध्यमों में फैलने वाली भ्रामक खबरों के विरुद्ध शिकायत दर्ज करने के लिए भी एक विशेष व्यवस्था बनाई जाएगी।

परियोजनाओं के निर्माण को लेकर बीआरएस का दावा गलतः वाकिटि श्रीहरि

महबूबनगर क्षेत्र की सिंचाई परियोजनाओं पर समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के एर्रमंजिल स्थित जलसौध में राज्य के सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी की अध्यक्षता में संयुक्त महबूबनगर जिले की सिंचाई परियोजनाओं पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंत्री वाकिटि श्रीहरि ने भाग लेते हुए विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा की। बैठक के बाद मंत्री वाकिटि श्रीहरि ने कहा कि परियोजनाओं के निर्माण को लेकर बीआरएस के नेता गलत दावे कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस नेता यह दावा करते हैं कि उनके शासनकाल में 90 प्रतिशत कार्य पूरे कर दिए गए, जबकि वास्तविक स्थिति यह है कि एक भी परियोजना पूरी नहीं हुई है। संयुक्त महबूबनगर जिले में कई सिंचाई परियोजनाओं को बीच में ही छोड़ दिया गया है। मंत्री ने मक्तल -नारायणपेट-कोंडगल लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए किसानों की 99 प्रतिशत भूमि का मुआवजा दिए जाने पर सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जूराला परियोजना में गाद नहीं हटाने के कारण जल भंडारण क्षमता कम हो रही है। इस समस्या को देखते हुए अधिकारियों को शीघ्र गाद हटाने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने पालमूर रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना के अंतर्गत भूतपूर और संगनबंडा पंप हाउसों के साथ सर्जिपुर पंप हाउस का निर्माण भी जल्द पूरा करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि सर्जिपुर पंप हाउस पूरा होने से मक्तल और नारायणपेट क्षेत्रों को कम समय में अधिक पानी उपलब्ध कराया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के गेटों की मरम्मत नहीं होने के कारण पानी व्यर्थ बह रहा है। गेटों की मरम्मत में लापरवाही के कारण खेतों तक पहुंचने वाला पानी बर्बाद हो रहा है। मंत्री ने बताया कि भूतपुर और संगनबंडा गांवों के किसानों ने छह हजार एकड़ से अधिक भूमि परियोजनाओं के लिए दी है, लेकिन अभी तक उन्हें मुआवजा नहीं मिला है, जिससे वे परेशान हैं। उन्होंने कहा कि संगनबंडा पंप हाउस के लिए कर्नाटक के किसान 100 एकड़ भूमि देने के लिए तैयार हैं। यदि उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए तो परियोजना का कार्य और सरलता से पूरा किया जा सकता है। मंत्री वाकिटि श्रीहरि ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परियोजनाओं के गेटों की निगरानी के लिए सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था की जाए।

साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस की वीकेंड- विशेष वाहन जांच

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सप्ताहांत में विशेष शराब पीकर वाहन चलाने (ड्रंक ड्राइविंग) के खिलाफ अभियान चलाया, जिसके तहत कुल 273 अपराधियों को पकड़ा गया। कुल मामलों में 214 दोपहिया वाहन, 8 तिपहिया वाहन, 49 चारपहिया वाहन और 2 भारी वाहन शामिल थे। खून में शराब की मात्रा (बीएसी) के आधार पर 234 अपराधियों के बीएसी स्तर 36 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर से 200 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर के बीच पाए गए। 23 अपराधियों के बीएसी स्तर 201 से 300 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर के बीच थे। वहीं, 16 अपराधियों के बीएसी स्तर 301 से 550 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर पाए गए। सभी अपराधियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा। साइबराबाद पुलिस ने दोहराया कि शराब के प्रभाव में वाहन चलाना गंभीर अपराध है। यदि कोई व्यक्ति नशे की स्थिति में वाहन चलाते हुए जानलेवा दुर्घटना का कारण बनता है, तो उसे भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105 (हत्या के प्रयास के बिना हत्या करने का दोष) के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। इस धारा के तहत अधिकतम दंड 10 वर्ष का कारावास और जुर्माना है। पिछले सप्ताह (2 से 7 मार्च) के दौरान, अदालतों में कुल 132 शराब पीकर वाहन चलाने के मामले निपटाए गए, जिसमें 8 अपराधियों को जुर्माने और जेल दोनों की सजा दी गई, 4 को जुर्माने के साथ सामाजिक सेवा का कार्य कराया गया और 120 अपराधियों को केवल जुर्माना देना पड़ा।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने लोक भवन में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल का ट्रांसफर महाराष्ट्र के लिए हो गया है।

महिलाओं के बिना समाज की कल्पना नहीं : डॉ. पुष्पा

पीआरएसआई ने किया महिलाओं का सम्मान

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनसंपर्क सोसाइटी (पीआरएसआई) हैदराबाद की महिला शाखा द्वारा रविवार को महिला दिवस के अवसर पर सेंट जोसेफ डिग्री एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जनसंपर्क क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों, महिला प्रतिनिधियों और छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. जी. पुष्पा चक्रपाणि, शैक्षणिक निदेशक, डॉ. बी. आर. आंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय ने उपस्थित लोगों को महिला दिवस की शुभकामनाएँ दीं और हैदराबाद अध्याय द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिला दिवस की शुरुआत वर्ष 1908 में अमेरिका में महिलाओं के श्रमिक आंदोलन से हुई थी और वर्ष 1975 में संयुक्त राष्ट्र ने 8 मार्च को आधिकारिक रूप से महिला दिवस के रूप में मान्यता दी। डॉ. पुष्पा ने कहा कि महिलाओं से जुड़े कार्यक्रमों में पुरुषों की भागीदारी भी आवश्यक है, जिससे समाज में व्यापक जागरूकता और सहयोग बढ़ सके। उन्होंने कहा कि महिलाओं के बिना समाज की कल्पना नहीं की जा सकती और प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए महिलाओं को शिक्षा के अधिकार को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून का भी उल्लेख किया। विशिष्ट अतिथि अंतराष्ट्रीय योग प्रशिक्षक तथा कलाकृति योग की संस्थापक येसस्विनी ने कहा कि परिवार और समाज की खुशहाली में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने महिलाओं से नियमित योग करने और दिन की शुरुआत ताज़ी हवा तथा सकारात्मक गतिविधि से करने की सलाह दी। एक अन्य विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध कैरम खिलाड़ी तथा विश्व कीर्तिमान धारक डॉ. शेख हुस्ना समीरा ने अपनी प्रेरणादायक यात्रा साझा की। उन्होंने अपनी उपलब्धियों का श्रेय अपनी माता को देते हुए कहा कि बचपन में अनुशासन और कड़े संस्कारों ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि वे केवल अपनी माता की ही नहीं बल्कि भारत की भी बेटी हैं और महिलाओं से बच्चों में राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का आह्वान किया। इससे पहले जनसंपर्क संस्था के हैदराबाद अध्याय के अध्यक्ष डॉ. यदागिरि कम्भमपाटि ने कहा कि अध्याय में महिला शाखा का होना गर्व की बात है और इसके माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण तथा उनके पेशेवर विकास के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। महिला शाखा की संयोजक तथा सेंट जोसेफ डिग्री एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राध्यापिका अर्पणा राजहंस ने कहा कि यह संस्थान जनसंपर्क विषय में शैक्षणिक पाठ्यक्रम चलाने के साथ-साथ संस्था की गतिविधियों को भी सक्रिय सहयोग देता रहा है। हैदराबाद शाखा के सचिव राजेश कल्याना और महिला शाखा की सह-संयोजक डॉ. अनुराधा मेडा सहित अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों का परिचय कराया। इस अवसर पर संपादक वाई. बाबजी ने कहा कि हैदराबाद अध्याय में महिला शाखा की स्थापना का विचार उन्होंने वर्ष 2002 में अपने अध्यक्षीय कार्यकाल के दौरान रखा था। उन्होंने कहा कि देश में हैदराबाद अध्याय ही ऐसा अध्याय है जहाँ महिला शाखा अपनी स्वतंत्र व्यवस्था के साथ कार्य कर रही है। कार्यक्रम में वरिष्ठ जनसंपर्क विशेषज्ञों सहित बड़ी संख्या में महिला प्रतिनिधियों और छात्राओं ने भाग लिया।

जेईई मेन्स में असफल होने पर छात्रा ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर इलाके में एक 17 वर्षीय छात्रा ने कथित तौर पर जेईई मेन्स परीक्षा में असफल होने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार छात्रा अपने माता-पिता के साथ राजेंद्रनगर में रहती थी। फरवरी में जेईई मेन्स के परिणाम घोषित हुए थे, जिसमें वह पास नहीं हो पाई थी। इसके बाद वह काफी परेशान और अवसाद में रहने लगी थी। बताया गया कि 5 मार्च को छात्रा हिमायतसागर झील के पास गई और झील में कूद गई। काफी तलाश के बाद शनिवार शाम को उसका शव बरामद किया गया। राजेंद्रनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

स्वच्छता शिकायतों के लिए जीएचएमसी ने व्हाट्सएप सेवा शुरू की

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिकों को स्वच्छता सेवाओं में आसानी और त्वरित शिकायत निवारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने व्हाट्सएप के माध्यम से सीधे शिकायत दर्ज कराने की सुविधा शुरू की है। इस पहल से नागरिक अपने क्षेत्र की स्वच्छता समस्याओं की जानकारी बिना किसी कार्यालय जाए सीधे जीएचएमसी तक भेज सकते हैं। नागरिक अब सड़क पर कूड़ा, ओवरफ्लो बिन, साफ न किए गए कचरे, जाम नाले जिनमें कीचड़ साफ करने की आवश्यकता हो, और हरे-भरे अपशिष्ट हटाने जैसी समस्याओं की शिकायत एक साधारण व्हाट्सएप संदेश के जरिए कर सकते हैं। शिकायत में फोटो और समस्या के स्थान की जानकारी 8125966586 नंबर पर भेजी जा सकती है, जिससे जीएचएमसी अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के लिए सूचित किया जा सके। इस व्हाट्सएप आधारित प्रणाली का उद्देश्य नागरिकों को जल्दी, सरल और सुलभ मंच प्रदान करना है, ताकि वे शहर की सफाई में सक्रिय रूप से भाग ले सकें। शिकायत प्राप्त होने के बाद संबंधित स्वच्छता टीम को कार्रवाई के लिए तुरंत सतर्क किया जाएगा। जीएचएमसी अधिकारियों ने बताया कि इस पहल से नागरिकों और नगर प्रशासन के बीच समन्वय मजबूत होगा और शहर की स्वच्छता प्रबंधन प्रणाली में सुधार आएगा। नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए जीएचएमसी ने एक छोटा जागरूकता वीडियो भी जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि व्हाट्सएप के जरिए स्वच्छता समस्याओं की शिकायत कैसे करें। जीएचएमसी ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छ, हरा-भरा और स्वस्थ हैदराबाद बनाए रखने के लिए स्वच्छता समस्याओं की तुरंत शिकायत करके सक्रिय भागीदारी निभाएं।

जीएचएमसी ने अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सफाईकर्मियों को किया सम्मानित

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने शहर की सफाई और सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवा में दिन-रात मेहनत करने वाली महिला सफाईकर्मियों को सम्मानित किया। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के तहत, जीएचएमसी ने यूसुफगुड़ा सर्कल के जयप्रकाश नगर में 'नारी-नेतृत्व वाली स्वच्छता' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर महिला सफाईकर्मियों के समर्पण और स्थानीय महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को सराहा गया। अधिकारियों ने महिला कर्मियों की मेहनत की प्रशंसा करते हुए कहा कि हैदराबाद को स्वच्छ, हराभरा और स्वस्थ बनाए रखने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनकी सेवा सिर्फ दिनचर्या नहीं, बल्कि समाज के लिए सम्मान, धैर्य और देखभाल का मिशन है। जीएचएमसी ने स्वीकार किया कि महिला सफाईकर्मियों के अथक प्रयासों से शहर की स्वच्छता प्रणाली और स्वच्छता प्रचार मजबूत हुआ है। इस विशेष अवसर पर जीएचएमसी ने आधिकारिक खाता के माध्यम से अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त की और कहा कि महिलाएं शहर की स्वच्छता मुहिम की रीढ़ हैं।

दासोजु ने रेवंत सरकार पर उठाया बस्ती निकासों का मुद्दा

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के राज्यसभा सदस्य डॉ. दासोजु श्रवण ने तेलंगाना में कांग्रेस सरकार (जिसका नेतृत्व मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी कर रहे हैं) के बस्ती निवासियों के प्रति अमानवीय व्यवहार की कड़ी निंदा की और प्रशासन को 'बुल्डोजर शासन' करार दिया।

बीआरएस के सदस्य ने रविवार को सोमाजिगुड़ा प्रेस क्लब में 'मूसी नदी के किनारे बस्ती संघर्ष' विषयक गोलमेज बैठक में भाग लिया, जिसकी अध्यक्षता तेलंगाना बस्ती संयुक्त कार्रवाई समिति के संयोजक गोसुला श्रीनिवास ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बस्ती निवासियों के घरों को कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना तोड़ना लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है। दासोजु श्रवण ने कांग्रेस सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा, 'अंडुकोरा गुड्डगुंडो (इन चोरों को भगा देने के लिए)' और सरकार से मांग की कि वह बस्ती निवासियों की समस्याओं को सुने और उनके कष्टों के प्रति संवेदनशील बने। उन्होंने कहा कि सरकार का रवैया उस बारिश के समान है जो भैंस की पीठ पर गिरती है, जनता के दर्द की कोई परवाह नहीं। उन्होंने मुख्यमंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने चुनाव बस्ती के वोटों से जीते, लेकिन उसके बाद बस्ती निवासियों के प्रति कोई चिंता नहीं दिखाई।

नशा तस्कर समेत एक उपभोक्ता भी गिरफ्तार

367 ग्राम हैश ऑयल बरामद

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खैराताबाद जोन की कमिश्नर टास्क फोर्स टीम और मुशीराबाद पुलिस स्टेशन की टीम ने विश्वसनीय जानकारी के आधार पर मुशीराबाद के रिसालागड्डा, हवेली, बकरम क्षेत्र में छापेमारी कर एक नशा तस्कर और एक नशा सेवनकर्ता को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार तस्कर डोबरी ज्योति रत्न प्रदीप निवासी बैलाजी नगर, याप्राल, हैदराबाद और सेवनकर्ता कोटा विजय कुमार, निवासी गोलकोंडा क्रॉस रोड्स, मुशीराबाद शामिल है। इनके पास से हैश ऑयल के 53 छोटे प्लास्टिक कंटेनर, कुल 367 ग्राम, एक दोपहिया वाहन, तीन मोबाइल फोन बरामद हुआ है। जांच में आरोपी डोबरी ज्योति रत्न प्रदीप ने स्वीकार किया कि बरामद पदार्थ हैश ऑयल है। उसने और उसके साथी शेख महबूब बाशा ने विशाखापट्टनम से प्लास्टिक कंटेनरों में हैश ऑयल लाकर 50 हजार रुपये प्रति लीटर की दर से खरीदा। इसके बाद तस्कर छोटे 5 ग्राम के कंटेनरों में इसे बाटकर 2,000-2,500 रुपये प्रति 5 ग्राम में बेचते थे। कोटा विजय कुमार ने एक कंटेनर दो हजार रुपये में खरीदा। ज्योति रत्न प्रदीप गुंटूर से हैदराबाद आए और वित्तीय कठिनाइयों के कारण नशा तस्करी में शामिल हो गए। इसके पहले, वर्ष 2022 में प्रदीप को गुंटूर में हैश ऑयल के मामले में गिरफ्तार किया गया था। इसी वर्ष, कोटा विजय कुमार को भी नशा सेवन के मामले में गिरफ्तार किया गया था। तस्कर हैश ऑयल के साथ मुशीराबाद के उपरोक्त स्थान पर पहुंचा और नशा सेवनकर्ता को ड्रग देने के इंतजार में था। विश्वसनीय सूचना मिलने पर खैराताबाद जोन टास्क फोर्स और मुशीराबाद पुलिस टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर हैश ऑयल, वाहन और मोबाइल फोन बरामद किए। गिरफ्तार तस्कर और सेवनकर्ता तथा बरामद सामग्री को मुशीराबाद पुलिस स्टेशन के एसएचओ को आवश्यक कार्रवाई के लिए सौंपा गया।

आरटीसी बस की टक्कर से महिला की मौत

हैदराबाद, 8 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंबरपेट इलाके में शनिवार रात एक आरटीसी बस की टक्कर से महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान पीरजादिगुडा के श्रीकृष्णा कॉलोनी निवासी वी. पद्मावती (50) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार पद्मावती अपने बेटे विशाल कुमार रेड्डी के साथ स्कूटर पर जा रही थीं। उनका बेटा स्कूटर चला रहा था और वह पीछे बैठी थीं। गोलनाका रोड पर पहुंचते ही तेज रफ्तार से आ रही आरटीसी बस ने स्कूटर को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से पद्मावती सड़क पर गिर गईं और बस के पिछले पहियों के नीचे आ गईं। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान रात में उनकी मौत हो गई। अंबरपेट पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.